3 बस्तर संभाग
धान खरीदी में कमी की भरपाई नहीं होने पर लैम्प्स प्रबंधकों ...

6 अभिमत
सवालों के घेरे में नए श्रम कानून

10 संस्कारधानी
अब नहीं खुलेंगी किराना दुकानें और न सब्जी का पसरा ...

11 न्यायधानी
संविदा पद पर काबिज डीएमई ने किये लाखों के घोटाले ...

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, सोमवार 29 जून 2020 पृष्ठ-12 वर्ष-04, अंक-312 मूल्य 3.00 ₹

चीन पर भाजपा-कांग्रेस में शीतयुद्ध

भारत मित्रता निभाने जानता है तो आंख में आंख डालकर देखना और जवाब देना भी जानता है : मोदी

वार्ता ➤ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

लद्दाख में तनावपूर्ण स्थिति के बीच चीन का नाम लिये बिना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि भारत अगर मित्रता निभाना जानता है तो वह आंख में आंख डालकर उचित जवाब देना भी जानता है।

श्री मोदी ने आकाशवाणी पर 'मन की बात में कहा कि लद्दाख में भारत की भूमि पर, आँख उठाकर देखने वालों को, करारा जवाब मिला है। भारत, मित्रता निभाना जानता है, तो आँख-में-आँख डालकर देखना और उचित जवाब देना भी जानता है। हमारे वीर सैनिकों ने दिखा दिया है कि वो कभी भी माँ भारती के गौरव पर आँच नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा लद्दाख में हमारे जो वीर जवान शहीद हुए हैं, उनके शौर्य को पूरा देश नमन कर रहा है, श्रद्धांजलि दे रहा है। पूरा देश उनका कृतज्ञ है, उनके सामने नत-मस्तक है। इन साथियों के परिवारों की तरह ही, हर भारतीय, इन्हें खोने का दर्द भी अनुभव कर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि अपने वीर-सपूतों के बलिदान पर, उनके परिजनों में गर्व की जो भावना है, देश के लिए जो जज्बा है - यही तो देश की ताकत है। जिनके बेटे शहीद हुए, वो माता-पिता, अपने दूसरे बेटों को भी, घर के दूसरे बच्चों को भी, सेना में भेजने की बात कर रहे हैं । संकट चाहे जितना भी बड़ा हो, भारत के संस्कार, निस्वार्थ भाव से सेवा की प्रेरणा देते हैं। भारत ने जिस तरह मुश्किल समय में दुनिया की मदद की, उसने आज, शांति और विकास में भारत की भूमिका को और मजबूत किया है। दुनिया ने इस दौरान भारत की विश्व बंधुत्व की भावना को भी महसूस किया है और इसके साथ ही, दुनिया ने अपनी संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा करने के लिए भारत की ताकत और भारत की भी देखा है।

भारत दुश्मनों को जवाब देना जानता है- दुनिया ने इस दौरान भारत की विश्वबंधुत्व की भावना को भी महसूस किया है। हमने अपने सीमाओं की सुरक्षा करने वालों को जवाब भी दिया। भारत मित्रता निभाना जानता है ➤शेष पेज 8 पर

मोदी के मन की बात

यह साल भी अच्छा होगा

2020 ने आधा सफर पूरा कर लिया है। हर तरफ वैश्विक महामारी की ही बात हो रही है। हर कोई एक ही विषय पर चर्चा कर रहा है कि यह साल जल्दी क्यों नहीं बीत रहा, यह बीमारी कब खत्म होगी। कोई कह रहा है, 2020 शुभ नहीं है। कभी कभी सोचता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है? संकट आते रहे, लेकिन सभी बाधाओं को दूर करते हुए नए सृजन किए गए। हमारा देश आगे बढ़ता रहा। भारत ने संकट को सफलता की सीढ़ी में परिवर्तित किया है।

सीएम भूपेश का आरोप- चीनी कंपनियों ने पीएम केयर फंड में दिये हैं सैंकड़ों करोड़ के डोनेशन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चीन-सीमा पर चल रहे विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सबसे बड़ा आरोप लगाया है। भूपेश बघेल ने सवाल पूछा है कि चीनी कंपनियों ने पीएम केयर फंड में करोड़ों रुपया दान में दिया है, क्या उसी पैसे की वजह से प्रधानमंत्री चीन पर कार्रवाई करने से परहेज कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पूछा है कि आखिर क्या वो गुप्त समझौता है, जिसकी वजह से आज मन की बात में में प्रधानमंत्री ने एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया।

मुख्यमंत्री ने अपने आरोप के दौरान बकायदा उन चीनी कंपनियों और उनसे मिले करोड़ों रुपये की रकम का भी जिक्र किया, जो प्रधानमंत्री केयर फंड में दिये गये। मुख्यमंत्री ने आज पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चीन के मुद्दे पर रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री ने स्वीकार किया था कि चीनी सेना भारतीय सीमा में घुस आयी थी, लेकिन प्रधानमंत्री इन बातों का खंडन कर रहे हैं। सभी की बातों में भारी विरोधाभाष है। चीन क्या भारतीय सीमा में घुसा है? क्या उसने कब्जा किया है ? इस पर जवाब देने के बजाय कांग्रेस पर ही भाजपा आरोप लगने लगती है। मुख्यमंत्री ने सवाल पूछा कि, आखिर झूठ कौन बोल रहा है, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री या फिर प्रधानमंत्री? मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक प्रधानमंत्री केयर का ना तो आडिट कराया गया है और ना ही ये बताया गया है कि फंड में कितने करोड़ रुपये जमा हुए हैं। लेकिन जानकारी के मुताबिक पीएम केयर फंड में 9678 करोड़ की राशि जमा हुई है, जिसमें दान का बड़ा अंश अलग-अलग चीनी कंपनियों का भी है।

भूपेश ने पत्रकारों से बातचीत में कहा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जो आंकड़े चीनी कंपनियों के डोनेशन का दिया है, वो करीब 150 करोड़ का है। उन्होंने सीधा आरोप लगाया है कि जिस तरह से चीनी सेना भारतीय सीमा में घुसी, कब्जा किया और निर्माण कार्य किया..इस दौरान 20 जवान की शहादत भी हुई, उसके बाद प्रधानमंत्री मौन रहे ये संदेह पैदा करती है। उन्होंने सवाल पूछा कि इन चीनी कंपनियों से आखिर क्यों डोनेशन लिया गया क्या इन्ही पैसों के बदले तो सीमा पर गुप्त समझौता नहीं हो गया ? सीएम भूपेश बघेल ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस हमेशा से सवाल उठाती रही है और हमेशा सवाल पूछती रही है, लेकिन जब भी राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी सवाल पूछती है तो भाजपा असल मुद्दों को भटकाने लगती है। उन्हें इस बात का जवाब देना चाहिये कि आखिर चीन को लेकर प्रधानमंत्री का नरम रूख क्यों है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार से कहा है कि प्रधानमंत्री केयर फंड में चीनी कंपनियों के डोनेशन और सीमा में वास्तविक स्थिति की जानकारी प्रधानमंत्री को सार्वजनिक करनी चाहिये।

त्विक न्यूज

कांग्रेस देश को बदनाम करने की कर रही साजिश : नकवी

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि टिड्डी और फिसड्डी दोनों संकट के समय के कांटे हैं, टिड्डी फसल बर्बाद करने की कोशिश कर रही है और फिसड्डी देश को बदनाम करने की साजिश में व्यस्त है। श्री नकवी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के रामपुर में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद फेसबुक के जरिए कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जहाँ एक ओर देश एक जुट होकर वर्तमान आपदा को अवसर में बदलने के लिए पूरे मजबूती के साथ काम कर रहा हैं।

नियमित रेल गाड़ियों के परिचालन की फिलहाल उम्मीद नहीं

नयी दिल्ली (वार्ता)। रेलवे ने आज स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में नियमित रेलगाड़ियाँ चलाना संभव नहीं है और जरूरत पड़ने पर वर्तमान समय में चलाई जा रही विशेष रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ाई जायेगी। रेल मंत्रालय ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा पुराने टाइम टेबल के अनुसार चलने वाली नियमित गाड़ियों को कोविड की वजह से वर्तमान स्थिति में चलाना संभव नहीं है। इसलिए इन नियमित गाड़ियों में 14 अप्रैल तक बुक किये गये सभी टिकटों को रद्द कर टिकटों की राशि वापस की जा रही है।

अंडमान में महसूस किए गए भूकंप के झटके, 4.1 मापी गई तीव्रता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में भूकंप के झटकों का लगातार महसूस किया जाना जारी है। अंडमान और निकोबार द्वीप पर आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके अंडमान और निकोबार द्वीप पर डिगलीपुर में महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक सुबह 8.56 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। कोरोना संकट के बीच देश के तमाम हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। शुक्रवार दोपहर जहां हरियाणा के रोहतक और आस-पास क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, तो वहीं देर शाम लद्दाख में भी 4.5 तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए। लद्दाख में शुक्रवार देर शाम 8 बजकर 15 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए।

छग में मिले 44 कोरोना मरीज

राजनांदगांव से 18 और रायपुर में भी 5 संक्रमित

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस की संख्या में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है. रविवार दोपहर 2 बजे तक प्रदेश में 44 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले है. इसके साथ ही राज्य में एक्टिव मरीज की संख्या 704 हो गई है।

रविवार को मिले 44 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पहचान की गई है. जिसमें राजनांदगांव जिले से 18, बिलासपुर व कवर्धा से 7-7, दुर्ग व रायपुर से 5-5, बलौदाबाजार से 4 मरीज मिले है. आज पाए गए पॉजिटिव मरीजों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। शनिवार की रात भी 8 संक्रमित मरीजों की पहचान की गई थी. जिसमें राजनांदगांव से 4, दुर्ग से 3, बलौदाबाजार से 1 मरीज शामिल है. इसकी पुष्टि राज्य कन्ट्रोल एंड कमांड सेंटर ने की है.

बता दें कि इसके साथ ही प्रदेश में अब तक कुल कोरोना पॉजिटिव की संख्या 2654 हो गई है. कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 704 है. इसमें से 1937 मरीज स्वस्थ्य होने के उपरांत डिस्चार्ज किए गए. वहीं इस महामारी से अब तक 13 लोगों मौत हो चुकी है।

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या सवा पांच लाख के पार

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ रहा है और पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस (कोविड-19) सं मण के अब तक के सर्वाधिक 19,906 नये मामले सामने आये हैं जिससे सं मितों का आंकड़ा सवा पांच लाख के पार हो गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमण के 19,906 नये मामलों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,28,859 हो गयी है। पिछले 24 घंटों के दौरान इस संक्रमण से 410 लोगों की मौत हुई है जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 16,095 हो गयी है। दूसरी तरफ इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और इसी अवधि में 13,832 रोगी ठीक हुए है , जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 3,09,713 मरीज रोगमुक्त हो चुके हैं। देश में अभी कोरोना संक्रमण के 2,03,051 सक्रिय मामले हैं।

महाराष्ट्र में 30 जून के बाद भी रहेगा लॉकडाउन : उद्धव

मुंबई। महाराष्ट्र में अनलॉक 2.0 की शुरुआत से पहले सीएम उद्धव ठाकरे ने साफ कर दिया है कि फिलहाल लॉकडाउन खत्म करने की कोई योजना नहीं है। यह 30 जून के बाद भी जारी रहेगा। उद्धव ने रविवार को प्रदेश के लोगों से कोरोना के हाल और भविष्य की योजनाओं पर बात ➤शेष पेज 8 पर

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री की भी रिपोर्ट पॉजेटिव

गांधीनगर। कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इसने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला को भी अपनी चपेट में ले लिया है। पिछले दो तीन दिनों से उन्हें बुखार आ रहा था, इसके बाद शनिवार को उनका कोरोना टेस्ट करवाया गया। कोरोना वायरस ➤शेष पेज 8 पर

दिल्ली में जुलाई के अंत तक नहीं होंगे 5.5 लाख कोरोना मरीज, सिसोदिया के दावे से डर फैला : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया द्वारा जुलाई के अंत तक कोरोना मरीजों की संख्या को लेकर किए गए दावे को खारिज किया है. उन्होंने कहा है कि दिल्ली में जुलाई के अंत तक कुल कोरोना मरीजों की संख्या साढ़े पांच लाख के आंकड़े तक नहीं पहुंचेगी।

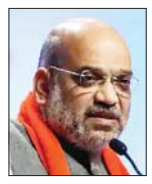

बचाव कार्यों पर काफी ध्यान दिया गया

अमित शाह ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि हमने कोरोना को रोकने के लिए बचाव कार्यों पर काफी ध्यान दिया है, इसलिए साढ़े पांच लाख के आंकड़े से मैं सहमत नहीं हूं. अमित शाह ने साफ कहा कि राजधानी में कम्युनिटी स्प्रेड नहीं हुआ है. कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है. इसे बेकार में तूल दिया जा रहा है. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दिल्ली में कोरोना के टेस्ट चार गुना बढ़ाए गए हैं. अब दिल्ली में प्रतिदिन 16 हजार टेस्ट हो रहे हैं।

मनीष सिसोदिया के दावे से पैनिक क्रिएट हो सकता है

इंटरव्यू के दौरान अमित शाह से पूछा गया कि ऐसा लग रहा है कि गृहमंत्री का सारा काम दिल्ली संभालना हो गया है. इस पर जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा कि ऐसा नहीं है, सभी साथ मिलकर काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और एमसीडी मिलकर प्रयास कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ बीजेपी की वर्चुअल रैली

शिवराज ने भूपेश सरकार पर साधा निशाना, कहा- मप्र से सबक सीखें

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

केंद्र में मोदी सरकार 2.0 के एक साल के कार्यकाल पूरा होने के बाद भाजपा के द्वारा पूरे देश में वर्चुअल रैली का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में आज की वर्चुअल रैली में सीएम शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ के बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मोदी सरकार की कई उपलब्धियों को गिनाया। वहीं प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर हमला भी बोला। सभा को पूर्व सीएम रमन सिंह ने भी संबोधित किया।

भूपेश बघेल मध्यप्रदेश आकर जरा पूछ लीजिये- सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि भूपेश बघेल मध्यप्रदेश आकर जरा पूछ लीजिये, एक-एक मजदूरों के खाते में एक-एक हजार रुपये डाल दिये हैं, आपके जैसे क्वारंटाइन सेंटर नहीं बनाए, पंचायतों के भरोसे नहीं छोड़ा।

आज छत्तीसगढ़ यानी सीजी का मतलब अराजक शासन

हमने अपने मजदूरों को रोजगार देने का काम किया, रोजगार सेतु का पोर्टल बनाया, लेकिन छत्तीसगढ़ ने क्या किया? छत्तीसगढ़ का मतलब क्या है? शिवराज सिंह ने कहा कि जब रमन सिंह मुख्यमंत्री थे तब सीजी का मतलब था क्रेडिबल ग्रोथ, लेकिन आज के छत्तीसगढ़ यानी सीजी का मतलब अराजक शासन है।

प्रधानमंत्री समय पर एक्शन नहीं लेते तो महामारी का खतरा बढ़ा होता

सीएम शिवराज ने कोरोना संकट को लेकर कहा कि यदि प्रधानमंत्री समय पर एक्शन नहीं लेते तो महामारी का खतरा बढ़ा होता, मोदी की जागरुकता की वजह से देश बचा है।

भूपेश बघेल बताएं कि आपने छत्तीसगढ़ में क्या किया?

उन्होने कहा कि भूपेश बघेल बताएं कि आपने छत्तीसगढ़ में क्या किया? जनधन खाते में पैसे डाले तो मोदी ने बांटे, फ्री में जो चावल और दाल बांट रहे हो वह भी मोदी दे रहे हैं। मोदी ने खजाना खोल दिया, भंडार खोल दिया, किसान सम्मान निधि देते हैं तो प्रधानमंत्री मोदी देते हैं। 20 लाख करोड़ का पैकेज मोदी देते हैं मजदूरों का कल्याण मोदी करते हैं।

चाइना नेशनल डिफेंस न्यूज के मुताबिक- मार्शल आर्टिस्टों में 5 मिलिशिया डिवीजन शामिल थीं

चीनी मीडिया का दावा- गलवान झड़प से पहले चीन ने अपने सैनिकों को फुर्तीला बनाने के लिए मार्शल आर्टिस्ट भेजे थे

एजेंसी ➤ बीजिंग
www.dailypioneer.com

चीन ने 15 जून को गलवान हिसंक झड़प से पहले अपने सैनिकों को ट्रेंड किया था। उसने सीमा के नजदीक ही मार्शल आर्टिस्ट और एक्सपर्ट माउंटेन क्लाइंबर भेजे थे। इसमें तिब्बत के एक मार्शल आर्ट क्लब के लड़ाके शामिल थे। चीन के सरकारी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि चीनी सैनिकों को फुर्तीला और फिट रखने के लिए यह कदम उठाया।

तिब्बत में दी गई ट्रेनिंग

चीन के आधिकारिक मिलिट्री न्यूजपेपर की रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत की राजधानी ल्हासा में चीन ने पांच मिलिशिया डिवीजन को तैनात किया था। इसमें माउंट एवरेस्ट टॉर्च रिले टीम के पूर्व मेंबर और मार्शल आर्ट क्लब के लड़ाके शामिल थे। माउंट एवरेस्ट टॉर्च रिले टीम के मेंबर पहाड़ों पर काम करने में ट्रेंड होते हैं, जबकि मार्शल आर्टिस्ट खतरनाक लड़ाके होते हैं। इन्हें जवानों को फुर्तीला बनाने और ट्रेंड करने के लिए तैनात किया गया था। मिलिशिया डिवीजन आधिकारिक आर्मी नहीं होती है। यह सेना के मदद के लिए होती है।अखबार में तिब्बती राजधानी ल्हासा में सैकड़ों नए सैनिकों की सीसीटीवी फुटेज भी दिखाई गई है।

चीन की मीडिया दिखा रही तेवर

तिब्बत कमांडर वांग हाईजियांग ने कहा कि फाइट क्लब के जुड़ने से सैनिकों की ताकत और तुरंत जवाब देने की क्षमता बढ़ेगी। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि इनकी तैनाती मौजूदा तनाव की वजह को देखते हुए ही की गई थी। गलवान संघर्ष के बाद से ही चीन की मीडिया तेवर दिखा रही है। मीडिया में तिब्बत में चीनी सेना के बड़े सैन्य अभ्यासों को आक्रामक तरीके से दिखाया जा रहा है। हालांकि, चीन को भी पता था कि 1996 और 2005 के समझौतों की वजह से वह हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर सकता था। इसलिए उसने अपने सैनिकों को मार्शल आर्टिस्ट से ट्रेनिंग दिलाई।

भारत ने एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया

लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर चीन के लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर मंडरा रहे हैं। चीन की यह गतिविधियां एलएसी के 10 किलोमीटर एरिया में जारी हैं। ऐसे में भारत ने भी अब पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को उसी की भाषा में जवाब देने की तैयारी की है।

नेपाल के पीएम ओली का आरोप- भारत रच रहा मेरी सरकार गिराने की साजिश

एजेंसी ➤ पटना
www.dailypioneer.com

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने रविवार को एक कार्यक्रम में भारत पर अपनी सरकार गिराने का आरोप लगाया है. ओली ने कहा कि नई दिल्ली की मीडिया में होने वाली बौद्धिक बहस, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास की सक्रियता और होटलों में हो रही गतिविधियां दिखा रही हैं कि भारत का पूरा संयंत्र लगा हुआ है.

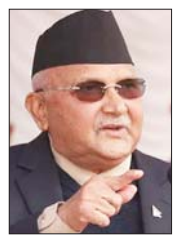

ओली ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इससे पहले जब उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में चीन के साथ ट्रेड एंड ट्रांजिट समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, तो उनकी सरकार गिरा दी गई थी, लेकिन अब हमारे पास बहुमत है. बता दें कि उस समय भी केपी ओली का गठबंधन प्रचंड के साथ था और प्रचंड ने अपना समर्थन वापस ले लिया था, इसलिए उनकी सरकार गिर गई थी।

ओली ने अपने संबोधन में कहा कि बहुत से नेपाल के नेताओं ने मुझसे कहा कि अपनी जमीन को समेटते हुए जो नक्शा छापा है वह बहुत बड़ी भूल है, ऐसा दिखाया जा रहा है जैसे मैंने कोई बड़ा अपराध कर दिया हो। नेपाल के जननेता मदन भंडारी की 69वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि भले ही उन्हें पद से हटाने का खेल शुरू हो लेकिन यह असंभव है. प्रधानमंत्री ओली ने दावा किया था कि काठमांडू के एक होटल में उन्हें हटाने के लिए बैठकें की जा रही है और इसमें एक दूतावास भी सक्रिय है. बता दें कि ओली का इशारा भारत की तरफ है।

ओली ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री पद पर बैठे रहना नहीं चाहता, लेकिन अगर मैं इस समय हटता हूं या मेरी सरकार गिरा दी जाती है, तो नेपाल के पक्ष में बोलने के लिए फिर कोई व्यक्ति हिम्मत नहीं करेगा. आज के लिए नहीं बल्कि कल के लिए, अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए भी इस सरकार का टिके रहना जरूरी है।

रमन सिंह ने साधा प्रदेश सरकार पर निशाना, कहा- झूठ की बुनियाद पर खड़ी है

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ की मौजूदा सरकार झूठ की बुनियाद पर खड़ी है. घर पहुंच शराब की व्यवस्था यदि किसी राज्य में है तो वह छत्तीसगढ़ है। देश में 30 फीसदी अतिरिक्त कीमत पर शराब बेची जा रही है. जन घोषणा पत्र में बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का वादा था, लेकिन 5 युवाओं को भी रोजगार नहीं दिया गया। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने वर्चुअल रैली के जरिए भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।

डॉ. सिंह ने केंद्र में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल पूर्ण होने पर आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काम शुरू किया. सदियों तक याद किये जाने वाले फैसले लिए गए. कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटाना, राम मंदिर की अड़चनों को खत्म करना, तीन तलाक, नागरिकता संशोधन बिल जैसे बड़े ऐतिहासिक फैसले मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने लिया. हमारा एक-एक कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ के एक-एक घर जाकर न केवल मोदी सरकार की उपलब्धि को बल्कि भूपेश सरकार के 18 महीने की नाकामियों को भी बताएगा।

डॉ. सिंह ने कहा कि पुलिस भर्ती परीक्षा के नतीजे आ गए थे, लेकिन उसे निरस्त कर दिया. शिक्षाभर्ती निरस्त कर दी गई. युवा पूछ रहा है कितने लोगों को रोजगार दिया भूपेश जी जवाब आता है 1800 युवाओं को रोजगार दिया गया. ये रोजगार शराब भट्ठी में दी गई है. छत्तीसगढ़ में सिर्फ माफियाराज चल रहा है. बीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले बनाये जा रहे है। उन्होंने कहा कि अब तक एडमिशन में पेमेंट सीट सुना था यहां कलेक्टर-एसपी की पोस्टिंग की चर्चा गली-गली में चल रही है. कोरोना संकट के बीच सरकार ने सिर्फ 30 हजार मजदूरों को वापस लाया. मजदूरों के खातों में पैसे डाले ही नहीं. उन्हें भटकने पर छोड़ दिया. जिन मजदूरों को क्वारेंटाइन सेंटरों में जहां रखा गया, वहां उन्हें सरपंचों के भरोसे छोड़ दिया गया। अपने घरों से खाना मंगाकर खा रहे हैं. ये क्वारेंटाइन सेंटर यातना सेंटर बन गए हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि दो साल का बोनस देने का वादा था. लेकिन किसान आज भी इंतजार कर रहे हैं. किसानों से एक-एक दाना खरीदने का वादा किया गया था, लेकिन एक-एक दाना धान बेचने किसान मोहताज हो गया. उन्होंने कहा कि डीएमएफ का पैसा कोरोना संकट में खर्च करने की अनुमति केंद्र ने दे दी थी लेकिन उस राशि का उपयोग नहीं किया गया. अलग-अलग योजनाओं में करीब 700 करोड़ दिया गया था लेकिन उसका भी इस्तेमाल नहीं किया. यदि एम्स जैसा इंस्टीट्यूट नहीं होता तो छत्तीसगढ़ सरकार की हालत पता चलती. आज छत्तीसगढ़ के हालात बेहद खराब है. आज मैं बस्तर से सरगुजा तक के कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाता हूं. आज हम भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेते हैं।

भाजपा की वर्चुअल रैली फ्लॉप शो, कोई रिस्पांस नहीं मिला : मरकाम

भाजपा की वर्चुअल रैली को फ्लॉप शो निरूपित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि जब भाजपा ने छत्तीसगढ़ के सारे नेताओं रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, सरोज पांडेय, विष्णु देव साय को अपना कर देख लिया और इन सभी को जनता से और भाजपा कार्यकर्ताओं से कोई रिस्पांस नहीं मिला तो मजबूरन भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान को वर्चुअल रैली के लिये मध्यप्रदेश से आयात किया. भाजपा का शिवराज सिंह चौहान को छत्तीसगढ़ की वरचुअल रैली का नेतृत्व करने के लिये मध्यप्रदेश से लाने का भाजपा का प्रयोग भी विफल रहा है. भाजपा की आज की वर्चुअल रैली पूरी तरह फ्लॉप शो ही साबित हुई।

भाजपा की वर्चुअल रैली पर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। मोदी सरकार ने हर मोर्चे पर विफलता का कीर्तिमान रचा है। मजदूर, किसान, नौजवान, व्यापारी, मध्यम वर्ग सबमें भाजपा के प्रति नाराजगी है. अर्थव्यवस्था सम्हालने में विफल, कोरोना संक्रमण रोक पाने में विफल, किसानों की आय दुगुनी करने में विफल, 2 करोड़ रोजगार हर साल नौजवानों को देने में विफल, प्रवासी मजदूरों को उनके प्रदेश घर गांव तक पहुंचाने में विफल, सरहदों की रक्षा कर पाने में विफल रही है।

नरेन्द्र मोदी के वायदे के मुताबिक दो करोड़ रोजगार हर साल के अनुसार 6 साल में 12 करोड़ रोजगार मिलने थे. देश के युवाओं को लेकिन हुआ ठीक उल्टा बेरोजगारी 45 साल में सर्वाधिक 27 प्रतिशत तक पहुंच गई. नोटबंदी और जीएसटी के बाद देश की अर्थव्यवस्था लॉकडाउन के भी कुप्रबंधन के चलते बेहद खराब दौर से गुजर रही है. 20 लाख करोड़ के पैकेज की घोषणा प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने की जिसमें पूरे देश में किसी भी गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर, ठेले वाले, दुकानदार, उद्योग काम धंधे वाले किसी को भी समझ में ही नहीं आ रहा है कि उनको मिला क्या है? क्या नहीं मिल पाया है, यह सबको पता है. इसीलिये भाजपा की वर्चुअल रैली को जनसमर्थन तो दूर की बात भाजपा कार्यकर्ताओं का भी समर्थन नहीं मिल सका. भाजपा ने दस लाख लोगों की भागीदारी का दावा किया था लेकिन दस-दस लोग जुटा पाने में भी विफल रही।

भाजपा की रैली में विष्णुदेव साय ने भरी हुंकार

■ राज्य में चल रही बदलापुर की राजनीति, निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकना है

राज्य में बदलापुर की राजनीति चल रही है. जिन वादों के बूते राज्य की सत्ता में काबिज हुई है, वे सारे वादे फेल साबित हुए. फिसड्डी साबित हुए. 2023 में इस निकम्मी सरकार को उखाड़कर फेंकना है. यह बात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने भाजपा की वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए कही।

केंद्र में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में विष्णुदेव साय ने कहा कि मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है. उनके दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा हुआ है. धारा 370 और 35 ए हटाना, तीन तलाक, राम जन्मभूमि में मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना जैसे कई बड़े काम किये. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन की वजह से भारत में कोरोना पीड़ितों और मौत की संख्या कम है।

साय ने कहा कि गरीब कल्याण योजना शुरू की. हर गरीब को 5 किलो चावल एक किलो दाल का वितरण हो रहा है. उज्ज्वला योजना के तहत एक निशुल्क सिलेंडर दिया जा रहा है. राज्य में केंद्र की योजना की वजह से किसी तरह की कोई तकलीफ नहीं है. कुल 63 हजार 500 से ज्यादा बीजेपी कार्यकर्ता कोरोना पीड़ितों की सेवा में लगे रहे. 10 लाख से ज्यादा फूड पैकेट बांटा गया।

कार्यक्रम में मौजूद अनिल जैन ने कहा कि जिस वक्त हम महामारी से गुजर रहे है, ऐसे वक्त में कड़ी परीक्षा होती है. इस महामारी के बीच भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रंटफुट पर आकर काम कर रहे है. 24 मार्च को जब उन्होंने लॉकडाउन की घोषणा की तो ये सवाल था देश कैसे चलेगा. उसके ठीक बाद 1 लाख 70 हजार करोड़ का पैकेज जारी किया गया. छत्तीसगढ़ सरकार के लिए शर्म की बात है कि कोरोना से ज्यादा मौतें क्वारेंटाइन सेंटरों में हुई. प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान वैश्विक नेतृत्व दिया. हमारे 20 सैनिक शहीद हुए है. बगैर शस्त्रों के हमारे सैनिकों ने चाइना के सैनिकों को मारा है।

फेडरेशन आज तक सीएम के आश्वासन पर करेगा इंतजार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा एवं प्रवक्ता विजय झा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने फेडरेशन के प्रतिनिधियों को 1 जुलाई के पूर्व सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन 4 जून को दिया था। फेडरेशन के घटक संगठनों ने 20 दिनों तक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं अपर मुख्य सचिव वित्त अमिताभ जैन को वार्षिक वेतन वृध्दि विलंबित करने संबंधी आदेश को वापस लेने,कोरोना योद्धाओं के लिए 50 लाख अनुग्रह राशि का प्रावधान करने एवं संगठनों के प्रबंधकारिणी के कार्यकाल अनुसार मान्यता देने संबंधी माँगो पर मुख्यमंत्री के आश्वासन संबंधी

पुनःस्मरण ज्ञापन दिया है। फेडरेशन ने बजट व्यय में कटौती संबंधी अन्य उपायों पर विचार करने का सुझाव भी दिया है।

फेडरेशन का कहना है कि मुख्यमंत्री को कर्मचारियों के मौलिक अधिकार वार्षिक वेतन वृध्दि विलंबित करने का सुझाव देने वाले अधिकारी के कारण कर्मचारी जगत में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ देश में ऐसा निर्णय लेने वाला अकेला राज्य है।

फेडरेशन ने शासन स्तर पर हुए प्रत्येक चर्चा में स्पष्ट कहा है कि,वार्षिक वेतन वृध्दि विलंबित करना,सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत एक प्रकार से असंचयी प्रभाव से रोकने के समान है।आदेश से कोरोना काल में सरकारी कर्मचारी-अधिकारी के सेवाभावना को ठेस पहुँचा है।27 जून को फेडरेशन का प्रतिनिधिमंडल पुनः अपर मुख्य सचिव वित्त मिलकर मुख्यमंत्री के आश्वासन एवं कर्मचारी जनभावनाओं से अवगत कराया है।

प्रतिनिधि मंडल मंत्रालय में वन मंत्री मोहम्मद अकबर से मुलाकात कर वन विभाग के कर्मचारियों के समस्याओं के साथ इंक्रीमेंन्ट रोकने के आदेश को निरस्त कराने के सम्बन्द्ध में भी चर्चा कर निवेदन किया गया मंत्री महोदय द्वारा माननीय मुख्यमंत्री से इस विषय पर चर्चा कर स्मरण दिलाने की बात कही गई ।

फेडरेशन ने पुनः मुख्यमंत्री को स्मरण -पत्र दिया है। प्रतिनिधिमण्डल में फेडरेशन के सचिव राजेश चटर्जी, कोषाध्यक्ष सतीश मिश्रा,पंकज पाण्डेय,संजय सिंह, अजय तिवारी,देवलाल भारती,अमोद वास्तव सम्मिलित थे।

सब्जी, सैलून, गुमटी और ठेलों में काम करने वालों का टेस्ट करा रहा स्वास्थ्य विभाग

रायपुर। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ऐहतियात के तौर पर सब्जी बाजार के विक्रेताओं, गुमटियों, सैलून संचालक और ठेलों में काम करने वाले लोगों का भी टेस्ट कराया जा रहा है।

पुरानी बस्ती इलाके में नवविवाहिता ने की खुदकुशी

रायपुर। राजधानी के पुरानी बस्ती थाना इलाके में एक नवविवाहिता ने खुदकुशी कर ली है। 14 दिन पहले ही मृतका की शादी हुई थी। परिजनों के सोने के दौरान खुद पर मिट्टी तेल डालकर आग के हवाले कर दिया।

विद्या दान महा दान : सामाजिक सरोकार के तहत शिक्षण सामाग्री वितरण

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

आर्ष ज्योति गुरुकुल आश्रम कोसरंगी ग्राम पचेड़ा में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कृष्ण सेवा के तहत शिक्षण सामाग्री वितरित की गई।लायन मधु यादव ने बताया कि इस सेवा में 100 बच्चों को परीक्षा बोर्ड ,कॉपी ,पेन पेंसिल,मास्क का वितरण किया गया।और आश्रम में गौ माता सेवा के लिए आर्थिक सहयोग दिया गया।इस अवसर पर श्री निरंजन सिंह यादव,अभिषेक यादव , रविन्द्र यादव, अंतरराष्ट्रीय योग पदक

विजेता तोरन यादव उपस्थित हुए। आचार्य श्री कोमल कुमार आर्य और बच्चों ने सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

एसएसआईपीएमटी के छात्र ने बनाया कोरोना ट्रैकर

■ एक क्लिक में देगा देशभर की जानकारी

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

आज लगभग पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है, इसने हर एक इंसान को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभवित किया है, जब तक इसका इलाज नहीं खोज लिया जाता तब तक खुद की सुरक्षा से ही बचा जा सकता है, अब इंसान तभी सुरक्षित रह सकता है जब उसे पता हो की खतरा कहा ज्यादा है।

प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित होकर एसएसआईपीएमटी रायपुर के छात्र ने एक ऐसा डिवाइस तैयार किया है कि आप को एक क्लिक में देश भर में कोरोना की स्थिति के बारे में पता चल जाएगा, कहा कितने लोग क्रिटिकल कितने स्वस्थ एवम्

कितनी मौते हुई है । मनोज देवांगन कंप्यूटर साइंस के अंतिम वर्ष के छात्र है, उन्होंने इसके लिए अपने विभाग के प्रमुख डॉ जे पी पत्रा को विशेष धन्यवाद दिया कि उन्होंने हर समय कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित किया , मनोज ने बताया कि इसको डिजाइन करने के लिए उन्होंने एंगुलर टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया है और इसमें वॉट्सएप का साइन दिया हुआ है जिसकी मदद से आप इसे शेयर कर अपनों को जाग्रत भी कर सकते है। इससे पहले भी इस महामारी से निपटने के लिए एसएसआईपीएमटी के छात्रों द्वारा, ऑटोमेटिक सेनेटाइजेशन टनल, ऑटोमेटिक डिस्पेंसर फॉर सेनेटाइजर, सेमी ऑटोमेटिक वेंटिलेटर, और भी बहुत कुछ बना के अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। संस्था के चेयरमैन निशांत त्रिपाठी ने बताया कि जिस तरह महामारी और ऊपर से लॉकडाउन में छात्रों ने सीमित संसाधनों में आपदा को अवसर के रूप में लिया इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं, उन्होंने इसके लिए सभी विभागाधयक्षों एवं प्राचार्य डॉ आलोक जैन को अपनी शुभकानाएं प्रेषित की।

तंबाकू उत्पादों पर सेस लगाने पर विचार करें जीएसटी परिषद

■ डॉक्टरों, अर्थशास्त्रियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने की अपील

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

डॉक्टरों और अर्थशास्त्रियों के साथ ही लोक स्वास्थ्य समूहों ने भी जीएसटी परिषद से अनुरोध किया है कि, वह तंबाकू उत्पादों पर विशेष कोविड-19 सेस लगाने पर विचार करे। ताकि कोविड-19 आर्थिक पैकेज में योगदान के लिए अतिरिक्त कर राजस्व प्राप्त हो सके। ये अपील कर रहे हैं कि सिगरेट, बीड़ी और चबाने वाले तंबाकू उत्पादों पर कोविड सेस लगाया जाए जिससे 49,740 करोड़ (497.4 अरब) रुपये का राजस्व मिल सके। यह रकम आर्थिक पैकेज में 29 प्रतिशत योगदान कर सकती है। सभी तंबाकू उत्पादों पर कोविड सेस लगाने से ना सिर्फ आर्थिक पैकेज के लिए धन हासिल करने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे तंबाकू उत्पादों को लोगों की पहुंच से दूर कर लोगों को इसे छोडने् के लिए प्रेरित करने में मदद मिलेगी। इससे जिन लोगों को इस वायरस का खतरा ज्यादा होता है उनमें इसके प्रसार को भी कम किया जा सकेगा। विभिन्न देशों में किए गए अध्ययनों के मुताबिक धूम्रपान करने वाले और तंबाकू उत्पादों का उपयोग करने वालों को जब कोविड-19 का संक्रमण होता है तो उन्हें गंभीर रूप से बीमार होने का खतरा ज्यादा होता है, क्योंकि यह फेफड़ों पर हमला करता है और फेफड़ों को कमजोर कर व्यक्ति को ज्यादा खतरे में ला देता है।

ऐसा प्रतीत होता है कि कोविड-19 भारत के लिए अब तक के सबसे बड़े आर्थिक झटकों में शामिल हो सकता है। इस महामारी से होने वाले नुकसान की भरपाई करने के लिए सरकार को व्यापक आर्थिक संसाधनों की जरूरत होगी। भारत सरकार ने कई आर्थिक पैकेज की घोषणा की है (जिसमें 20 लाख करोड़ का मेगा पैकेज भी है) ताकि अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाया जा सके और भारत को आत्म निर्भर बनाया जा सके। अन्य कार्यक्रमों के साथ ही सरकार ने मार्च में 1.7 लाख करोड़ रुपये (22.6 अरब डॉलर) के आर्थिक पैकेज की घोषणा की जिसमें लोगों को सीधे नकदी दिए जाने और खाद्य सुरक्षा के उपाय शामिल थे, ताकि करोड़ों गरीब भारतीयों को कोविड-19 के बाद किए गए राष्ट्रीय लॉकडाउन के दौरान राहत पहुंचाई जा सके।

अर्थशास्त्री और स्वास्थ्य नीति विश्लेषक डॉ. रिजो जॉन के मुताबिक, कोविड ने जो आर्थिक चोट पहुंचाई है, इससे उबरने के लिए देश को अभूतपूर्व वित्तीय संसाधनों की जरूरत होगी। ऐसे में उपभोग को भी बढ़ावा देना होता है, इसलिए सामान्य चीजों पर टैक्स को बढ़ाना संभवतः उपयुक्त नीतिगत विकल्प नहीं होगा, लेकिन तंबाकू उत्पादों पर विशेष कोविड सेस लगाना सभी के लिए लाभयादक होगा। इससे तंबाकू उपयोग में कमी आएगी, कोविड संबंधी खतरे कम होंगे साथ ही सरकार को काफी राजस्व भी हासिल होगा। बीड़ी की हर बत्ती पर 1 रुपये का कोविड सेस और सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादों पर महत्वपूर्ण कर वृद्धि से 50,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होने की उम्मीद है।''

सीएम ने वेबिनार के जरिए देशभर के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को किया सम्बोधित

ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों के वित्तीय प्रबंधन को मजबूत बनाने करें सहयोग : सीएम

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया से जुड़े देशभर के सीए से ग्राम पंचायतों और नगरीय प्रशासन के काम काज में कसावट और वित्तीय प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए सहयोग का आव्हान किया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में बहुत सी वनोपज हैं जिनकी पैदावार देश के अन्य हिस्सों में नहीं होती है। वर्तमान में इन वनोपजों के संग्रहण के बाद इनका प्रसंस्करण छत्तीसगढ़ के बाहर होता है। यदि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया इनके प्रसंकरण के लिए निवेश छत्तीसगढ़ में लाने की पहल करते हैं तो इससे प्रदेश के उत्पादकों और संग्राहकों को लाभ मिलेगा और इनका निर्यात अन्य हिस्सों में करने से वहां की आवश्यकता की पूर्ति भी होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय से इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा 'रिसर्जेंट छत्तीसगढ़' विषय पर आयोजित वेबिनार में देशभर के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को सम्बोधित किया। उन्होंने सभी को आगामी एक जुलाई को सीए दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर आईसीएआई की रायपुर शाखा को नया रायपुर में छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए सीए की कोचिंग

इंस्टीट्यूट और कार्यालय भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर वेबीनार की ई-स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री बघेल ने आईसीएआई द्वारा छत्तीसगढ़ के एक हजार उद्यमियों को निर्यात के लिए तैयार करने में सहयोग के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसके लिए सहमति प्रदान की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ के हर गांव में गौठान और चारागाह विकसित किए जा रहे हैं। इनमें एक एकड भूमि महिला स्व सहायता समूहों की आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आरक्षित की गई है। आईसीएआई उद्योगपतियों और महिला समूहों से टाईअप कर वहां अपनी आवश्यकतानुसार निर्धारित गुणवत्ता की सामग्रियां तैयार कराकर उन्हें अपने ब्रांड में बेच सकते हैं। इस काम के लिए महिला समूहों को लाभांश का हिस्सा देकर उन्हें आमदनी का जरिया उपलब्ध कराने में मदद कर सकते हैं।

बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण है। यहां कुशल और अकुशल श्रमिक, भूमि, जल और विद्युत उपलब्ध है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कोलकता, सूरत और मुम्बई के बाद रायपुर में बड़ा जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क बनाया जा रहा है। उन्होंने इस अवसर पर सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, लघुवनोपज संग्रहण, मनरेगा सहित कोविड नियंत्रण तथा लॉकडाउन में कृषि और उद्योगों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल हमारा यह अनुभव रहा है कि किसान, वनवासियों की जेब में पैसा डालने से छत्तीसगढ़ वैश्विक मंदी से अछूता रहा है। इस साल भी हमने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को 5750 करोड़ रूपए की राशि दे रहे है। इसी प्रकार सर्वाधिक कीमत में तेन्दूपत्ता की खरीदी कर रहे है। इसके साथ ही राज्य में 31 लघुवनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है। इसका असर बाजार में देखने को मिला। छत्तीसगढ़ में 3 हजार ट्रेक्टर बिके, कंपनियां मांग के अनुसार ट्रेक्टर की आपूर्ति नहीं कर पा रहीं है। आईसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि उनका संगठन राज्य सरकार को हर सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने नगरीय निकायों में नए रेवेन्यू जनरेट करने में सहयोग करने, पंचायतों के मेनेजमेंट, स्नातक के बाद छात्रों को सीए के मार्गदर्शन में तीन साल गहन प्रशिक्षण जैसे कार्य संचालित करने में राज्य सरकार के साथ सहयोग का प्रस्ताव दिया।

धान खरीदी में कमी की भरपाई नहीं होने पर लैम्प्स प्रबंधकों पर होगी कार्यवाही

पहुंच विहिन ग्रामों में बीज, उर्वरकों का भण्डारण करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कलेक्ट्रेट मे आयोजित जिला सहकारी बैंक, सहकारिता विभाग, खाद्य विभाग एवं जिला विपणन संघ की संयुक्त बैठक कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई इस बैठक मे कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों में शेष 851 मेट्रिक टन धान का पूर्ण परिदान 30 जून तक करवाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। 30 जून तक शत प्रतिशत धान का परिदान समितियो द्वारा नही करने पे संबंधित समिति प्रबंधक के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

इस महीने के अन्त तक सारी कमी की पूर्ति कर शून्य शेष की स्थिति लाने को कहा। इसके अलावा उन्होने ने जिले के सूदूर अंचलों में बसे ऐसे गांव जहां वर्षा ऋतु में परिवहन मुश्किल होता है ऐसे गांव, टोलों, मजरों एवं पारों में वर्षा के पूर्व ही उचित मात्रा में बीज, खाद एवं उर्वरकों का भण्डारण करने के लिए अस्थाई भण्डारण के स्थानों को इन पंहुचविहीन ग्रामों के समीप ही बनाये जाने को कहा। इस बैठक मे लैम्प्स के पुनर्गठन, भण्डारगृहों की स्थिति धान भण्डारण स्थलों पर चबूतरों के निर्माण की स्थिति, बारदानों का संग्रहण, लेखानुदान की स्थिति, जैविक खाद एवं अन्य उर्वरकों की आपूर्ति के सबंध में समीक्षा की गई। इस बैठक में जिला खाद्य अधिकारी शांति ध्रुव, सहायक पंजीयक के.एल उइके, जिला विपणन अधिकारी टिकेन्द्र राठौर, जिला सहकारी बैंक प्रबधक ए. खान मौजूद रहे। इस संबध में कलेक्टर ने कहा कि पंहुच विहिन क्षेत्र जहां दो से तीन कृषक भी उर्वरको एवं बीजो की मांग करते हैं तो वहां तक उनकी व्यवस्था जिला प्रशासन करने को प्रतिबद्ध है। इसके लिए 14 ऐसे स्थलों को पूर्व में चयनित किया गया था। अब इसे पुनः जांच कर इनकी संख्या में वृद्धि की जायेगी।

जिले के हस्तशिल्प कारीगरों के साथ कलेक्टर ने की चर्चा

■ कारीगरों की आय में वृद्धि करना है प्रशासन का लक्ष्य : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोरोना आपदा के समय सर्वाधिक आर्थिक संकट झेलने वालो में हस्तशिल्प कारीगर भी शामिल रहें है । विगत 3 महीनों से लॉकडाउन के कारण प्रर्दशिनियों एवं बाजारो में शिल्प का विक्रय ना होने से हस्तशिल्प कारीगरो के समक्ष विकट आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया हैं। जिससे वे हस्तशिल्प से दूर होकर कृषक मजदूर के रूप में कार्य करने को मजबूर हो रहे है। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने 26 जून को जिले के हस्तशिल्प कारीगरों के साथ उनकी समस्याओं को जानने समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक मे जिले के बेलमेटल, लौहशिल्प आदि कलाओं से जुड़े कारीगर उपस्थित हुए जहां पर कारीगरो ने सर्वप्रथम कलेक्टर को स्मृति चिन्ह के रूप मे बेलमेटल से बनी कलाकृति भेंट की साथ ही उन्हे अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिसमें उन्होने अपनी कलाकृतियों के उचित दाम ना मिलने, शबरी एम्पोरियम द्वारा कलाकृति ना खरीदने प्रर्दशिनियों के बंद हो जाने, बिचैलियों द्वारा औने-पौने दामों में कलाकृति को खरीदने, शिल्प नगरी के अधूरे निर्माण, कच्चे माल के कीमतों में इजाफा, निश्चित बाजारों के अभाव आदि समस्याओं से अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने उन्हें जल्द से जल्द समस्याओं के निवारण का आश्वासन दिया।

इस संबध में कलेक्टर ने बताया कि प्रशासन हस्तशिल्प कारीगरों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना बना रही है। प्रशासन का प्रमुख लक्ष्य आय मे वृद्धि कर कारीगरों को उनकी मेहनत उचित मूल्य प्रदान करना एवं उनकी आय मे वृद्धि करना है।

क्विक न्यूज

बगैर सूचना लंबे समय से अनुपस्थित सहायक ग्रेड-03 को दिया नोटिस

कोण्डागांव। कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार सरगीपाल पारा निवासी प्रवीण कुमार रामटेके जो कि अनुविभागीय कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय विकासखण्ड कोण्डागांव में सहायक ग्रेड-03 के पद पर पदस्थ है। अपने कर्तव्य से बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यालय उपसंचालक कृषि द्वारा बारम्बार पत्र द्वारा सूचित किये जाने पश्चात भी वह कार्य मे उपस्थित नही हुए। उपरोक्त पत्रों की प्राप्ति के उपरांत भी कर्तव्य पर उपस्थित ना होने के कारण ऐसा स्पष्ट हुआ की प्रवीण कुमार रामटेके कार्य करने की इच्छुक नहीं है।

मोदी सरकार के कार्यों तथा उपलब्धियों के बारे जानकारी दी गई

बचेली। भारतीय जनता पार्टी ने पूरे प्रदेश में डिजिटल माध्यम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जन संवाद कार्य म की।जिसमे मोदी सरकार की दूसरी पारी का एक साल सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर सरकार द्वारा पूरे किए गए जनकल्याण के कार्यों तथा उपलब्धियों बारे जानकारी दी गई। कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंडल प्रभारी संतोष गुप्ता और मंडल अध्यक्ष सुमित सरकार महिला मोर्चा से किरण भर्दोरिया ने बताया कि इसमे भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कार्यकर्ता से सीधे संवाद किए एवं वर्तमान में छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार के किसान के साथ किए गए अन्याय लोगो मे भय अराजकता फैलाना शराबबंदी के झूठे वादे जैसे कई मुद्दे पर राज्य सरकार गलत नीति पर चर्चा की गई।

15 अक्टूबर तक रेत उत्खनन पर प्रतिबंध

■ थाना प्रभारियों को अवैध रेत खनन रोकने सतत् निगरानी एवं कठोर कार्यवाही करने किया निर्देशित

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 15 जून से 15 अक्टुबर तक अवैध रेत उत्खनन के प्रतिबंध संबंध में जो दिशा निर्देश जारी किया गया है, इस तारतम्य में पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव बालाजी राव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार साहू के निर्देशन मे उप पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं थाना विश्रामपुरी प्रभारी भापेन्द्र साहू के पर्यवेक्षण में 26जून को पुलिस चौकी बांसकोट द्वारा ग्राम बालेंगा के पातरीपारा स्थित भवंरदीप नदी से अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन कर रहें। वाहन क्रमांक सीजी 19 बीजी 5914 के चालक मोतीलाल (45) पिता स्व शोभराम सार्दुल निवासी बांसकोट को मौके पर जप्ती किया गया है। पुलिस चौकी लाकर पृथक से धारा 102 जाफौ के अन्तर्गत इस्तगासा तैयार कर खनिज शाखा, कलेक्टर कार्यालय, कोंडागांव मे पेश किया गया। इस सम्पूर्ण कार्यावाही मे बांसकोट चौकी प्रभारी प्रमोद कतलम, सउनि अश्विनी निषाद, राजस्व निरीक्षक रामनाथ नेताम, पटवारी लक्ष्मीनाथ सरल एवं अन्य स्टाफ का योगदान रहा।

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के दिशा निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ की समस्त नदियों एवं उनकी उपधाराओं में रेत उत्खनन कार्य आगामी 10 जून से 15 अक्टूबर तक पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है । कोंडागांव पुलिस अधीक्षक बालाजी राव के निर्देशानुसार सभी थाना प्रभारियों को अवैध रेत खनन रोकने हेतु सतत् निगरानी रखने एवं कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

भारत चीन सीमा पर बलिदानी जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव जिले के माकड़ी ब्लाक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी माकड़ी के समस्त कांग्रेसी जनों के द्वारा भारत चीन सीमा पर शहीद हुए, वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया । आज पूरे भारत में शहीद वीर जवानों को प्रदेश स्तर से जिला एवं ब्लाक स्तर से समस्त कांग्रेसी जनों के द्वारा चीन भारत सीमा पर शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाया गया । माकड़ी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता महिला कांग्रेस युवा कांग्रेस एनएसयूआई जॉन सेक्टर बूथ प्रभारी एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधि जिला

पंचायत सदस्य माकड़ी ब्लॉक के समस्त सरपंच गण उपसरपंच पंच एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता मिलकर माकड़ी पंचायत भवन में वीर शहीद जवानों के छायाचित्र महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सभी कांग्रेसी जनों के द्वारा देश के वीर शहीदों को स्मरण कर पुष्प गुलाल अर्पण किया। महात्मा गांधी की प्रतिमा को पूजा अर्पण करके देश के वीर जवानों को नमन करके श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीद दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें मुख्य रुप से उपस्थित मोती बाई नेताम जनपद पंचायत माकड़ी, रमिला मरकाम जिला पंचायत सदस्य, हेमलाल बघेल जिला पंचायत सदस्य, गौतम साहू उपाध्यक्ष, गजेंद्र राठौर विधायक प्रतिनिधि, हेमलाल बट्टी सरपंच संघ अध्यक्ष, सगराम मरकाम विधायक प्रतिनिधि, चंदर बघेल सांसद प्रतिनिधि, विनोद सूरी, शंकर मंडावी, जागेश्वर मरकाम, कृष्णा मरकाम, बंसी राम यादव, आकाश महाजन, धनंजय उजाला, मनीराम, तीलाराम, राम सोमनाथ कोर्राम, हरेंद्र पांडे आदि उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षकों को मिला 8 माह का रुका वेतन, पायनियर को कहा-धन्यवाद

पायनियर संवाददाता ➤ गीदम/दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

जिले के कुआकोंडा विकास खण्ड के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्कूलों में सेवा दे चुके तीन अतिथि शिक्षक-शिक्षिका दिनेश, मनीषा व सुमन को आखिरकार उन्हें उनका मेहनताना मिल गया । गौरतलब है कि सत्र 2018-19 में सेवा दे चुके इन तीनो शिक्षकों का वेतन उन्हें नहीं मिला था, जिसके बाद पायनियर ने लगातार खबरे प्रकाशित की थी ।

दरअसल इनकी नियुक्ति बिना स्वीकृति ही कर दी गई थी, जिसके बाद इन शिक्षकों का पे डेटा प्रभावित होने लगा था, ऐसे में पूरे सात से आठ माह दिए सेवा का वेतन इन शिक्षकों को नहीं मिल पाया था । शिक्षकों द्वारा कई बार अफसरों के दफ्तर के चक्कर काटने पर भी कुछ हासिल नहीं हुआ था जिसके बाद पायनियर ने लगातार प्रमुखता से खबरे प्रकाशित की । अब इन तीनों शिक्षकों का रुका वेतन मिल गया है जिसके बाद शिक्षकों ने पायनियर को धन्यवाद दिया ।

कुआकोंडा क्षेत्र के तीन अतिथि शिक्षकों को अब तक नहीं मिला न्याय

एक माह बाद भी जांच रिपोर्ट का अता पता नहीं,अफसर दे रहे गोलमोल जवाब

नक्सलगढ़ में सेवा दे चुके अतिथि शिक्षक को नहीं मिला मेहनताना

भाजपा की जन संवाद रैली में शामिल हुए पूर्व मंत्री केदार कश्यप

■ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का हुआ उद्बोधन

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय जन सवांद वर्च्युअल रैली का आयोजन किया गया था जिसमे सभी जिलों को लक्ष्य दिया गया था अधिक से अधिक लोगो को ऑनलाइन रैली में शामिल करने एवं कार्यक्रम को सफल करने। रैली में मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान जी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह एवं विपक्ष के नेता धरम कौशिक एवं अन्य भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल हुये।

इसी रैली में शामिल होने केदार कश्यप जी भी नारायणपुर जिला मुख्यालय पहुँचे उनके द्वारा अपील की गई थी अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता एवं आम जनता दिये हुये सोशल नेटवर्किंग के माध्यम से इस रैली में जुड़ कर सभी वक्ताओं का उद्धबोधन सुने एवं सभी विषयों को आम जनता तक पहुचाये। रैली में शिवराज सिंह चौहान जी का भाषण कार्यकताओ में नया जोश एवं उमंग लाने वाला था। केदार कश्यप ने भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ रैली को प्रोजेक्टर के माध्यम से देखा। लगभग पूरे जिले से 2500 लोगों ने एक साथ रैली को देखा एवं रैली को सफल बनाया।

सफलता की कहानी : योजना से प्राप्त राशि से कृषक नये सिरे से संवार रहे है अपनी खेती किसानी

राजीव गांधी किसान न्याय योजना किसानों के लिए बनी संजीवनी

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

वर्तमान मे कोविड-19 संकट काल के दुष्प्रभाव से समाज का हर वर्ग एक बुरे दौर से गुजर रहा है और इनमे भी मजदूर किसानों पर इसकी सबसे ज्यादा मार पड़ी है कहीं कही तो कृषक नगदी संकट से भी गुजर रहे है। ऐसे मे राज्य शासन द्वारा प्रारंभ की गई राजीव गांधी न्याय योजना जिले के कृषको के लिए संजीवनी साबित हो रही है। चूंकि अन्नदाता कृषक और कृषि क्षेत्र का संर्वागीण विकास शासन की सर्वोच्च प्राथमिक रही है अतः कोरोना संकट काल मे राज्य शासन द्वारा योजना के माध्यम से किसानों को राहत देने का सराहनीय कार्य किया गया है। वैसे भी राज्य मे लगभग 70 प्रतिषत आबादी कृषि पर निर्भर है राज्य का अधिकांष क्षेत्र वर्षा आधारित होने से कृषि आय मे अनिश्चितिता तथा ऋण ग्रस्तता बनी रहती है फलस्वरूप कृषक फसल उत्पादन के लिए आवष्यक आदान जैसे उन्नत बीज उर्वरक कीटनाषक यांत्रिकीकरण एवं नवीन कृषि तकनीकी मे पर्याप्त निवेष नही कर पाते है उपर से कोरोना सक्रमण जैसी महामारी के चलते भी कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है। हालांकि इस वर्ष धान खरीदी एवं उसके भुगतान की माकूल व्यवस्था थी और इसके बेहतर कार्ययोजना और सकारात्मक प्रयास से अच्छे परिणाम आ रहे है।

इस क्रम में विकासखण्ड कोण्डागांव के 1400 जनसंख्या वाले ग्राम पंचायत कमेला मे लगभग

60 से 70 कृषक राजीव गांधी किसान न्याय योजना से लाभान्वित हुए है इसी गांव की निवासी कृषक कालिन्द्र लाल पाण्डे बताते है कि उन्होने इस वर्ष 112 क्विंटल धान और उन्हें योजना के तहत् 19 हजार रूपये की पहली किस्त प्राप्त हुई। जिसका उपयोग वे अपने 4 बच्चों की शिक्षा और आधी राशि का उपयोग अपनी कृषि क्षेत्र में निवेश करना चाहेंगे। एक अन्य कृषक फनिद्र ने बताया कि उनके पास 3 एकड़ की भूमि है जिसमे वे धान, उड़द जैसी फसलो लेते चूंकि इस वर्ष 50 से 60 हजार का मक्का विक्रय किया है और योजना के अतंर्गत उनको 8 हजार रूपये की पहली किस्त भी प्राप्त हई है और सम्पूर्ण किस्त के रूप मे उनको 72 हजार रूपये की राषि मिलेगी। शासन को साधुवाद देते हुए कहते है कि यह योजना हर कृषक के रूप मे वरदान है जबकि ऐसे संकट काल में हर कृषक कृषि संबधी परेशानी से जूझ रहा है और शासन ने किसानों के हित में और सराहनीय फैसला किया है। एक अन्य कृषक लक्ष्मण सिंह ने सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इस वर्ष 28 से 30 क्विंटल धान के लिए 70 हजार रूपये की राषि मिली थी और योजना के तहत् प्रथम किस्त के रूप मे 7 हजार रूपये मिले है जिसका उपयोग वे उन्नत खाद्य बीज खरीदेंगें। इसी प्रकार इसी गांव के मानकू राम नेताम और लच्छिम कष्यप को भी किसान न्याय योजना के अतंर्गत प्रथम प्रथम किस्त प्राप्त हो गई है इस प्रकार शासन द्वारा राषि मिलने से इन सभी कृषको के चहरे मे रौनक देखते ही बनती है। उल्लेखनीय है कि योजनान्तर्गत कृषको द्वारा पंजीकृत एवं वास्तविक रकबे के आधार पर निर्धारित राशि प्रति एकड़ की दर से आनुपातिक रूप से उनके बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण के माध्यम से सहायता राशि अन्तरित किया जाता है।

मास्क का उपयोग नहीं करने वाले व्यापारियों पर कार्यवाही, दी समझाइश

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार वैश्विक महामारी कोरोना से संबंधित दिशा निर्देश जारी की गई है। रविवार को नगर प्रसाशन द्वारा विभिन्न स्थानों में दौरा कर व्यापारियों एवं ग्राहकों को मास्क का उपयोग करने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की समझाइश दी गई।इस दौरान कुछ सब्जी एवं फल मटन, मछली, दुकान के व्यापारियों तथा किराना दुकान पर मास्क का उपयोग न करने पर कुल 21 दुकानदारों से 100-100 रु चालान राशि ली गई। इसके साथ ही प्रसाशन द्वारा प्रत्येक सैलून दुकान जाकर रजिस्टर मेंटेन करने एवं ग्राहकों की मोबाइल नं अनिवार्य रूप से दर्ज करने को कहा गया। इस चालानी कार्यवाही के दौरान नपा सीएमओ आर पी नेताम एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

ठेकेदार की मनमानी से तीन साल से अधूरा पड़ा है 26 लाख का उपस्वास्थ्य केंद्र

आंगनबाड़ी भवन में हो रहा उपस्वास्थ्य केंद्र संचालित

पायनियर संवाददाता ➤ भटगांव
www.dailypioneer.com

बिलाईगढ़ क्षेत्र में कहीं सामुदायिक भवनों में प्रशासनिक कब्जा तो कहीं उपस्वास्थ्य केंद्रों में आंगनबाड़ी का संचालन अब आम बात हो चली है। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत गिरवानी का है, जहां गांव के ग्रामीणों को गांवों में ही प्राथमिक उपचार और डिलवरी कराने की मंशा से शासन द्वारा गांवों में उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की स्वीकृति तो जारी कर दी है। लेकिन ठेकेदार मनमानी अधिकारियों की अनदेखी के चलते तीन साल बीत जाने के बाद भी पूर्ण नही हो पाया है ,जिसके कारण उप स्वास्थ्य केंद्र स्वास्थ्य विभाग के व्दारा आंगनबा?ी भवन को उपस्वास्थ्य केन्द्र बनाकर लोगो की प्राथमिक उपचार व गर्भवती महिलाओं डिलवरी करते हैं। यह पूरा मामला बिलाईगढ़ विकास खंड के ग्राम पंचायत गिरवानी का है जहां 26 लाख रुपये की लागत की बन रहे उपस्वास्थ्य केंद्र तीन साल बाद भी पूर्ण नहीं हो पाया है, जिसके चलते गांव के आंगनबाड़ी भवन को उपस्वास्थ्य केंद्र बनाकर ग्रामीणों की इलाज और गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी किया जाता है,लेकिन यह पड़ी परेशानी है कि आँगनबाड़ी छोटे से भवन होने के कारण उपचार और डिलवरी करने आये महिलाओं की बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है है। ठेकेदार जयशंकर साहू द्वारा अधूरे छोड़े उप स्वास्थ्य केंद्र का शिकायत इससे पहले पूर्व सरपंच राम कुमार साहू ने स्थानीय विधायक व जिला कलेक्टर को शिकायत किया जा चुका है इसके बावजूद भी ऐसे ही हाल है।

यह आपको बता दे कि गिरवानी उपस्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत में 7 गांव के लोगों की उपचार वह डिलवरी करने की सेक्टर बनाया है।यहां स्वास्थ्य विभाग के नर्सों के व्दारा नार्मल डिलवरी करने से यहां अन्य गांवों से गर्भवती महिलाओं डिलवरी करने आते हैं। लेकिन आँगन बाड़ी भवन छोटी सी जगह होने के कारण दिक्कतों को सामना करना पड़ता हैं।यहां स्वास्थ्य विभाग तो अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं।लेकिन ठेकेदार जयशंकर साहू की लापरवाही दादागिरी देखने को मिला, वही ठेकेदार फोन से पूछा गया तो बोला गया कि मैं नही बनाऊंगा क्या करना है कर लो ,कहा शिकायत करने कर दो,ऐसा ग्रामीणों व अन्य जन प्रतिनिधि को बोला जाता है और अधिकारियों के अनदेखी चलते ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं।

> ठेकेदार जयशंकर साहू ने सीधा नहीं बनाऊंगा, क्या करोगे कर लो, किसको शिकायत करना है कर दो, समाचार लगाना है तो लगा बोला ।

> पूर्व सरपंच राम कुमार साहू ने बताया कि मैंने स्थानीय बिलाईगढ़ विधायक व जिला कलेक्टर को शिकायत किया था इसके बावजूद अभी तक ऐसे ही अधूरा उप स्वास्थ्य केंद्र का हाल बना हुआ है।

गरीब महिला का जिला अस्पताल में हुआ सफल आपरेशन

- गर्भाशय से निकाला गया डेढ़ किलो का गोलाकार सिष्ट

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला अस्पताल बलौदाबाजार में आज सेजा गांव की एक गरीब परिवार की महिला का सफल ऑपरेशन हुआ है। डॉक्टरों की टीम ने महिला के गर्भाशय से लगभग डे? किलो वजन का गोल आकार का सिष्ट निकाला है। महिला के परिजन कोरोना संकट को देखते हुये इलाज को लेकर काफी सशंकित थे। जिला प्रशासन के निर्देश पर डॉक्टरों ने टीम भावना के साथ इस जोखिम पूर्ण ऑपेरशन को अंजाम दिया है। महिला स्वस्थ है और आपरेशन के बाद आगे की देखभाल अस्पताल में चल रही है। इससे कोरोना के संकटपूर्ण हालात में डीएमएफ की उपयोगिता भी सिद्ध हुई है, क्योंकि डीएमएफ के सौजन्य से सेवारत डॉक्टरों के नेतृत्व में इस जटिल ऑपेरशन को कामयाब किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ खेमराज सोनवानी ने बताया कि पीड़ित महिला का नाम जामबाई है। वह लगभग 32 साल उम्र की है। आरंग विकासखण्ड के पलारी से लगे ग्राम सेजा की है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ एस. एस बाजपेई, डॉ ए. के.झंवर और महिला रोग विशेषज्ञ डॉ करुणा यादव ने सहयोगी स्टाफ की मदद से आज सवेरे आपरेशन कर महिला को नये जीवनदान दी है। बताया गया कि महिला के पेट में काफी दिनों से काफी दर्द था और उन्हें उल्टी हो रही थी। लगभग बेहोशी की हालात में उन्हें यहां अस्पताल लाया गया था। सोनोग्राफी रिपोर्ट में उनकी ओवरी में गोला होना पाया गया। चूंकि मरी? को काफी तकलीफ थी और उनकी जान बचाने के लिए तत्काल आपरेशन किया जाना जरूरी था। इसलिए जिला कलेक्टर सुनील कुमार जैन के निर्देश पर डॉक्टरों ने तत्काल तैयारी कर इमरजेंसी ऑपरेशन किया और सिष्ट को निकाल बाहर किया। सिष्ट का वजन लगभग डेढ़ किलो वजन का था। ऑपरेशन के बाद महिला और उनके परिजनों को काफी राहत मिली है।

सांसद छाया वर्मा ने कुर्मी समाज को गौरवान्वित किया

पायनियर संवाददाता ➤ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन करने वाली छत्तीसगढ़ की बेटी राज्यसभा सांसद छाया वर्मा को संसद रत्न पुरस्कार 2020 के चयन होने पर समस्त छत्तीसगढ़ समाज सहित छत्तीसगढ़ कुर्मी समाज गौरवान्वित है। इससे पहले भी छाया वर्मा अनेक बार सम्मानित हो चुकी हैं।ज्ञात हो कि छाया वर्मा के साथ ही पूरे देश से विभिन्न राजनैतिक दलों के 23 सांसदों का चयन इस अवार्ड के लिए किया गया है। यह पुरस्कार वर्ष 2010 में तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. एपीजे अब्दुल कलाम की पहल पर शुरू किया गया था। इस अवार्ड के लिए सांसदों का चुनाव एक जूरी कमेटी करती है। मौजूदा जूरी के अध्यक्ष केंद्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल हैं। मुख्य अवार्ड सहित इसके तहत अलग-अलग श्रेणियों में सांसदों का चयन करके उनको प्रमाणपत्र सहित प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया है। इसमें सांसद की सदन में उपस्थिति, आचरण, उसकी सक्रियता और कार्यक्षमता सहित अनेक बातों पर विचार कर चयन किया जाता है।

तिल्दा नेवरा नगर व ग्रामीण क्षेत्रो में श्रीमति छाया वर्मा के हजारों की सख्या में समर्थक है। इनके चयन पर कांग्रेस संयुक्त महामंत्री राम गिडलानी, ओम गोयल, शंकर लाल शर्मा, नगर पालिका अध्य्क्ष श्रीमती लेमीक्षा गुरु डहरिया, गुरु खुशवन्त साहेब, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल, जनपद अध्य्क्ष सुमन देववत् नायक, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील सोनी, देवेंद्र वर्मा, पूर्व रायपुर ग्रामीण महामन्त्री प्रकाश मेघानी, सभापति नपा लक्ष्मीनारायण वर्मा, प्रदीप अग्रवाल, देवा दास टण्डन, दिनेश साहू, नीरज राठी, दिनेश सोनी, विजय सोनू मार्कण्डेय, आशा यादव, वन्दना वर्मा सहित नगर के अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। साथ ही नगर के व्यापारी वर्ग व महिला समाज सेवियों ने भी छाया वर्मा को बधाई दी है।

जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही, आरोपियों को गिरफ्तार किया

तिल्दा नेवरा। पुलिस थाना तिल्दा नेवरा ने जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उक्त मामले पर जानकारी देते हुए थाना प्रभारी शरद चन्द्रा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम-जलसो भांठा में कुछ लोग अवैध रूप से जुआ खेल रहे है। जिसकी सूचना पर पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही करते हुए आरोपियों के कब्जे से 52 पत्तीताश एवं 5200 नगदी रकम बरामदगी कार्यवाही करते हुए जुआरियों का कृत्य धारा-13 जुआ एक्ट का पायें जाने से अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपीगण इस प्रकार है। अमित कुमार वर्मा / शंकर लाल वर्मा साकिन-बैकुण्ठ टण्डवा ,संजय कुमार जायसवाल / प्रदीप कुमार जायसवाल साकिन-वार्ड क्र. 20 बैकुण्ठ टण्डवा, राकेश साहू / लक्ष्मण साहू साकिन-ग्राम-मड़ी थाना-धरसींवा जिला-रायपुर (छ.ग), गौरीशंकर वर्मा / भुवन लाल वर्मा उम्र-29 साल साकिन-ग्राम-मड़ी थाना-धरसींवा जिला-रायपुर (छ.ग.) है।

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन वार्षिक वेतन वृद्धि बहाली की मांग को लेकर 1 को विरोध दिवस मनाएगा

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

फेडरेशन के अध्यक्ष लखन साहू ने बताया कि कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा निर्णय लिया गया कि फेडरेशन के आव्हान पर वार्षिक वेतन वृद्धि के बहाली की मांग को लेकर 1 जुलाई को विरोध दिवस मना कर आदेश की प्रतियां जलाई जाएगी और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा ।

फेडरेशन अध्यक्ष लखन साहू ने बताया हमारी मुख्य मांगें वार्षिक वेतन वृद्धि बहाल करे, डीए पर लगाई रोक वापस ले, सरकारी विभागों में भर्ती के अघोषित प्रतिबंध हटाया जाए, अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को एक सप्ताह के भीतर आदेश का निर्देश जारी करे महामारी के खिलाफ काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे जोखिम भत्ता दिया जाए, आवश्यक सेवाओं में सभी कर्मचारियों को खासकर पीड़ितों को 50 लाख बीमा का लाभ दिया जाए कर्मचारी संगठनों की मान्यता अवधि इस करोनोकाल को देखते हुए वृद्धि की जाए ।

कर्मचारियों के लंबित मांगों का निपटारा शीघ्र किया जाए, पदोन्नति, क्रमोन्नति के शीघ्र आदेश हेतु सभी विभागों में निर्देश जारी किए जाएं ।

कर्मचारी विरोधी नीतियोंकेखिलाफ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए 1जुलाई को विरोध दिवस के रूप में प्रति जला कर मनाने का निर्णय लिया गया ।

शासन के निर्देशानुसार बाजार शुरु करने हरी झंडी दे दी

तिल्दा नेवरा। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के चलते मार्च में लॉक डाउन लगते ही बाजार हॉट शासन के निर्देशानुसार बन्द कर दिए गए थे। छोटे व्यापारियों को राहत देते हुए स्थानीय प्रशासन ने 28 जून से बाजार हॉट को शुरू करने की हरी झंडी दे दी है। नगर पालिका अधिकारी जी डी डहरीया ने बताया कि रविवार व बुधवार के बाजार हॉट लगते थे, वे अब फिर से प्रारंभ हो रहे है। फुटकर व्यापारी जो करीब 3 महीने से अधिक दिनों तक घरो में खाली थे अब वह सामाजिक दूरी बनाकर बाजार में अपना व्यापार कर सकते है। इसके लिये छोटे छोटे दुकानदारो को सूचना दी गई है। साथ ही ग्रामीणांचलों में भी सूचना भेजी गई है। नियमो का पालन करते हुए लोग बाजार हॉट में दुकानों में खरीदी बिक्री कर सकते है।

विधायक साहू ने खैरी एवं कुची में विकास कार्यों का भूमिपूजन किया

पायनियर संवाददाता ➤ डोंगरीडीह
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत खैरी एवं कुची में पंचायत भवन का भूमि पूजन एवं ग्राम पंचायत सलौनी के मंगल भवन के भूमि पूजन विधायक शकुन्तला साहू की मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार हितेन्द्र ठाकुर की अध्यक्षता तथा विशिष्ट अतिथि खिलेन्द्र वर्मा जनपद अध्यक्ष पलारी ,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पलारी गणेश शंकर जायसवाल ,जनपद उपाध्यक्ष मनोज आडिल ,राधिका कलयारी जनपदसदस्य,ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री झड़ीराम कनौजे के गरिमामय उपस्थिति हुआ। विधायक चुनाव के 4 महीने के भीतर ग्राम पंचायत भवन के लिए 14 लाख 42 हजार की सौगात दी हैं । गौरतलब हो कि नया ग्राम पंचायत भवन बनने के बाद लोगो को सुविधा मिलेगी साथ हि विकास की कोई कमी नही होगा।कार्यक्रम में सरपंच सलौनी श्रीमती दशोदा विजय कन्नौजे,उपसरपंच रामकुमार बंजारे ,ग्राम पंचायत खैरी के सरपंच दुबेचन्द टंडन उपसरपंच माही मनमोहन रात्रे ,कुची सरपंच रवि कुमार साहू ,उपसरपंच सावन फेकर ,कार्यकर्ता लेखराम गनहरे , चैन बांधे सहित ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज में तीन युगल जोड़ों का हुआ आदर्श विवाह

पायनियर संवाददाता ➤ डोंगरीडीह
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज द्वारा रविवार को समाज के प्रधान कार्यालय यादव सामाजिक भवन महादेव घाट रायपुर में तीन युगल जोड़ी का आदर्श विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम शासन के दिए गए दिशा निर्देश में किया गया । शादी बहुत ही सादे ढंग से सामाजिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।वर वधु का विवरण इस प्रकार है। चिरंजीव देवेन्द्र यादव सुपुत्र महेश यादव रायपुर संग सौ का खोमेश्वरी यादव सुपुत्री महेन्द्र यादव सिंधौरा पलारी बलौदाबाजार चिरंजीव संतोष कुमार यादव सुपुत्र रमाकांत यादव भाटापारा बलौदाबाजार संग सौ का अनुराधा यादव सुपुत्री महेश यादव रायपुर चिरंजीव राजू यादव सुपुत्र मुन्ना यादव पंडरी रायपुर संग सौ का उर्वशी यादव सुपुत्री अशोक यादव देवबलौदा भिलाई 3 के साथ सम्पन्न हुआ । छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के पदाधिकारी आदर्श विवाह को निःशुल्क सम्पन्न कराया गया ।

छत्तीसगढ झेरिया यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव एवं पदाधिकारियों द्वारा यादव समाज के अन्य वर्ग कोसरिया यादव समाज की बेटी उर्वशी का विवाह झेरिया यादव के राजू यादव से सम्पन्न कर आशीर्वाद प्रदान कर यादव समाज के अन्य वर्ग में शादी को मान्यता प्रदान किया गया ।आदर्श विवाह कार्यक्रम में समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव उपाध्यक्ष भगत सिंह यादव सचिव सुन्दर लाल यादव संयुक्त सचिव मनोज यादव महासमुंद जिला अध्यक्ष राजु यादव महिला प्रकोष्ठ से शारदा यादव संरक्षक जगत यादव जिला रायपुर उपाध्यक्ष बबला यादव अभनपुर ब्लाक अध्यक्ष गणेशु यादव रायपुर से नंदकुमार यादव परदेशी यादव घुरऊ यादव मतवारी यादव रमेश यादव विश्राम यादव परमानंद यादव जगमोहन यादव सोमनाथ परिक्षेत्र से मीडिया प्रभारी प्यारेलाल यादव सहित वर वधु पक्ष ले 10-10 लोग आदर्श विवाह में सम्मिलित हो कर वर वधु को आशीर्वाद प्रदान कर किए ।

कसडोल विधायक ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को किया रवाना

जिले में पौधा तुंहर दुआर योजना की हुई शुरूआत

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना पौधा तुहर दुआर योजना का जिले में आज शुभारंभ किया गया। कसडोल विधायक शकुंतला साहू ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश वर्मा, कलेक्टर सुनील कुमार जैन डीएफओ आलोक तिवारी,जिला पंचायत सीईओ डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निवेदिता पॉल,ट्रेनी आईएफएस आलोक बाजपेयी भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रदेश को हरा भरा बनाने और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भुपेश बघेल की मंशानुरूप शासन की महत्वाकांक्षी योजना पौधा तुहर दुआर योजना का आज जिले में शुभारंभ किया गया। वर्तमान में यह योजना केवल बलौदाबाजार एवं भाटापारा नगरीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के लिए निःशुल्क पौधों की घर पहुँच सेवा के लिए प्रारंभ की गयी हैं। कसडोल विधायक शकुंतला साहू ने प्रदेश शासन की इस महती योजना पौधा तुंहर दुआर को मुख्यमंत्री का बहुत ही सराहनीय कदम बताया और कहा कि इससे पर्यावरण सरंक्षण मे फायदा मिलेगा। साथ ही उन्होने आम नागरिको से अपील की है की इस योजना का लाभ अवश्य उठाये और अपने घर के आसपास के साथ ही अपने अपने खेतो मे अपने पुर्वजो के नाम से पौधा लगाकर उन्हे श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए पर्यावरण के सरंक्षण मे अपना अमुल्य योगदान देवे।कलेक्टर सुनील जैन ने बताया कि शासन की योजना के तहत पूरे राज्य को हरा भरा बनाने और लोगो में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के उददेश्य से पौधा तुहर दुआर योजना का शुरुआत किया गया हैं।

वनमंडलाधिकारी आलोक तिवारी ने बताया कि आज से पौधा तुंहर दुआर योजना की शुरूआत हुई है और यह योजना 31 जुलाई तक चलेगी जिसमे लगभग 9 लाख पौधा रोपण का लक्ष्य इस बार हमने रखा हैं। आज इस योजना के तहत बलौदाबाजार एवं भाटापारा शहर मे 15 से 20 हजार पौधा लगाने की लक्ष्य रखा गया हैं। इसके साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से अपील की इस योजना के माध्यम से अपने पूर्वजो के नाम से एक पौधा अवश्य लगावे और उन्हे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा कुछ मोबाइल नं दिये गये है जिनमे कोई भी नागरिक फोन करके अपना पौधा मंगा सकतें हैं। जारी नंबरों में रजनीश वर्मा 99261-51752 अन्य नम्बरों में 84610-69363, एवं 81207-53481 इन मोबाईल नंबरो पर काल करके नागरिक अपना पौधा सीधा घर मंगवा सकतें है। पौधा का वितरण निःशुल्क किया जा रहा हैं।

केवल खाद एवं मजदूर के मेहनत के लिए केवल 10 रुपये शुल्क देना होगा साथ ही हमने इस बार वाहन में एक सुविधा और दी गयी हैं। इस वाहन मे एक कुदाली, पेड़ लगाने मजदूर और वर्मी कंपोस्ट जैविक खाद की भी व्यवस्था किया गया हैं। जिससे नागरिक अपने मनपंसद जगह पर पौधा रोपण करवा सकतें है।

श्रीमहामेरू अन्नपूर्णा सेवा संस्थान ने संरपर्च को सम्मानित किया

तिल्दा नेवरा। नगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरर्वे के संरपच विद्या वर्मा को श्री महामेरू अन्नपूर्णा सेवा संस्थान समिती (छ. ग) के अध्यक्ष पं कृष्ण चन्द्र दुबे व संस्थापक आशीष तिवारी द्वारा कोरोना महामारी के भयावक रूप के संक्रमण के चलते विषम परिस्थिति के द्वारा ग्राम के संरपच विद्या अनिल वर्मा ने प्रदत्त सहयोग कर मानवता की मिसाल का पर्याय दिया हैं।जिसके कारण समिती द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए। कोरोना महामारी के भयावक बिमारी से अपने गांव के लोगों को सुरक्षित रखा जिससे की श्रीमहामेरू सेवा समिति की तरफ से संरपच विद्या अनिल वर्मा को इस सहयोग के अभार व्यक्त करते हुये । प्रशस्ति पत्र देकर उनके ग्राम में सम्मानित किया गया।

भाजपा नेता भक्ति यादव की हत्या, आरोपियों को सजा दिलाने भाजयुमो ने निकाली मौन रैली

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

भाजपा कार्यकर्ता भक्ति यादव की हत्या से भड़के भाजयुमो जिला प्रभारी विजय जयसिंघानी ने कहा छत्तीसगढ़ में गुंडाराज कायम हो गया है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व बलौदाबाजार जिला प्रभारी विजय जयसिंघानी ने बलौदाबाजार शहर में भाजपा कार्यकर्ता भक्ति यादव की हत्या के बाद प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर आक्रोश जताया है, और इस नृशंस हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए भड़के भाजयुमो नेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गुंडाराज कायम हो गया है।ल विजय जयसिंघानी ने आगे कहा कि बलौदाबाजार में भाजपा कार्यकर्ता भक्ति यादव की उसके घर सामने ही आधा दर्जन गुंडों के द्वारा हत्या कर दी गई है, जिससे यह साबित होता है कि राज्य में अपराधियों पर कोई नियंत्रण नही रह गया है।

भाजयुमो नेता ने पिछले दिनों कुरूद में हुए जिला पंचायत सदस्य खूबलाल ध्रुव की हत्या का प्रयास और बेमेतरा में जिले में नाबालिग लड़की से बलात्कार की नाकाम कोशिश के बाद उसको जिंदा जला देने की घटना का हवाला देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में गुंडाराज कायम हो गया है।

राज्य में महिलाएं, किसान नौजवानों सहित सभी परेशान हैं, और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं, उन्हें झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। बलौदाबाजार के भाजपा कार्यकर्ताओं ने भक्ति यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

25 जून 1975 को जबरन थोपा गया आपातकाल देश के लिए एक काला धब्बा है : दीपेश

पायनियर संवाददाता ➤ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी कोंडागाँव के जिला मुख्यालय में आज 25 जून को कांग्रेस के द्वारा लगाए गए आपातकाल को काला दिवस के रूप में मनाते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस लिया गया। जिसमे भाजपा जिला अध्यक्ष दीपेश अरोरा ने कहा कि 25 जून 1975 को तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश मे जबरन थोपा गया आपातकाल इतिहास का ऐसा ही एक काला अध्याय है। जिसे हमे कभी भूलना नही चाहिए। और उसे बार बार हर बार स्मरण करते रहने की जरूरत है, ताकि सत्ता के मद में चूर होकर कांग्रेस या कोई दल फिर से इस भयानक इतिहास को दोहराने का साहस नही कर पाए।

बड़े ही त्याग और बलिदान से प्राप्त इस लोकतंत्र को तब की प्रधानमंत्री रही इंदिरा गांधी ने आधी रात को खत्म कर देश को फिर से तानाशाही और गुलामी के दौर में डालते हुए आपातकाल लगाया। आपातकाल में इंदिरा गांधी ने राजनीतिक प्रतिद्वन्दियो का निर्ममता से दमन किया, न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता को बुरी तरह कुचला और दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र भारत को एक ?सीवाद देश मे तब्दील कर दिया गया था। उस दौर में तानाशाही पूरे देश मे काबिज हो गए थे। वो मासूमों पर जुल्म ढा रहे थे।निर्दोषों को जबरन जेल में ठूसा जा रहा था। बस्तियों को बुलडोजर चलाकर उजाड़ा जा रहा था। लोगों की जबरन नसबंदिया की जा रही थी। साथ ही प्रदेश विधि प्रकोष्ठ भाजपा के सदस्य गोपाल दीक्षित ने कहा कि आपातकाल की घोषणा होते ही स्वयंसेवको और तमाम गैरकांग्रेसी नेताओं की गिरफ्तारी शुरू हो गयी थी। उन पर प्रताड़नाओं का सिलसिला सा चल रहा था। देश भर में लाखों लोग जेल गए लोकनायक जयप्रकाश नारायण, मोरारजी भाई देसाई, अटलबिहारी बाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, नीतीश कुमार, रामविलास पासवान, शरद यादव समेत अधिकतर विपक्ष को जेल में डाल दिया गया था। अविभाजित मध्यप्रदेश से भी कई नेता गिरफ्तार कर लिए गए थे। रायपुर में उपासने परिवार समेत कई लोग जेल गए थे।

शिकायत पर राजद्रोह का मुकदमा दायर किया

उस समय मीडिया पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया था। 25 जून 1975 की आधी रात को आपातकाल लगाने के तुरंत बाद अखबारों के दफ्तरों की बिजली काट दी गयी थी, ताकि ज्यादातर अखबार अगले दिन आपातकाल के समाचार ना छाप सकें। 327 पत्रकारों को मीसा कानून के तहत जेल में भी बंद किया गया था। 290 अखबारों में सरकारी विज्ञापन बंद किया गया था। सबसे ज्यादा आपातकाल में पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार हुआ और पत्रकारों ने आपातकाल के दर्द को बहुत झेला है। आज भी छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के द्वारा आपातकाल जैसे हालात निर्मित हो रहे हैं। बात चाहे पत्रकार अर्णब गोस्वामी पर हुए छत्तीसगढ़ में सैकड़ों मुकदमे लाद देने का हो या भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा को छग में प्रताड़ित करने की कोशिश का हो। हाल में सोशल मीडिया पर लिखने के कारण दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों की गिरफ्तारी हुई।बिजली जाने की शिकायत करने मात्र से आम लोगो पर राजद्रोह का मुकदमा दायर किया गया और जेल भेजने की कार्यवाही की गई।

एकमात्र मीसा बंदी बंशी लाल सोनी के पुत्र का भाजपा ने किया सम्मान

नारायणपुर। आपातकाल के दौरान राजनांदगांव में रह रहे स्वर्गीय बंशी लाल सोनी जी जिन्हें आपातकाल के दौरान निशा में जेल डाल दिया गया था ।जिला भाजपा नारायणपुर द्वारा पार्टी कार्यालय में उनके पुत्र संतोष सोनी को श्रीफल एवं गमछा से सम्मानित किया गया। संतोष सोनी ने बताया कि रात्रि 2-00 बजे मेरे पिता स्वर्गीय बंशीलाल सोनी जी को पुलिस उठाकर ले गई और पिता को जेल में डाल दिया गया ।

इस अवसर पर आज पार्टी कार्यालय में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गौतम एस गोलछा जिलाध्यक्ष बृजमोहन देवांगन प्रभुनाथ देवांगन संतनाथ उसेण्डी संजय नंदी प्रशांत सिंह संदीप अविनाश देवांगन आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक राय पहुंचे पत्रकार पांडे के घर नवजात बच्चे को दिए आशीर्वाद, रथयात्रा की दी शुभकामनायें

पायनियर संवाददाता ➤ सरसींवा
www.dailypioneer.com

क्षेत्रीय विधायक चन्द्रदेव राय अंचल के युवा पत्रकार राहुल पांडेय के यहाँ पहुच कर उसके नवजात बच्चे चि. सिध्दार्थ पांडे को आशीर्वाद दिए एवँ परिवार जनों को भी बधाईया देते हुए भगवान जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा की भी शुभकामनाये दिए। इस अवसर पर पांडे के पिता संतोष पांडेय से भी मिले, जोकि छत्तीसगढ़ पटवारी संघ तहसील बिलाईगढ़ के संरक्षक है। इसके साथ ही विधायक राय ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि स्व. केशव प्रसाद पाण्डेय के द्वारा सींचे हुए पार्टी कांग्रेस के विधायक हूं। जो कि वर्षो पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हुआ करते थे जिसका बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका रहा है। मैं आज इसके परिवार के बीच हूं। इस अवसर पर आकाश पांडेय भी उपस्थित थे।

भाजपा नेता झीरम के षड्यंत्र जांच से क्यों डर रहे हैं: हितेंद्र

बलौदा बाजार। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर ने प्रेस वार्ता कर भाजपा नेताओं के माओवादियों से संबंध क्यों बनाना चाहते हैं भाजपा नेता झीरम के षड्यंत्र जांच से क्यों डर रहे हैं नक्सलियों के शीर्ष नेता गणपति और रमना के नाम किसके कहने से हटाए गए भाजपा नेता या केंद्रीय नेता इसी मांग को लेकर उन्होंने बाजार में पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता की।

कक्षा 12 वीं में जिले की छात्रा फरीन कुरैशी ने 95.60 प्रतिशत से राज्य में लाया सांतवा स्थान

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

कोरबा के बालको की फरीन कुरैशी ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा आयोजित कक्षा-12वीं की परीक्षा में 95.60 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में सांतवा स्थान लाकर जिले को गौरवांवित किया है।

इस कामयाबी से परिवार के साथ साथ जिले का भी नाम रौशन हुआ है। इस कामयाबी के लिए आल इंडिया कुरैश इत्तेहाद फ्रंट (मुस्लिम समाज) के लिए भी ये गर्व की बात है कि समाज की बेटी ने शिक्षा के क्षेत्र में मुकाम हासिल किया। आल इंडिया कुरैश इत्तेहाद फ्रंट (कुरैशी समाज) के राष्ट्रीय प्रवक्ता मो आवेश कुरैशी, प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मो मकसूद कुरैशी कि भतीजी है, जिला अध्यक्ष मो अब्दुल खालिद कुरैशी, जिला सह सचिव मो उम्र कुरैशी द्वारा फरीन कुरैशी के घर जा कर फरीन कुरैशी को केक काट कर बधाई दी गयी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उज्वल भविष्य की कामना की गई।

बाइक-पिकअप की टक्कर, बाइक सवार घायल, वाहन छोड़ चालक फरार

पायनियर संवाददाता ➤ कोंडागॉव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव जिला के फरसगांव थाना अंतर्गत पासंगी पुल के पास बाइक और पिकअप की आमने सामने टक्कर हो गई , इस टक्कर से बाइक सवार दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए जिनको उपचार के लिए फरसगांव अस्पताल लाया गया जहा से एक कि स्तिथि गम्भीर होने के चलते बेहतर उपचार के लिए बाहर रिफर किया गया। जानकारी के अनुसार जंगलु मरकाम उम्र 24 निवासी बागबेड़ा एवं बलिराम मरकाम पिता सुखमन मरकाम उम्र 22 निवासी उलेरा बाइक क्रमांक सीजी 27 जे 2836 से फरसगांव बिजली बिल पटाने आये हुए थे जो कि घर वापसी के दौरान पासंगी पुल के पास रांधना को ओर से आ रही पिकअप क्रमांक सीजी 27 एच 9447 से आमने सामने टक्कर हो गई । टक्कर के बाद पिकअप चलाक मौके से गाड़ी छोड़ के फरार हो गया।

राशन दुकान के सामने छज्जे की व्यवस्था करने कलेक्टर दिया आवेदन

कोंडागांव। कोंडागांव नगर में महात्मा गांधी वार्ड, आड़का छेपड़ा वार्ड व डोंगरी गुड़ा वार्ड हेतु, स्थित राशन दुकान के सामने छज्जा नही होने से राशन खरीदने वालों को आये दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है, गर्मी में धूप खड़े होकर व बरसात में भीगते हुए राशन खरीदना पड़ता है। वार्ड वासियों की समस्या को लेकर सभी वार्ड वासियों ने जिला कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा को आवेदन सौंपा है। राशन दुकान के सामने छज्जा बनवाने हेतु, वार्ड के नए युवा सामने आए है, जिनमें रितेश कोर्राम, ने सबका मार्गदर्शन करते हुए।

7 जुआरियों को पुलिस धरदबोचा, नगदी रकम 1,85,070 रूपये जब्त

शिवनाथ नदी किनारे रायपुर, बिलासपुर, मुंगेली एवं भाटापारा के जुआरी पकड़े गये

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

शिवनाथ नदीं के किनारे लगातार जुआ फड़ जमने की पुलिस को खबर मिलने पर छापामार कार्रवाई सात जुआरियों को गिरफ्तार किया। देहात भ्रमण पेट्रोलिंग वाहन के ग्राम निपनिया तरफ रवाना हुआ मुखबिर की सूचना पर ग्राम सिल्वा शिवनाथ नदी एनीकट के पास कुछ व्यक्ति सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करते हुए बिना मास्क लगाये इक्ठ्ठा होकर ताश खेलते मिले। लाकडाउन का उल्लंघन भी कर रहे है कि सूचना पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर को अवगत कराया गया। एसपी के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल एवं एस.डी.ओपी. भाटापारा के.बी द्विवेदी के मार्गदर्शन में सिल्वा शिवनाथ एनीकट पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई। मौके पर ताश पत्ती से हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़े गए ये। जुआरियों में 01 मनोज अग्रवाल के पास से 1500 रू फड से 3500 कुल 5000 रू एक नग चारपहिया वाहन स्वीप्ट, 01 नग रियल मी मोबाईल 02. सुखचंद लहरे के पास से 3000 रू फड़ से 27000 कुल 30000रू एक नग चार पहिया वाहन एवेजर, एक नग सैमसंग मोबाईल जे -7 03. मिथलेश ठाकुर के पास से 29000रू फड से 90000 रू कुल 119000 रू एक नग मोबाईल वीवो माडल 1724 04. देवकांत दुबे के पास से 7000 रू फड से 13000 कुल 20000 रू एक नग मोबाईल ओप्पो 05. ईश्वर साहू के पास से 200 फड से 800 रू कुल 1000 रू एक नग मोबाईल सैमसंग जे-7 06. यशवंत राजपूत के पास से 1000 रू फड से 9000 रू कुल 1000 रू एक नग मोबाईल ओप्पो 07. दिलेश्वर साहू पास से 20 रू फड से 50 रू कुल 70 रू एक नग चार पहिया वाहन वेगानार कुल जुमला रकम 185070 रू, 52 पत्ती ताश एंव 03 नग चार पहिया वाहन तथा 07 नग मोबाईल को मुताबिक जप्ती पत्रक के समक्ष गवाहो के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।

- मनोज अग्रवाल पिता एच पी0अग्रवाल उम्र 36 वर्ष साकिन कबीर नगर रायपुर।
- सुखचंद पिता रेशमलाल लहरे उम्र 30 वर्ष निवासी कालिका नगर तिफरा बिलासपुर
- मिथलेश ठाकुर पिता दिनेश सिंह ठाकुर उम्र 22 वर्ष निवासी अशोक नगर खमतराई रायपुर
- देवकांत दुबे पिता आर पी दुबे उम्र 30 वर्ष साकिन सेमरताल थाना सरकंडा बिलासपुर
- ईश्वर साहू पिता स्व फिरंता राम साहू उम्र 44 वर्ष निवासी के के वार्ड भाटापारा
- यशवंत राजपूत पिता इंदेराम राजपूत उम्र 39 वर्ष निवासी करही थाना नांदगांव जिला मुंगेली
- दिलेश्वर साहू पिता स्व शिवकुमार साहू उम्र 23 वर्ष निवासी जरहागांव जिला मुंगेली

जुआडियान को पकडने में थाना प्रभारी यशवंत प्रताप सिंह थाना भाटापारा ग्रामीण, प्रआर अश्वनी कन्नौजे, प्रआर घनश्याम वर्मा, आरक्षक लोरिक शांडिल्य, दिनेश जांगडे, सतीश साहू, सीताराम ध्रुव, इनेन्द्र राजपूत, भूपेन्द्र वर्मा व भाटापारा ग्रामीण पुलिस का विशेष सहरानीय योगदान रहा।

होली त्यौहार में खपाने के लिए रखी थी शराब

तीन माह से फरार अवैध शराब बेचने वाली आरोपिया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

तीन माह से फरार अवैध शराब तस्कर को पकड़ने में पुलिस ने कामयाबी हासिल की है। मामला होली त्योहर के दौरान का है, अवैध शराब, जुआ सट्टा आदतन अपराधी के उपर सतत निगाह रखने एवं असमाजिक तत्वों के विरूद्ध कडे निर्देश का पालन करने 8 मार्च को टाउन पेट्रोलिंग एवं होली त्यौहार के मददेनजर अवैध रेड कार्यवाही हेतु टाऊन रवाना हुआ था कि पेट्रोलिंग दौरान मुखबिर सूचना मिली की भगत सिंह वार्ड के सरोजनी सोनवानी अपने घर में होली त्यौहार में बेचने के लिए अधिक मात्रा में शराब रखी है तथा बिक्री कर रही है कि सूचना पर तस्दीक हेतु भगत सिंह वार्ड पुलिस पहुंची। सरोजनी सोनवानी पुलिस पार्टी को आते देख अपने घर में ताला लगाकर भाग गयी । आरोपिया के ताला लगाकर भाग जाने से उनके मकान के ताला खोलने कार्यपालिक मजि. के आदेशित करने पत्राचार किया गया, जिस पर नायाब तहसीलदार चौरसिया उपस्थित आये तथा पंचनामा तैयार कर ताला को खोला गया । तब आरोपिया के मकान की तलाशी गवाह के समक्ष लिया। आरोपिया के मकान के कमरे से एक प्लास्टिक की बाल्टी में 25 नग , प्रजि के नीचे 30 नग, लकड़ी के आलमारी के नीचे 26 नग तथा कमरे में गडडे बनाकर रखे 159 पौवा देशी मसाला शराब जुमला 240 पौवा प्रत्येक में 180 ग्राम भरी कुल 43,200 ब्लक लीटर कीमत 16800/10 नगदी बिक्री रकम बाल्टी में रखे 4570/50 तथा दो नग सैमसंग कम्पनी की गोल्डन कलर की मोबा. कीमत 14000 / रू रखा मिला। जिसे आरोपीया का कृत्य आबकारी एक्ट सबूत पाये जाने पर विधिवत सम्पूर्ण कार्यवाही की गई थी । प्रकरण की आरोपिया घटना दिनांक से फरार थी। पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर बलौदाबाजार के द्वारा फरार आरोपिया को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु कडे निर्देश दिये गये थे जिस पर निवेदिता पाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार व केबी द्विवेदी एसडीओपी भाटापारा के निर्देशन पर थाना प्रभारी महेश ध्रुव के कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर एवं आरोपिया के पता तलाश हेतु मुखबिर लगाया गया था जिसकी सूचना पर आरोपिया सरोजनी सोनवानी पति राजू सोनवानी साकिन भगत सिंह वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा शहर जिला बलौदाबाजार - भाटापारा को 26जून को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने जारी किया आदेश

आमदी (म) के चिन्हित क्षेत्र कंटेनमेंट जोन घोषित, 3 किमी की परिधि बफर जोन घोषित

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय गरियाबंद आमदी (म) में तीन नए पॉजिटिव कोरोना मरीज मिलने की पुष्टि पश्चात कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी छतर सिंह डेहरे ने सम्बंधित क्षेत्र के चिन्हित चौहद्दी को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। वहीं 3 किमी के दायरे को बफर जोन घोषित किया गया है। गरियाबंद विकासखण्ड के गरियाबंद आमदी (म) के पूर्व दिशा में बीआरसीसी भवन एवं पेट्रोल पंप के पास, पश्चिम दिशा में सरोज कुंजाम एवं रामराज का घर, उत्तर दिशा में बीएमओ. ऑफिस के पास राम प्रसाद का घर और दक्षिण दिशा में कमार आश्रम छात्रावास एवं जिला अस्पताल को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कंटेनमेंट जोन के उक्त चिन्हित क्षेत्र अंतर्गत सभी दुकाने एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान आगामी आदेश पर्यन्त तक बन्द रहेंगे। प्रभारी अधिकारी द्वारा घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर सुनिश्चित की जायेगी। सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किन्हीं भी कारणों से घर के बाहर निकलना प्रतिबंधित रहेगा। स्वास्थ्य विभाग के मानकों के अनुरूप व्यवस्था हेतु पुलिस पैट्रोलिंग सुनिश्चित की जायेगी। स्वास्थ्य विभाग के निदेशानुसार आवश्यक सर्विलांस, कान्टेक्ट, ट्रेसिंग एवं सैम्पल जांच आदि की कार्यवाही की जायेगी। उक्त कन्टेनमेंट जोन में कार्यवाही हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। केवल एक प्रवेश एवं निकास हेतु बैरिकटिंग हेतु कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रवेश एवं निकास सहित क्षेत्र की सेनिटाइजिंग व्यवस्था एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने गरियाबंद जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दायित्व सौंपा गया है। कान्टेक्ट ट्रेसिंग के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गरियाबंद को दायित्व सौंपा गया है। खण्ड चिकित्सा अधिकारी गरियाबंद को स्वास्थ्य टीम को दवा, मास्क, पीपीई कीट इत्यादि उपलब्ध कराने एवं बॉयोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग गरियबांद के पर्यवेक्षक श्रीमती शशिबाला मसीह को घरों का एक्टिव सर्विलांस व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को खंड स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष में व्यवस्था हेतु दायित्व सौंपा गया है। पुलिस विभाग के अनुविभागीय अधिकारी संजय ध्रुव को दुकाने बन्द करवाने और आवागमन प्रतिबंधित करने दायित्व सौंपा गया है। आरटीओ निरीक्षक जितेंद्र भूषण एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री संध्या वर्मा को पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया गया है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी निर्भय साहू संबंधित क्षेत्र के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। उपरोक्त समस्त अधिकारी-कर्मचारी आपस में समन्यव बनाकर समस्त दायित्वों का निर्वहन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर उपरोक्त कार्यो हेतु अन्य स्थानीय अमलों की ड्यूटी लगाने हेतु अधिकृत होंगे।

तालाब पार की मिट्टी को खोदकर ट्रैक्टर में भरते मिथलेश ध्रुव पकड़ाया

भाटापारा। ग्राम पंचायत सुरखी में मनरेगा के तहत मुख्य तालाब का गहरीकरण किया गया था। जिसके तहत निकली मिट्टी से तालाब में पार बनाया गया था तालाब के पार की मिट्टी को खोदकर ट्रैक्टर में भरते हुए ग्रामवासी मिथलेश ध्रुव को पकड़ा गया है जिसकी लिखित शिकायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भाटापारा से सरपंच, सचिव, एवं पंच के द्वारा की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भाटापारा के द्वारा सरपंच, सचिव को मिथलेश ध्रुव के विरुध शासकीय सम्पत्ति का दुरुपयोग करने के सम्बंध में ग्राम पंचायत स्तर से एफ आई आर दर्ज कराने के लिए निर्देशित किया गया।

जिस पर सरपंच एवं पंच के द्वारा मिथलेश ध्रुव के विरुद्ध शासकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा ट्रैक्टर जब्त करने की लिखित शिकायत ग्रामीण थाना प्रभारी भाटापारा से की गई है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

e-Procurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 65504/निविदा सूचना क्रमांक 04/वलेलि/2020-21

बालोद, दिनांक 26.06.2020

निम्नलिखित कार्यों के लिए **दिनांक 13.07.2020** समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम : बालोद जिले के विकासखण्ड डौण्डी की अण्डीबहरा जलाशय के मुख्य नहर आर.डी. 0 मी. से 3240 मी. माईनर नहर आर.डी. 0 मी. से 2600 मी. तक रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य तथा 01 नग हेड रेग्युलेटर, 02 नग केनाल साईफन, 15 नग फाल, 01 नग फाल कम व्ही.आर.बी., 04 नग व्ही.आर.बी. का निर्माण कार्य एवं 30 नग कुलाबा फिक्सिंग का कार्य।

अनुमानित लागत :- रुपये 204.68 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक 03.07.2020 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः-निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार की उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बालोद
कृते मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी-81934/10

सवालों के घेरे में नए श्रम कानून

मूलभूत प्रश्न यह उठता है कि क्या कोरोना महामारी के परिणामस्वरूप राज्यों द्वारा लाए गए ये नए श्रम कानून कामगारों का भला सुनिश्चित करते हैं अथवा सिर्फ नियोक्ताओं के हितों का संरक्षण करते हैं?

रोबिन आर डेविड
(लेखक सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं)

वर्ष 1917 में जब अहमदाबाद शहर पर बबूनिक प्लेग कहर बनकर टूटा था, लगभग 10 प्रतिशत जनसंख्या काल कलवित हो गई थी। क्योंकि प्लेग का असर गांवों की तुलना में शहरों में ज्यादा गंभीर हुआ था, कपड़ा उद्योग में कार्यरत कर्मचारी सुरक्षा की दृष्टि से अपने गांवों में वापस जाना चाहते थे। भारी संख्या में पलायन को रोकने के लिए, मिल मालिकों ने 20 से 70 प्रतिशत तक के प्लेग बोनस अपने कर्मचारियों को दिए थे। हालांकि, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी महामारी के कारण कई गुना बढ़ गईं थीं। रोगाणु का प्रभाव समाप्त होने के बाद, नियोक्ताओं ने अपने श्रमजीवियों को प्लेग बोनस देना बंद कर दिया, जिन्होंने विरोध किया क्योंकि कीमतें तब भी ऊंची थीं। उन्होंने 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिए जाने की मांग की और हड़ताल कर दी। गतिरोध तोड़ने के लिए, अहमदाबाद के कलक्टर ने महात्मा गांधी को दखल देने तथा कर्मचारियों व नियोक्ताओं के बीच मध्यस्थता कार्यवहियों को आगे बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया।

गांधी जी की संलिप्तता के अंतर्गत साबरमती के किनारे एक बबूल के पेड़ के नीचे कर्मचारियों के साथ नियमित रूप से होने वाली बैठकें शामिल थीं। वो प्रतिदिन कर्मचारियों के बीच जागरूकता फैलाने एवं उन्हें शिक्षित करने के लिए एक प्रपत्र प्रकाशित करते थे। उनमें से एक प्रपत्र में आश्वस्त किया गया था कि, ''हम नियोक्ताओं का भला सुनिश्चित करने के साथ कर्मचारियों का भला भी सुरक्षित करना चाहते हैं।'' कर्मचारियों को 35 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिए जाने के उपरांत अहिंसक विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।

कोविड-19 संकट के संदर्भ में प्लेग फैलने की घटना से तीन प्रमुख बातें सीखी जा सकती हैं। नियोक्ताओं ने कर्मचारियों को लुभाने का काम किया तथा उन्हें प्लेग बोनस देकर गांवों को वापस जाने से हतोत्साहित करने का प्रयास किया। दूसरा, विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त करने के लिए प्रयास किए गए और अंततः, कर्मचारियों, नियोक्ताओं एवं सरकार को शामिल करके परामर्शकारी ढंग से गतिरोध का समाधान किया गया।

कोविड-19 के चलते नए कानून बनाए गए हैं। आज, महामारी के प्रसार एवं लाकडाउन पश्चात उपजी खराब आर्थिक दशाओं ने राज्यों को श्रम तथा आर्थिक क्षेत्रों में अध्यादेशों एवं कार्यकारी निर्देशों के माध्यम से विभिन्न उपाय करने के लिए प्रेरित किया है। राज्यों ने आर्थिक गतिविधियों को पुनः प्रारम्भ करने के लिए कारखाना अधिनियम, 1948 तथा औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के श्रम कानूनों के प्रयुक्तीकरण में राहत देने के लिए कई उपाय किए हैं।

राज्य सरकारें इस तथ्य के प्रति जागरूक हैं कि लाकडाउन के फलस्वरूप बिजनेसों की आय का क्षरण हुआ है तथा कर्मचारियों की आजीविकाओं को नुकसान पहुंचा है। 22 मई को, कर्नाटक ने कारखाना अधिनियम के सार्वजनिक आपात प्रावधानों को लागू करके काम के घंटों को बढ़ाकर 10 घंटे प्रतिदिन कर दिया। उत्तर प्रदेश ने श्रम कानून अध्यादेश, 2020 से उप्र अस्थायी रियायतें दीं जिनके तहत राज्य में सभी श्रम कानूनों के प्रयुक्तीकरण को स्थगित कर दिया गया। इसका एकमात्र अपवाद यह है कि सभी कर्मचारियों को न्यूनतम मजदूरी दी जाएगी, कार्य के अधिकतम घंटे 11 होंगे और प्रसार को प्रतिदिन 12 घंटे से आगे नहीं बढ़ने दिया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, बच्चों एवं महिलाओं के संरक्षण हेतु श्रम कानून लागू रहेंगे।

मध्य प्रदेश ने मप्र श्रम कानून संशोधन अध्यादेश, 2020 जारी किया, जो 1,000 दिनों की योजना है तथा गुजरात ने बिजनेस के पुनरुत्थान हेतु 1,200 दिनों की योजना निर्धारित की है। मप्र, गुजरात तथा अन्य राज्यों ने कारखाना अधिनियम, 1948, संविदा विनियमन कानून, 1970 तथा औद्योगिक विवाद कानून, 1948 समेत, श्रम कानून के प्रयुक्तीकरण में राहत दी है। ये नए कानून काम के घंटों को 48 प्रति सप्ताह से 60 और 72 प्रति सप्ताह तक बढ़ाते हैं, कारखानों द्वारा अनुपालन को घटाते हैं एवं 300 से कम कर्मचारियों वाले उद्योगों को पूर्व अनुमति के बगैर निरस्त करने अथवा बंद करने की घोषणा करने का अधिकार देते हैं। नए कानूनों में से कुछ छंटनी से पूर्व पूर्ववर्ती अनिवार्य समझौता प्रक्रिया को स्थगित करते हैं। गुजरात ने घोषणा की है कि ओवरटाइम मजूदरी नहीं दी जाएगी तथा वर्तमान के अनुपात में केवल वेतन दिया जाएगा। अभी तक, उप्र, मप्र, हिमाचल, राजस्थान, कर्नाटक, पंजाब, त्रिपुरा, उत्तराखंड, हरियाणा, असम और गोवा ने अस्थायी रूप से अपने श्रम कानूनों में संशोधन किए हैं। यद्यपि ये नए कानून अस्थायी प्रकृति के हैं, मूलभूत प्रश्न यह है कि ये नए श्रम कानून कामगारों का भला सुनिश्चित करते हैं अथवा सिर्फ नियोक्ताओं के हितों का संरक्षण करते हैं?

संविधान के भाग-4 में निर्दिष्ट राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में कहा गया है कि कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं क्षमता को दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए तथा नागरिकों को आर्थिक अनिवार्यता के चलते उनकी आयु तथा शारीरिक क्षमता के विपरीत व्यवसाय को अपनाने पर बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। आगे, राज्य अपनी आर्थिक क्षमता अथवा विकास की सीमाओं के भीतर, कार्य के अधिकार का सुरक्षित करने, बेरोजगारी, विकलांगता एवं अन्य के मामले में सार्वजनिक सहायता देने हेतु प्रभावी प्रावधान बनाएगा। कुल मिलाकर, भारतीय श्रम कानून सामाजिक विधानों के लाभदायक अंश हैं।

भारत की अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताएं भी हैं। भारत 1919 से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का सदस्य रहा है। आईएलओ के अंतरराष्ट्रीय श्रम मानक कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा मानव-केंद्रित सुधार पर बल देते हैं जो टिकाऊ हो। रोजगार तथा शांति एवं प्रतिरोध के लिए गरिमापूर्ण कार्य संस्तुति, जिसे भारत समेत कई देशों ने अपनाया है, जोर देते हैं कि संकट में प्रतिक्रियाओं को सभी मानवाधिकारों एवं विधि के शासन का सम्मान करना चाहिए, जिनमें सिद्धांतों तथा कार्य के स्तर पर अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित शामिल है। आईएलएस दक्षतापूर्ण त्रिपक्षीय परामर्श सुनिश्चित करने तथा प्रभावी समाधानों पर आम सहमति तक पहुंचने के लिए प्रक्रियाओं तथा व्यवस्थाओं में संलिप्तता के महत्व को मान्यता देता है। सामाजिक वार्ता के द्वारा विश्वास का माहौल बनाया जा सकता है तथा केविड-19 के प्रभाव को संबोधित करने के लिए त्रिपक्षीयता अनिवार्य होगी।

2011 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने मानवाधिकारों एवं मूलभूत स्वतंत्रताओं, बिजनेस उपक्रमों द्वारा मानवाधिकारों के सम्मान की आवश्यकता एवं मानवाधिकारों पर बिजनेस संबंधी नकारात्मक प्रभावों अथवा दुरुपयोग से प्रभावित लोगों के लिए प्रभावी उपचार पर बल देते हुए इनके प्रति राज्य की आबद्धाताओं को मानकर बिजनेस एवं मानवाधिकारों पर दिशा निदेशक सिद्धांतों का समर्थन किया था। यूएनजीपी बिजनेस तथा मानवाधिकारों के लिए प्राधिकृत वैश्विक मानक बन गया है। प्रधानमंत्री के अनुसार, ''जिम्मेदारी से परिपूर्ण बिजनेस आचरण एक वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त अवधारणा है जो इस विचार की नींव पर बनी है कि बिजनेस बेहतर निष्पादन तभी कर सकते हैं जब उस समाज को ऊर्जावान बनाने में लिप्त हों जिससे वे उत्पादन हेतु संसाधन प्राप्त करते हैं।''

जिम्मेदार बिजनेस आचरण, 2018 पर राष्ट्रीय दिशा निर्देश टिकाऊ विकास लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता के अंतर्गत कारपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा निर्धारित किए गए थे। यूएनजीपी वह साधन है जो बिजनेसों को अपने मुनाफे अधिकतम करने का प्रयास करते हुए व्यापक विकास लक्ष्यों में योगदान करने के लिए प्रेरित करता है। इन दिशा निर्देशों में यह माना जाता है कि बिजनेस समाज के अविभाज्य अंग हैं और यह कि वे स्वयं को जवाबदेह बनाएंगे। ये दिशा निर्देश किसी भी प्रकार के भेदभाव के बगैर विविधता को बढ़ावा देने वाले मार्गों पर चलते हुए समता, गरिमा एवं बेहतरी, बिजनेस अथवा उसकी मूल्य श्रंखला में संलिप्त सभी कर्मचारियों के लिए गरिमापूर्ण कार्य के प्रावधानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सिद्धांतों में यह माना जाता है कि कर्मचारी की भलाई में उसके परिवार का कल्याण भी शामिल होता है।

दिशा निर्देश कमजोर एवं हाशियाकृत व्यक्तियों के संरक्षण के महत्व पर बल देते हैं, जो अपने अधिकारों को महसूस करने में असमर्थ थे अथवा विपरीत भौतिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, भौगोलिक अथवा स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों, अयोग्यता, जाति, नृजातीयता, धर्म अथवा राजनीतिक एवं धार्मिक विश्वासों के चलते अवसर प्राप्त करते हैं। बिजनेसों को इन दिशा निर्देशों के अंतर्गत बिजनेस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आगे, सूचीबद्ध इकाइयों द्वारा रिपोर्टिंग के अविभाज्य अंग के तौर पर सेबी, ने 500 सूचीबद्ध कम्पनियों को बिजनेस जिम्मेदारी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आदेशित किया है, जिनमें श्रम कानूनों के अंतर्गत अनुपालन की घोषणा शामिल है।

यद्यपि स्वास्थ्य संकट के कारण नए कानून बनकर सामने आए हैं, उनमें स्वास्थ्य तथा सुरक्षा मुद्दों की अनदेखी की गई है। इसके अलावा, आईएलएस और यूएनजीपी की केंद्र की प्रतिबद्धताओं एवं वादों के विपरीत उपेक्षा की गई है। कारखाना अधिनियम, 1948 को ही ले लीजिए, जिसमें उप्र, मप्र और कर्नाटक ने कारखाना कानून के प्रावधानों को हल्का करने के लिए धारा-5 पर भरोसा किया है, यह दावा करते हुए कि सार्वजनिक आपात की स्थिति आ गई है। इस कानून के अंतर्गत, सार्वजनिक आपातकाल एक गंभीर आपातकाल होता है जिसमें भारत अथवा उसके किसे भाग की सुरक्षा युद्ध, बाहरी आक्रमण अथवा आंतरिक व्यवधान के चलते खतरे में पड़ जाती है। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक के श्रम कानून संशोधनों को संबंधित उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश ने माना है कि कारखाना अधिनियम क्रियान्वयन में राहत देने के लिए कोई सार्वजनिक आपात की स्थिति नहीं है। 12 जून को, कर्नाटक ने उच्च न्यायालय को सूचना दी थी कि उसने अपनी उस अधिसूचना को वापस ले लिया है जिसके द्वारा कर्मचारियों के कार्य के घंटों को प्रशासित करने वाले कारखाना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों को स्थगित किया गया था।

जी-7 का विस्तार या अमेरिकी जाल!

आखिर डोनाल्ड ट्रंप भारत को जी-7 ग्रुप में क्यों करना चाहते है शामिल ?

कुमार रमेश
अपराधशास्त्री, विदेशी मामलों के जानकार एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर

1973 का वह दौर, जब विश्व में तेल की समस्या उत्पन्न हो गई थी, अमेरिका अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंदी सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध में था और भारत 1974 में स्माइलिंग बुद्धा के जरिए अपने पहले परमाणु परीक्षण की तैयारी कर रहा था। उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने तेल समस्या को लेकर सऊदी सुल्तान फैज़ल-बिन-अब्दुल अज़ीज़-अल-सौद को सत्ता से बेदखल करने की अपनी नीति से इतना डरा दिया कि वैश्विक तेल समस्या भी हल हो गई, अमेरिका ने सऊदी अरब की सुरक्षा का जिम्मा लेने के साथ ही उसे अपने गुट में भी शामिल कर लिया और सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस के व्यापार में सिर्फ डॉलर के इस्तेमाल ने 1974 में इसे दुनियां की सबसे मजबूत करेंसी बना दिया। इसी दौरान सबसे विकसित और औद्योगीकृत देशों यानी अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान ने एक ऐसे समूह की कल्पना की, जहां वे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच तैयार कर सकें। वह समूह था जी6, जिसकी पहली मीटिंग 1975 में फ्रांस के रैंबोइलेट शहर में हुई। तत्पश्चात 1976 में कनाडा को भी इसमें शामिल करके इसे जी7 बना दिया गया। अब यह एक ऐसा समूह बन गया जिसमें न सिर्फ दुनिया के बड़े औद्योगिक और विकसित देश शामिल थे बल्कि वे विश्व के सबसे बड़े निर्यातक, सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व रखने वाले, न्यूक्लियर एनर्जी के सबसे बड़े उत्पादक, संयुक्त राष्ट्र के सबसे बड़े दानदाता और वैश्विक जीडीपी में 45: का योगदान रखने वाले देश बन गए थे। अन्ततः एक ऐसा मोड़ भी आया, जब 1991 में सोवियत संघ के 15 टुकड़ों में टूटने के बाद शीत युद्ध खत्म हुआ, तब 1997 में रूस को इस समूह में शामिल करके इसे जी8 बना दिया गया।

दो दशकों बाद यूरोपियन यूनियन और नाटो में शामिल देशों को कमज़ोर करने के उद्देश्य ने रूस को इस समूह के आंखों की किरकिरी बना दिया, जिससे समूह में शामिल यूरोपीय देश उससे दूरी बनाने लगे। अन्ततः ये मौका भी रूस ने ही दिया, जब 2014 में उसने यूक्रेन के क्रीमिया प्रांत पर कब्ज़ा कर लिया, तब उसे समूह से बाहर करके फिर से इसे जी7 बना दिया गया। फिलहाल इस समूह में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, या यूं कहूं कि जब से डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने अमेरिका फर्स्ट की नीति से जी7 की आर्थिक वृद्धि रोक दी है। इसी का नजारा जून 2018 में कनाडा के क्यूबेक में हो रहे समिट में दिखा, जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ नाफ्टा को लेकर हुए मतभेदों पर ट्रंप बीच में ही समिट छोड़कर वापस आ गए। तत्पश्चात ऐसा ही कुछ 2019 में फ्रांस के बियारेट्ज़ शहर में हुए समिट में दिखा, जब जर्मनी और अमेरिका के बीच नाटो के रक्षा खर्च पर मतभेद पूरी तरह उभर कर आ गए और जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कुर्सी में बैठाकर समझाने वाली फोटो ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। आज स्थिति यह हो चुकी है कि जब 2020 में इस समूह की मीटिंग अमेरिका में होने जा रही है, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे आउटडेटेड करार देकर इसकी प्रासंगिकता पर ही सवाल उठा दिया है। लेकिन कुछ और भी बातें डोनाल्ड ट्रंप ने कही है, जिसपर अमल करके जी7 को फिर से जिंदा करने की योजना पर बल दिया जा सकता है। और वह है भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और रूस को इस समूह में जोड़कर इसका विस्तार करना।

जी7 के नजरिए से बात करें तो क्या भारत जैसे विकासशील देश को इस विकसित समूह में सदस्यता मिल सकती है? साथ ही क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास इतने अधिकार हैं कि वे अकेले ही भारत या किसी अन्य को इसका सदस्य बना सकें? हाल ही में यूरोपियन यूनियन के प्रवक्ता ने कहा था कि मेजबान होने के नाते यकीनन डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित चारों देशों को निमंत्रण दे सकते हैं लेकिन सदस्यता देने का अधिकार अकेले अमेरिकी राष्ट्रपति के पास नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप भारत को इसमें क्यों शामिल करना चाहते हैं,जबकि हम तो ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया की तरह पूर्ण विकसित और औद्योगिकृत देश भी नहीं हैं। इसका सबसे प्रमुख कारण है जी7 की गिरती लोकप्रियता और चीन, भारत एवं ब्राजील जैसे विकसित लेकिन विकासशील देशों का आर्थिक जगत में उभार। आज परिणाम यह है कि वैश्विक जीडीपी में जी7 का शेयर घटकर 40त्न जबकि चीन, भारत और ब्राजील की वजह से जी20 का शेयर बढ़कर 80त्न पहुंच चुका है। इसलिए ट्रंप प्रशासन ने ऐसी योजना बनाई है, जिससे सांप भी मरे और लाठी भी मजबूत हो जाए। कोरोनावायरस और व्यापार युद्ध के कारण ट्रंप चीन को इस समूह से दूर रखकर दंड देना चाहते हैं जबकि भारत को शामिल कर अपने गुट में नजदीक लाने के साथ विकासशील देशों की सूची से हटाना चाहते हैं, क्योंकि इस सूची में रहने के कारण भारत और चीन दोनों को विश्व व्यापार संगठन से अनेकों छूट मिलती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार भारत को टैरिफ किंग कह चुके हैं जिसका परिणाम यह हुआ कि उन्होंने पहले जीएसपी फिर नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत आने से पहले यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव से भारत को विकासशील देशों की सूची से बाहर कर दिया। ट्रंप कहते हैं कि वैश्विक जीडीपी में भारत का व्यापार 0.5त्न से ज्यादा है, साथ ही जी20 जैसे आर्थिक समूह का सदस्य भी, तो वह विकासशील कैसे है? हालांकि ट्रंप के बर्ताव से निकटतम सहयोगी कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको और यूरोपियन यूनियन भी नहीं बच पाए हैं। फिलहाल जी7 एक राजनीतिक समूह बनकर रह गया है, इसलिए ट्रंप अपने राजनीतिक करियर को बचाने और खुद को एक मजबूत नेता दिखाने के लिए एशिया की सभी शक्तियों को अपने करीब लेकर चीन को रोकना चाहते हैं। इसमें रूस को शामिल करने का मकसद भी बस इतना ही है कि चीन को दबाव में लाने के दौरान रूस अमेरिका का विरोध ना करें।

भारत के संदर्भ में बात करें तो 2021 में ब्रिटेन में होने वाले समिट में इसके विस्तार को अंतिम रूप दे दिया जाएगा, और वर्तमान चीन की आक्रामकता देखकर निश्चित ही सभी देश इसे ज्वॉइन भी कर लेंगे, लेकिन रूस के फिर से शामिल होने पर संशय बरकरार है क्योंकि ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी ने खुलकर इसपर विरोध जताया है। बहरहाल, जी7 से जुड़ना भारत के लिए फायदेमंद और नुकसानदेह दोनों हैं फायदेमंद इसलिए क्योंकि इस एलीट क्लब में जुड़ने से विश्व बिरादरी में भारत की साख बढ़ने के साथ ही इकोनॉमिक अपुर्च्यूनिटी मिलेगी। इसके अलावा जी20 को छोड़कर भारत के पास कोई भी बड़ा मंच नहीं है जिसमें वह अधिकतर वैश्विक नेताओं से मिल सके। जबकि नुकसानदेह इसलिए क्योंकि इसमें शामिल होने के बाद हमें उन मुद्दों पर भी अपनी राय रखनी पड़ेगी जिसपर अबतक भारत सामान्यतः तटस्थ रहते आया है। चाहे वह रूस का क्रीमिया हो, चीन का तिब्बत हो, हांगकांग या ताइवान, क्योंकि संयुक्त घोषणापत्र से जो भी निर्णय निकलकर आएगा, उसे ही भारत का स्टैंड भी माना जाएगा। दूसरे नजरिए से देखें तो भारत अभी चीन और रूस के साथ ब्रिक्स, एससीओ, जी20 के अलावा आरआईसी में सहभागिता करता है इसलिए इसमें जुड़ने के बाद तीनों महाशक्तियों को एकसाथ बैलेंस कर पाना भारत के लिए आसान नहीं होगा। सबसे बड़ा नुकसान यह होगा, कि इसमें कभी हमारे मामलों पर भी चर्चा की जा सकती है, फिर चाहे वह अल्पसंख्यकों के मुद्दे हों, कश्मीर या मानवाधिकारों के बारे में। अंत में अगर भारत को सिर्फ राजनीति करनी है तो संयुक्त राष्ट्र का मंच ही सबसे अच्छा है और आर्थिक नजरिए से कार्य करना है तो जी20 सबसे अच्छा रहेगा। लेकिन भारत वैश्विक साख बढ़ाने के साथ अगर तीनों वैश्विक शक्तियों में तालमेल बैठा लेगा तो यकीनन भारत को इस समूह में जुड़ना फायदेमंद होगा। इसलिए हमें यह देखना पड़ेगा कि भारत कैसे डोनाल्ड ट्रंप के जाल से बचते हुए जी7 से जुड़कर अपने हितों को अवसर में बदल पायेगा।

बिजली विभाग के संभागीय अभियंता ने कहा देखता हूं और तीन घंटे तक बिजली बंद रहा

छह घंटे तक बिजली बंद रहने से लोग पानी के लिए भटके

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जिला मुख्यालय होने के बाद भी शहर के वार्ड नंबर 20 के पुरोहित मुहल्ला एक ऐसा मुहल्ला है जो जिला मुख्यालय में होने के बाद भी यहां रहवासियों को बिजली विभाग के मनमानी और लापरवाही के परिणाम स्वरूप अबूझमाड़ गांव जैसे स्थितियों के दौर से गुजरना पड़ता है जहां पर आए दिन विद्युत विभाग की मनमानी और लापरवाही के कारण यहां के रहवासियों को बिजली बंद होने से भारी परेशानी का सामना आए दिन करना पड़ता है लोगों की परेशानी उस समय और बढ़ जाता है जब एक तरफ गर्मी की परेशानी और ऊपर से ऐन समय पर नल खुलने के समय लाइट बंद हो जाने से यहां के लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है जबकि इस संबंध में समय-समय पर यहां के विद्युत विभाग के संभागीय अभियंता को जानकारी दिया जाता रहा है उसके बाद भी इस मोहल्ले के विद्युत

व्यवस्था सुधार के मामले में विद्युत विभाग के अधिकारी पूर्णता लापरवाही बरते हैं

ऐसी हालात से शुक्रवार को सुबह 5 बजे से लेकर छह घंटे तक 11बजे तक के पुरोहित मोहल्ला के रहवासियों को सामना करना पड़ा

शुक्रवार 26 जून को सुबह करीब 5 बजे वार्ड नंबर 20 के पुरोहित मोहल्ला के लाइट बंद हो गई इसके बाद से लेकर लोगों ने समय-समय पर मोबाइल के माध्यम से तथा वहां पर शिकायत कक्ष में जाकर भी लोगों ने विद्युत बंद होने की जानकारी देते रहे इस बीच सुबह करीब 8ः15 बिजली विभाग के संभागीय अभियंता को भी इस संबंध में मोबाइल से जानकारी दिया गया तो उन्होंने कहा कि मैं इस मामले को देखता हूं उसके बाद भी 3 घंटे तक और लाइट बंद रही इस तरह कुल 6 घंटे तक पुरोहित मोहल्ला का लाइट बंद रहा।

पानी के लिए मोहल्लेवासी हुए परेशान

बिजली बंद हो जाने से इस मोहल्ले के रहने वालों को पीने के पानी तक के नसीब नहीं हुआ क्योंकि इस मोहल्ले में सुबह करीब 7 बजे से नगरपालिका के द्वारा विद्युत पंप के माध्यम से यहां के लोगों को पेयजल प्रदान किया जाता है किंतु सुबह 5 बजे से लेकर11 बजे तक लाइट बंद होने के कारण इस मोहल्ला के रहने वालों को विद्युत बंद होने से विधुत मोटर पप से पेयजल नहीं मिल पाया जिसके कारण इस मुहल्ले के लोगों को पैदल चल कर दूसरे वालों अथवा पानी पैसे में खरीद कर व्यवस्था करना पड़ा।

कभी भी हो जाता है इस मोहल्ले की लाइट बंद

नगर पालिका के अध्यक्ष के वार्ड नंबर 20 में पुरोहित मोहल्ला भी शामिल है इसके बाद भी इस मोहल्ला में कभी भी लगातार इस मोहल्ले वासियों को विद्युत विभाग के द्वारा विद्युत प्रदाय नहीं किया जाता बल्कि आए दिन इस मोहल्ले की विद्युत प्रवाह बंद हो जाता है और बिजली बंद होने की जानकारी देने के बाद भी विद्युत विभाग के द्वारा इस मोहल्ले के लाइट को सुधारने में दो-तीन घंटा लगा ही देते हैं यह विगत 1 साल से यह स्थिति है जिसके बारे में तत्कालीन विद्युत विभाग के संभागीय अभियंता को भी अवगत कराया गया था किंतु यहां के अधिकारियों की मनमानी और लापरवाही के कारण इस मोहल्ले के विद्युत व्यवस्था को किसी ने भी नहीं सुधार पाया है बल्कि यहां की समस्या को जानकारी देने के बाद अधिकारी एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हैं यही स्थिति वर्तमान के भी अधिकारियों की बनी हुई है जिनको जानकारी देने के बाद भी 3 घंटे विद्युत आपूर्ति प्रारंभ करने| में लग जाता है विद्युत बंद होने के बारे में जानकारी लेने पर इस संबंध में कोई स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं दे पाते कि आखिर किस कारण से विद्युत बंद हो जाता है केवल विद्युत अधिकारियों के पास एक शब्द रहता है कि मैं देखता हूं इसके आगे इनके पास कोई जवाब नहीं होता।

किसानों को सम-सामयिक सलाह धान के 10 वर्ष की भीतर वाली किस्मों का उपयोग है फायदेमंद

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कृषि विभाग के अधिकारियों ने जिले के किसानों को अच्छी फसल के लिए समसामयिक सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में जिले के सभी विकासखण्डों में मानसून की दस्तक के साथ खेतों की तैयारी, धान फसल की बोनी व रोपाई का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष बेहतर वर्षा होने की संभावना जताई गयी है, जो कि जिले के वर्षा आश्रित क्षेत्रों में फसलों के अच्छे उत्पादन के लिए एक सुखद संकेत है। जिले के किसानों को उर्वरक एवं प्रमाणित उन्नत बीज की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी विकास खंडों की सेवा सहकारी समितियों में उर्वरकों एवं बीजों का पर्याप्त मात्रा का भण्डारण किया जा चुका है। किसानों द्वारा लगातार समितियों के माध्यम से बीजों का उठाव भी किया जा रहा है।

उन्नत बीज है तकनीकी खेती का आधार

उच्च गणवश्रा के प्रमाणित बीज जिसमें अच्छी गुणवश्रा, उच्च अंकुरण प्रतिशत एवं स्थानीय परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता वाले प्रतिरोधक बीजों के चयन से ही फसलों के विपुल उत्पादन की नीव रखी जा सकती है। वर्तमान में विभाग द्वारा जिले में किसानों की रूचि एवं क्षेत्र की परिस्थितियों के अनुकूल धान की अलग-अलग अवधि एवं उत्पादन क्षमता वाले 18 किस्मों के बीजों के साथ ही हाईब्रिड व सुगंधित बीजों का भण्डारण किया गया है। जसमें एमटीयू-1010, महामाया, बीपीटी-5204, पूर्णिमा, एमटीयू-1001, एमटीयू-7029 (स्वर्णा), आईआर-64, आईआर-64 (डीआरआर-42) बम्लेश्वरी, राजेश्वरी, पीकेवी-एचएमटी पूसा सुगंधित, महेश्वरी, एनडीआर-8002 कर्मा मासुरी, स्वर्णा सब-1, चन्द्रहासिनी, इन्द्राबारानी, आरवी-बीआईओ-26, सहभागी, हाईब्रिड किस्में शामिल हैं।

किसान भाईयों के लिए 10 वर्षो के अंदर के किस्मों का 6उपयोग है फायदेमंद

जिले में किसानों द्वारा धान की प्रचलित किस्में एमटीयू-1010, महामाया, जैसी किस्मों का उपयोग लम्बे समय से किया जाता रहा है। ये किस्में अच्छे उत्पादन के साथ ही स्थानीय जलवायु के अनुकूल होने के कारण किसानों के बीच लोकप्रिय है। परन्तु ये किस्में 10 वर्षो से अधिक अवधि वाले किस्मों के रूप में सूचीबद्ध है। शोध के अनुसार एक ही पारिस्थितिकीय में लम्बे समय से एक ही किस्मों के बीजों का उत्पादन किये जाने से उन किस्मों में अपनी ओज एवं गुण धर्मो के विपरीत प्रदर्शन करने की संभावना बढ़ जाती है। जिसके कारण फसलों में कीड़े एवं बीमारियों से अधिक प्रभावित होने के साथ ही उत्पादन में गिरावट देखी गई है।

किसान इन किस्मों के विकल्प के रूप में 10 वर्षो के अन्दर की किस्मों का उपयोग कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। जैसे महामाया के विकल्प के रूप में राजेश्वरी तथा एमटीयू-1010 के विकल्प के रूप में समलेश्वरी किस्मों का उपयोग किया जा सकता है।
उक्त दोनों किस्में असिंचित माध्यम तथा निचली भूमियों के साथ ही सिंचित क्षेत्रों के लिए भी सर्वोश्रम मानी जाती हैं।

गुलमोहर एवं अन्य पौधों से गुलजार होंगी भिलाई की सड़कें

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत आने वाले हाईवे रोड सड़क के किनारे वृक्षारोपण किया जा रहा है जिसके लिए आज सुपेला थाना के सामने सड़कों के किनारे महापौर एवं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकअजय यादव, आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी, तुलसी साहू, अरुण सिंह सिसोदिया, अतुल साहू एवं इरफान सहित अन्य ने रिक्त स्थल पर वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण पर 50 गुलमोहर के पौधे आज सड़कों के किनारे लगाए गए। नेहरू नगर चौक से लेकर डबरा पारा चौक तक सड़कों के किनारे

निगम के सीमा क्षेत्र तक वृक्षारोपण किया जाएगा, जिन दुकानों के सामने पौधे रोपित किए जाएंगे, उनके संचालक को इसकी सुरक्षा एवं सिंचाई की जिम्मेदारी भी दी जाएगी ताकि पौधों की उचित देखभाल हो सके! वृक्षारोपण की संपूर्ण तैयारी निगम के उद्यान विभाग द्वारा की जा रही है! पौधों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ट्री गार्ड की व्यवस्था की गई है! शहर के सौंदर्यीकरण एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण किया जा रहा है! शहर में हरियाली लाने निगम द्वारा प्रयास किया जा रहा है। डिवाइडर में लगे पौधे करेंगे आकर्षित शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए निगम क्षेत्र के डिवाइडर जिनमें पौधे लगाए जाने हैं गड्ढे तैयार किए जा रहे हैं, और डिवाइडर में पौधे लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है! सुपेला चौक से लेकर गदा चौक तक डिवाइडर में पौधे लगाए जा चुके हैं, पशु पौधों को अपना चारा न बना सके इसके लिए विशेष प्रजातियों का चयन किया जा रहा है।

एक कोरोनावारियर्स ने दूसरे कोरोनावारियर्स की जांच की

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

भिलाई निगम क्षेत्र में कोरोना वारियर्स के रूप में काम कर रहे 20 सफाई कर्मियों का आज कोरोना जांच के लिए सेंपल लिया गया। लॉकडाउन के दौरान वार्डों में लगातार सफाई कार्य में जुटे हुए कर्मियों पर किसी प्रकार का संक्रमण न फैले इसे देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आरटीपीसीआर के रेंडम जांच के लिए स्वेब का सेंपल कर जांच हेतु भेजा है। कोरोना वायरस के रोकथाम हेतु फील्ड में तैनात कर्मचारियों का रैन्डम जांच किया जा रहा है। आज भिलाई निगम के जोन 03 व जोन 04 के कर्मचारियों का नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण के जांच के लिए सैंपल लिए गए।

इस जांच में उन लोगों को लिया गया जो कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम हेतु आवश्यक सेवाओं में लगे हुए हैं जिनका रेंडम सैंपल लिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि कोरोना से लड़ने मास्क लगाना एवं सोशल डिस्टेंस का पालन करना ही बेहतर माध्यम है साथ ही बार बार हाथों की सफाई करते रहे ताकि वायरस को फैलने से रोका जा सके। कोरोना वायरस कम्युनिटी में न फैले इसके लिए जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम आज सुबह 11 बजे से निगम के जोन 03 व जोन 04 कार्यालय में कोरोना वायरस के जांच संबंधी सभी उपकरण के साथ पहुंचे। डॉ. हरिराम यदु, आयुष चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि डॉक्टरों की टीम 20 कर्मचारियों से आरटीपीसीआर जांच के लिए नाक और गले का स्वेब सेम्पल कलेक्शन किए। आज भिलाई निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में कार्यरत जिनकी उम्र लगभग 50 वर्ष के आस पास है उन लोगों का चयन कर एतिहातन के तौर पर सेम्पल लेकर जांच हेतु एम्स रायपुर भेजा गया।

प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के साथ युवक गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अवैध नशीली दवाइयों के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के मुताबिक शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि बाँसटाल रायपुर निवासी राहुल कुमार तोलवानी (19) पिता रमेश कुमार तोलवानी अपने वाहन एक्टिवा क्रमांक सीजी-04 -2753 में खाखी रंग के कार्टून के अंदर अवैध रूप से नशीली कैप्सूल को चन्दनडीह से कुम्हारी खारुन नदी के पुराने छोटे पुल के आसपास लोगों को यह नशीली कैप्सूल बेचने के लिए खड़ा है।

सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय यादव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) रोहित झा एवं नगर पुलिस

अधीक्षक विश्वास चंद्राकर के मार्ग निर्देशन पर कुम्हारी थाना प्रभारी आशीष यादव एवं स्टाफ द्वारा घेराबंदी कर आरोपी राहुल कुमार तोलवानी को एक कार्टून में रखे 60 बॉक्स प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल 8640 नग कीमत करीब 97680 रूपए तथा विक्रय किए कैप्सूल का नगदी 1520 रूपए जप्त कर आरोली के विरुद्ध थाना कुम्हारी में धारा 8/22 (ख), 27 (क) एनडीपीएस ऐक्ट कायम कर आरोपी विरुद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना पाए जाने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

रिसाली निगम के कंटेटनमेंट जोन और वाणिज्यिक क्षेत्रों का किया गया वृहद स्तर पर सेनेटाइजेशन

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के पहल पर एवं दुर्ग कलेक्टर सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे के आदेश के तहत तथा अपर कलेक्टर एवं निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर रिसाली निगम के स्वास्थ्य अमला द्वारा अपने वार्डों के कंटटेनमेंट जोन तथा वाणिज्यि क्षेत्रों का गत दो दिनों से वृहद स्तर पर सैनेटाइजेशन व कीटनाशक दवाई का छिड़काव किया जा रहा है।

निगम आयुक्त प्रकाशकुमार सर्वे के निर्देश पर रिसाली स्वास्थ्य अमला द्वारा प्रगतिनगर रोड, आजाद मार्केट रिसाली, कृष्णा टॉकीज रोड रिसाली तथा मैत्रीकुंज रोड के दुकानों के अलावा कंटेटेंमेंट जोन रिसाली सेक्टर, इस्पात नगर, रिसाली भाठा, मौहारी मरौदा, नेवई का संपूर्ण क्षेत्र व वार्डों के पीडीएस भवनों तथा नेवई स्थित छत्तीसगढ़ तकनीकि स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय का टेक्टर टैंकर एवं हैंड स्प्रे के माध्यम से वृहद स्तर पर सोडियम क्लोराइड दवाई का छिड़काव किया गया। सैनेटाइजेशन के साथ-साथ उल्लेखित क्षेत्रों के नालियों का सफाई कर ब्लिचिंग एवं कीटनाशक दवाई का भी व्यापकता के साथ छिड़काव किया गया है। उल्लेखनीय है कि देश में ऑनलाक की घोषणा के बीच अन्य राज्यों से प्रवासी श्रमिकों का लगातार आवाजाही तथा केन्द्र और राज्य शासन द्वारा कोरोना गाईडलाईन में शिथिलता देने तथा वाणिज्यिक क्षेत्रों में लोगों की बढ़ती आवाजाही से कोरोना पॉजेटिव मरीजों के मिलने का सिलसिला लगातार प्रदेश सहित जिले में जारी है। लोगों द्वारा शासन के गाईडलाईन का उल्लंघन करने के बीच गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के निर्देशानुसार और कलेक्टर दुर्ग भूरे के आदेश के तहत रिसाली निगम प्रशासन द्वारा संक्रमित वायरस के रोकथाम और नियंत्रण हेतु वे सभी उपायों को प्राथमिकता के साथ पूरा कर रही है जिससे कि लोगों को संक्रमित महामारी से बचाया जा सके। रिसाली निगम प्रशासन द्वारा तमाम एहतियात बरतने के अपील के बावजूद लोग शासन की गाईडलाईन और होमक्वारंटाईन का लगातार उल्लंघन करके रिसाली निगम प्रशासन की चिंता बढ़ा दिये है। इसके बावजूद निगम प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ लोगों को करोना के संक्रमण से बचाने में जी जान से लगा हुआ है।

बांस बल्ली से किए जा रहे अतिक्रमण को निगम की जेसीबी ने किया ध्वस्त

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में जुनवानी रोड पर सड़क किनारे अति मण करने वालों को हटाया गया। बिना कोई अनुमति गुमटी लगाने और बांस बल्ली से अवैध कब्जा पर निगम की टीम बेदखली की कार्यवाही की। निगम क्षेत्र में अवैध कब्जा या अति मण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने निर्देश दिए है। आदेश के परिपालन में जोन 01 नेहरू नगर की टीम आज शंकरचार्य कॉलेज के पास बिना अनुमति गुमटी लगाने वाले को हटाने तथा झोपड़ी बनाकर अवैध कब्जा करने वालों को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त किया गया, इस दौरान एक अति मणधारी ने तोड़फोड़ के नुकसान से बचने एक दिन के भीतर कब्जा हटाने लिखित में दिया। जोन 01 के एआरओ विनोद चंद्राकर ने बताया कि जुनवानी रोड में अवैध कब्जे की शिकायत मिली थी, जिस पर जोन 01 के आयुक्त सुनील अग्रहरि के अगुवाई में शंकराचार्य कॉलेज के पास राजस्व विभाग का अमला पहुंचा जहां कुछ लोगों के द्वारा मुख्य सड़क किनारे बांस बल्ली से झोपड़ीनुमा बनाया गया था।

जहां अस्थाई रूप से मोटर मैकेनिक व गैरेज का काम कर रहे थे जिसे जेसीबी से तोड़कर बेदखल किया गया। इसी स्थान पर 3 अन्य व्यक्ति यों द्वारा निगम से बिना कोई अनुमति लिए बगैर गुमटी लगाकर दुकान संचालन कर रहे थे जिनमें 2 गुमटी को तत्काल जेसीबी के माध्यम से हटाया और एक व्यक्ति तोड़फोड़ के नुकसान से बचने अवैध रूप से संचालित कर रहे गुमटी को हटाने लिखित में दिया अवैध रूप से झोपड़ी व गुमटी लगाकर व्यवसाय करने वालों को निगम की टीम ने समझाइश दिया कि दोबारा ऐसा करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। अवैध कब्जे से बेदखली की कार्यवाही के दौरान जोन 01 की राजस्व विभाग की टीम एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पुलिस नियंत्रण कक्ष सेक्टर 6 भिलाई में-वेबीनार आयोजित

लैंगिक समानता और नारी सशक्तिकरण पर विद्यार्थियों से चर्चा

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा पुलिस नियंत्रण कक्ष सेक्टर 6 भिलाई में टेकूप III के अनतर्गत वेबीनार का आयोजन किया इसमें लैंगिक समानता और नारी सशक्तिकरण पर विद्यार्थियों से चर्चा की गइ, प्रोफेसर एवं आन्तरिक महिला शिकायत समिति की अध्यक्ष डॉक्टर श्वेता चौबे की उपस्थिति में संपन्न इस बेबीनार के माध्यम से कॉलेज के करीब 200 से अधिक विद्यार्थी जुड़े,

दुर्ग पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी रोहित झा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर), प्रज्ञा मेश्राम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईयूसीएडब्ल्यू एवं श्री प्रवीर चंद्र तिवारी डीएसपी क्राइम अतिथि वक्ता के रूप में शामिल हुए, इस वेबीनार में विभिन महाविद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र शामिल हुए वेबिनार के आरम्भ में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर की प्राध्यापक डा. श्वेता चौबे ने अपने स्वागत भाषण में अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय के महत्त्व को प्रतिपादित किया और बताया कि लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तिकरण कि दिशा में बहुत सारे कार्य हुए हैं पर अभी भी बहुत कुछ होना बाकी है। उन्होंने कहा कि इस विषय में भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में जागरूकता है और स्त्री को बराबरी का दर्जा दिलाने हेतु प्रयास जारी है। डा चौबे ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपने 17 निर्धारित लक्ष्यों में इसे भी एक लक्ष्य के रूप में रखा है। समाज एवं शासन व्यवस्था में स्त्री शक्ति को उचित स्थान दिलाने एवं महिला सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर शासन एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

अतिथि वक्ता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) दुर्ग भिलाई रोहित झा ने अपने उद्बोधन में बताया की हमें अपनी मानसिकता में बदलाव लाने की आवश्यकता है आज लैंगिक असमानता एक सामाजिक दैत्य की तरह है इससे

निपटने के लिए हमें अपने घर से ही शुरुवात करनी होगी महिला सशक्तिकरण व समानता के अधिकार पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए इस दौरान अलग-अलग काल की घटनाओं की जानकारी दी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आईयूसीएडब्ल्यू) प्रज्ञा मेश्राम ने अपने व्याख्यान में महिला अधिकार एवं रक्षा के विषय में विस्तृत रूप से बताया की किस तरन महिलाप को समानता का अधिकार प्राप्त है साथ ही उन्होंने महिलाओ के साथ होने वाली घरेलु हिंसा मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, महिला एवं बच्चो के साथ होने वाली हिंसक घटनाओं एवं कार्यस्थल पर होने वाली उत्पीड़न की कानूनन जानकारी दी उन्होंने बताया की आज बहुत से एसे फोरम है जहाँ शिकायत की जा सकती है साथ ही बताया कि किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति में महिलाएं किस तरह से अपना अधिकार पा सकती हैं।

अतिथि वक्ता प्रवीर चंद्र तिवारी डीएसपी क्राइम ने अपने विचार को प्रकृति के साथ तुलनात्मक रूप से साझा करते हुए कहा की लैंगिक समानता जैसे विषय में मानसिक प्रदुषण को जिम्मेदार बताया है तमाम कानून होने के साथ प्रकृति स्वयं ही भेद भाव करने वालो का अंत कर देती है उन्होंने अधिकार के साथ कर्तव्यों के निर्वहान को भी प्रमुख बताते हए बया पक्षी का बेहद खुबसूरत उदाहरण प्रस्तुत किया, उन्होंने बताया समाज में पुरुषो एवं महिलाओ का एक ही स्तर है दोनों को ही अंपनी जिम्मेदारियो का निर्वहन करना चाहिए। शहर के साथ-साथ ग्रामीण परिवेश पर चर्चा करते हुए महिला सशक्तिकरण पर तुलनात्मक रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज देश मे तकनीक का काफी तेजी से विकास हुआ है खासकर मोबाइल का उसके चलते हैं कई तरह के अपराध और विकृतिया बढी है। अतिथि वक्ताओं के उद्बोधन के पश्चात् छात्र छात्राओं ने इस विषय पर अनेक प्रश्न जैसे - सभी महिलाओं के अधिकारों के बारे में बात करते है, क्यों पुरुषो के अधिकारों पर कोई ध्यान नही देता? लैंगिक समानता के बारे में लोगों की मानसिकता को कैसे बदल जा सकता है? लैंगिक असमानता को दूर करने वाले सरकारी योजनाये कौन कौन सी है? ट्रांसजेंडर के बारे में आपकी क्या राय है, उन्हें भी लैंगिक समानता की आवश्यकता है? छत्तीसगढ़ में अधिकांश महिलाएं पुरुषों की नशाखोरी की समस्या से प्रताड़ित है, आपकी राय में इसका समाधान क्या है? हमे लैंगिक असामनता सबसे पहले अपने घरों पर ही दिखाई पड़ती है, बच्चो को उसे कैसे सम्हालना चाहिए, पालको को लैंगिक असमानता को कैसे दूर करना चाहिए? आपके द्वारा पीछा करने के अपराध के बारे में जानकारी प्रदान की गई, इस विषय में मैं यह पूछना चाहूँगा, कि अगर कोई लड़की किसी लड़के का पीछा करें या छेड़छाड़ करें और वह लड़का इसकी शिकायत पुलिस से करें, तो क्या उस विषय में कोई कार्यवाही की जावेगी? महिलाओं के लिए कई कानून, एवं भारतीय संविधान में प्रावधान तथा महिला आयोग है, लेकिन पुरुषो के लिए कोई कानून एवं आयोग नही है, ऐसे में लैंगिक समानता कैसे हासिल की जा सकती है? कोई लड़की छेड़छाड़ या विकट परिस्थितियों में किस हद तक अपना बचाव कर सकती है? 2020 में महिला अब सबला हो चुकी है, तथा सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर को थर्ड जेंडर की नई पहचान दी है, इसे पूरा करने में पुलिस विभाग की क्या पहल है? महिला से छेड़छाड़ के झूठे आरोप के विरुद्ध क्या दंड है? इत्यादी, जिनका समाधान रोहित झा, श्रीमती प्रज्ञा मेश्राम एवं प्रवीर चंद्र तिवारी ने बखूबी किया। कार्यक्रम का सफल संचालन आशीष ठाकुर ने किया एवं कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अवनीश उपाध्याय ने किया, सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन आर एस परिहार, प्राचार्य शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ।

क्विक न्यूज

फ्रेंड्स कॉलोनी के व्यवसायी पर एफआईआर दर्ज

रायगढ़। परिवार के साथ हैदराबाद के शादी समारोह में शरीक हुए व्यापारी परिवार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोप है कि उन्होंने अपने इस यात्रा के बारे में तथ्य छुपाया और लोगों को संकट में डाल दिया। फ्रेंड्स कॉलोनी में दो लोगों में कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद कॉलोनी को सील कर दिया गया था। इसके बाद पूरे शहर में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि फ्रेंड्स कॉलोनी में रह रहे एक उद्योगपति व्यवसायी रूपानाधाम के डायरेक्टर का पूरा परिवार जिसमें लगभग 12 सदस्य शामिल हैं, हैदराबाद के एक शादी में शरीक हुए थे लेकिन उन्होंने स्थानीय प्रशासन को बताया कि सिर्फ तीन लोग उस शादी में गए थे। जब तीनों की जांच हुई तो उसमें दो लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ का निरीक्षण

अकलतरा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा में निर्देश दिए, मिली जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टर यशवंत कुमार के दिशा निर्देशन अनुसार पामगढ़ एस डी एम अनुपम तिवारी द्वारा अवचक निरक्षण किया गया. इस दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरभ यादव सहित विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. निरीक्षण में अस्पताल के सभी वार्डो का ड्रेसिंग रूम, डिलीवरी रूम, मेडिसिन स्टोर रूम, जन औषधि भंडार, स्थापना पैथॉलाजी एन आर सी एवं पैथोलॉजी एवं किचन सहित पूरे अस्पताल परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया।

हाथी की स्थिति में नहीं हो रहा सुधार

कोरबा। वन मंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज के कठराडेरा में बीमार अर्ध-व्यस्क हाथी का उपचार जारी है। वनविभाग एवं चिकित्सकों का दल इसे बेहतर उपचार देकर स्वास्थ्य को बेहतर करने की कोशिश में लगे हुए है। लेकिन हाथी की स्थिति में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हो पा रहा है, जिससे डॉक्टरों के साथ-साथ वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि 15 दिनों तक चले लगातार उपचार के बावजूद हाथी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सका है।

निधन

राजकुमारी मिश्रा

सक्ती। शक्ति शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं सेवानिवृत्त खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ डी.डी. मिश्रा की धर्मपत्नी एवं विकास मिश्रा तथा आकाश मिश्रा की पूज्य माताजी राजकुमारी मिश्रा का 28 जून 2020 दिन- रविवार को सुबह शक्ति से रायपुर सड़क मार्ग से जाते समय शिवरीनारायण के नजदीक आकस्मिक निधन हो गया है, जिनका अंतिम संस्कार 29 जून 2020 दिन-सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास में होगा।

बाघ तालाब की दुर्दशा देखकर रूष्ट हुए जिलाधीश

- **निगम आयुक्त को दिए सौंदर्यीकरण के निर्देश**
- **शहर के अन्य तालाबों की भी दशा सुधरने की जगी उम्मीद**

पायनियर संवाददाता ◂ रायगढ़.
www.dailypioneer.com

शनिवार सुबह शहर के वार्डों का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर भीम सिंह और निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय बाघ तालाब की दुर्दशा देखकर नाराज हुए। मौके पर जब उन्हें यह बताया गया कि 23 एकड़ के इस तालाब में एक समय यह क्लब था और आसपास के लोग यहां का पानी पीते थे यह सुनकर कलेक्टर बिफर पड़े और वहीं कहा कि यह शहर का सबसे बड़ा तालाब है और इसकी ऐसी दुर्गति हो रही है। अब फिर से तालाब का गौरव लौटेगा इसके लिए योजना तैयार करने के लिए निगम आयुक्त को कहा।

विदित हो कि 130 साल से अधिक करीब पुराने 23 एकड़ का बाघ तालाब चंद एकड़ में सिमटता जा रहा है। तालाब को जानबूझकर सुखाया जा रहा है। इसके पानी को पाइप और नाली के द्वारा नदी और नालों से निकाला जा रहा है। दो दशक से भी यह कार्य किया जा रहा है जिससे तालाब का रकबा कम हो। तालाब के करीब 60 फीसदी हिस्से में लोगों ने घर बना लिये हैं। तालाब के आसपास निर्माण को लेकर नगर निगम और उसके मालिक के बीच में हाई कोर्ट में 2004 से मामला अभी तक चल रहा है। जिस तालाब में किसी भी प्रकार के निर्माण पर स्टे लगा हुआ है फिर भी बीते 15 साल में तालाब में कब्जा लगातार हुआ। तालाब के पूर्वी छोर पर करीब 2.5 एकड़ में बाघ बगीची यानि बगीचा था लेकिन उसकी आड़ में 15 से अधिक एकड़ में तालाब पर कब्जा हो गया है। तालाब के पश्चिम छोर में राजा के भाई के जमीन थी लेकिन किनारे की जमीनों से शुरू हुआ अतिक्रमण का दायरा तालाब के बीचों बीच तक आ गया है। इन कब्जे वाले घरों में बाकायदा जल नल और बिजली कनेक्शन हैं। सवाल यह उठता है कि जब तालाब के स्वरुप को लेकर विवाद नहीं तो प्रशासन ने तालाब को बचाने के उपाय क्यों नहीं किये। उल्टा निगम ने तो रायगढ़ के 22 तालाबों की सूची से बाघ तालाब का नाम तक गायब कर दिया था।

हाट स्पाट बना चुका मुंगेली अब कोरोना से मुक्ति की ओर

पायनियर संवाददाता ◂ मुंगेली
www.dailypioneer.com

नोवेल कोरोना के संक्रमण के संबंध मे कुछ समय पहले तक हाट स्पाट बन चुके जिले के लिए अब राहत की आस जगी है , जहां कुछ समय पहले प्रतिदिन कोरोना एक्टिव मरीजों की जानकारी निकल रही थी जिसके चलते शासन स्तर पर भी चिंता की लकीरे साफ दिखाई दे रही थी। ऐसे समय मे जिला प्रशासन की पहल पर आम नागरिको और क्वारेंटाइन सेंटरो मे अस्थाई रूप से ठहरे हुए प्रवासी श्रमिको ने केंद्र शासन और राज्य सरकार तथा स्वास्थ्य विभाग के गाइड लाइन का पालन करते हुए अपने सुझ-बूझ का परिचय दिया। जिसके फलस्वरूप चिंहाकित 121 कोरोना पॉजीटिव मरीजो मे से अब तक 110 मरीज स्वस्थ होकर सकुशल अपने घर वापस जा चुके है। शेष 11 मरीजो का भी सफल उपचार किया जा रहा है। ये मरीज भी शीघ्र स्वस्थ होकर सकुशल अपने घर वापस पहुॅचेंगे। वर्तमान मे वैश्विक स्तर पर फैले कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु युद्ध स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। जिले मे संदिग्ध मरीजो का सेम्पल जांच हेतु प्रेषित किया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप जिले के विकास खण्ड मुंगेली के ग्राम रामपुर स्थित क्वारेंटाइन सेंटर मे अस्थाई रूप से ठहरे व्यक्ति मे प्रथम कोरोना पॉजीटिव की पहचान की गई थी। इसके बाद कोरोना पॉजीटिव मरीजो की संख्या मे लगातार बढोत्तरी होती गई और 22 जून को अंतिम दो कोरोना पॉजिटिव मरीज की पहचान की गई । इसे मिलाकर जिले मे 121 पॉजीटिव मरीज पाये गये। अखिल भारतीय आयुविज्ञान संस्थान रायपुर मे बेहतर ईलाज के बाद एक मरीज स्वस्थ होकर30 मई को वापस आएं। इसके बाद स्वस्थ होने का क्रम लगातार जारी है। अब तक कोरोना पॉजीटिव के 111 मरीज स्वस्थ हो गये है। शेष 11 मरीजो का भी सफल उपचार किया जा रहा है। ये मरीज भी शीघ्र स्वस्थ होकर सकुशल अपने घर पहुॅचेंगे।

इसी प्रकार देश के अंदर दूसरे प्रदेश, दूसरे जिले से पहुॅचे प्रवासी मजदूरों और अन्य व्यक्तियों की संख्या अब तक 37 हजार 279 है। 37 हजार 179 व्यक्तियो को क्वारेंटाइन किया गया। क्वारेंटाइन व्यक्तियो के लिए विभिन्न स्थानो पर 279 क्वारेंटाइन सेंटर बनाया गया है। क्वारेंटाइन सेंटरो से अब तक 34 हजार 179 व्यक्तियो को सकुशल उनके घर भेजा जा चुका है।

सारंगढ़ में मिले 6 और कोरोना मरीज

रायगढ़। जिले के सारंगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 6 और कोरोना पॉजिटीव मरीज मिले हैं। जिसमें से 2 छर्रा, 3 टिमरलगा व 1 पिण्डरी से मिले हैं। सभी क्वारंटाईन सेंटर से हैं जिनका रिपोर्ट पॉजिटीव आया है। सारंगढ़ तहसीलदार श्री शतरंज ने इस बात की पुष्टि की है।

भाजपा की राज्य स्तरीय वर्चुअल रैली आयोजित

पायनियर संवाददाता ◂ सक्ती
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश की वर्चुअल रैली 28 जून को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित हुई, जिसमें जांजगीर-चांपा जिले के भी हजारों की संख्या में विभिन्न मंडलों के पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने इस रैली में शामिल होकर इस रैली के प्रमुख वक्ता मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान को सुना तथा जांजगीर-चांपा जिला भाजपा के मंडल स्तर पर राज्य स्तरीय वर्चुअल रैली को लेकर विभिन्न तैयारियां की गई थी तथा भाजपा जांजगीर-चांपा जिला अध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा के अनुसार 28 जून को सुबह 11.00 बजे से ही जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी के जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी पहुंचे, तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सभी ने इस वर्चुअल रैली में सहभागीता की तथा मंडल एवं बूथ स्तर पर भी लोग फेसबुक ट्विटर एवं यूट्यूब के माध्यम से इस वर्चुअल रैली में शामिल हुए तथा जांजगीर-चांपा जिले के 27 मंडलों में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने घर बैठे ही इस रैली में सहभागिता कि, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस रैली में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल से ही इस रैली को संबोधित किया।

निर्माण कार्यो की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की समझौता नहीं

पायनियर संवाददाता ◂ मुंगेली
www.dailypioneer.com

कलेक्टर पी.एस.एल्मा ने अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज विकास खण्ड लोरमी के ग्राम बंधवा पहुॅचे और वहां लोक निर्माण विभाग द्वारा 15 करोड़ रूपये की लागत से निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय का औंचक निरीक्षण किया। उन्होने अपने भ्रमण के दौरान निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय के संबंध मे एक-एक बिन्दुओ की जानकारी प्राप्त की। उन्होने कहा कि जिले मे लोगो की विकास और समृधि के लिए निर्माण एजेंसियो द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य किये जा रहे है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता मे किसी भी प्रकार की समझौता नही की जाएगी। इस अवसर उन्होंने सख्त लहजे में निर्माण एजेंसी को निर्धारित गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य को निर्धारित अवधि मे पूरा करने के निर्देश दिये। तत्पश्चात् कलेक्टर एल्मा ने ग्राम बंधवा मे ही संचालित मल्टी यूटिलिटि सेंटर का अवलोकन किया और मल्टी यूटिलिटि सेंटर मे कार्यरत् स्वसहायता समूहो की महिलाओ से उनके लाभ सहित उनके अन्य कामकाजो के संबंध मे जानकारी प्राप्त की और मल्टी यूटिलिटि सेंटर को और अधिक लाभदायक बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

मालखरौदा बीएमओ पर कार्यवाही के लिए शिवसेना ने कलेक्टर सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ◂ अकलतरा
www.dailypioneer.com

शिवसेना जिलाध्यक्ष ठा.ओंकार सिंह गहलौत के नेतृत्व में शिवसैनिकों ने कलेक्टर जांजगीर चाम्पा को टी.एस.सिंहदेव स्वास्थ्य मंत्री एवं प्रभारी मंत्री जांजगीर चाम्पा, छत्तीसगढ़ शासन रायपुर के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि मालखरौदा शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ग्राम पंचायत भडोरा के आश्रित ग्राम जोगीडीपा निवासी कोमल प्रसाद मनहर ने अपनी पत्नी श्रीमती अंजू मनहर जो गर्भवती थी, को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालखरौदा पहुंचा। जहां ईलाज के एवज में डांक्टर बीएमओ मैडम कत्यायनी सिंह ने पीड़ित परिवार से 10 हजार रूपये की मांग किया। जबकि शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क इलाज शासन द्वारा किया जाता है। पीड़ित पक्ष ईलाज कराने के लिए विवश होकर मजबूरीवश 3 हजार रुपये नगद दिया, तब गर्भवती महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया। रात्रि बितने के बाद सुबह मृत बच्चा पैदा हुआ। ईलाज कुछ दिन चला उसके बाद पीड़ित परिवार ने डिस्चार्ज करवाने के लिए फिर से जैसे तैसे मजबुरी वश किसी तरह 6 हजार रूपये डां.मैडम को दिये। पीड़ित पक्ष ने डा.कत्यायनी सिंह बीएमओ मालखरौदा को कुल 9 हजार रूपये दिए। इसके बावजूद मैडम ने डिस्चार्ज करने में आनाकानी किया। जिससे क्षेत्र में मालखरौदा डाक्टरों की कार्यशैली आम जनता को सोंचने में विवश कर रही है, जो जिले तक पहुंच कर चर्चा का विषय बना हुआ है। शिवसेना सभी डांक्टरों का सम्मान करती है, और हमेशा करती रहेगी। परंतु ऐसे डांक्टर जो अपने कर्तव्यों में घोर लापरवाही करती हो, कि शिवसेना कडी निंदा करती है। इस विषय को गंभीरता पूर्वक लेते हुए शिवसैनिकों ने जिलाध्यक्ष ठा.ओंकार सिंह गहलौत के नेतृत्व में कलेक्टर महोदय को प्रभारी मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर शासन के योजना में लापरवाही करने वाले डाक्टर कत्यायनी सिंह बीएमओ मालखरौदा के खिलाफ उचित कार्यवाही करने हेतु ज्ञापन सौंपा है।

यूथ इंडिया क्लब ने मधुमेह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

पायनियर संवाददाता ◂ अकलतरा
www.dailypioneer.com

मधुमेह जागृति दिवस के अवसर पर यूथ इंडिया क्लब अकलतरा के तत्वाधान में मधुमेह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये वार्ड नं. 03 जयहिन्द नगर अकलतरा में किया गया ।

क्लब अध्यक्ष मन्नू थवाईत ने बताया कि - हमें अपने दिनचर्या में खान-पान एवं समय का विशेष रूप से ध्यान देते रहना चाहिए जिससे हमारे शरीर के विभिन्न अंगों का संचालन नियमित रूप से होता रहे , अपने ग्लूकोज स्तर को जांचे और भोजन से पहले यह 100 और भोजन के बाद 125 से ज्यादा है तो सतर्क हो जाएं , हर 3 महीने पर टेस्ट कराते रहें ताकि अपने शरीर में शुगर के वास्तविक स्तर का पता चलता रहें। वार्ड नं. 03 पार्षद सुनिता सिंह ने कहा - आजकल के इस भागदौड़ भरे युग में अनियमित जीवनशैली के चलते जो बिमारी सर्वाधिक लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही है, वह है मधुमेह, यह एक ऐसी बिमारी जिसे धीमी मौत भी कहते है जो एक बार किसी के शरीर को पकड़ ले तो उसे जीवन भर नहीं छोड़ती। अपनी जीवनशैली में बदलाव करें और शारीरिक श्रम करना शुरू करें।

लायनेस क्लब में शपथ ग्रहण समारोह

सक्ती। लायनेस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233-ष्ट सत्र 2020-21 की लायनेस क्लब सक्ती की शपथ ग्रहण का कार्यक्रम दिनांक 27/6/2020 दिन शानिवार को लायनेस अध्यक्ष श्रीमत्ती अनीता सिहं के निवास में सम्पन्न हुआ, पूर्व एरिया आफिसर लता नायक ने शपथ दिलाई। अध्यक्ष ला.अनीता सिहं ,सचिव ला.विजिया जायसवाल, कोषाध्यक्ष ला.अनीता राठौर के साथ-साथ 3 नये सदस्यो ला.जमुना जायसवाल ,ला.निकिहत करीम खान,ला.गोपी जायसवाल ने भी शपथ ली, इस अवसर पर सभी लायनेस सदस्य उपस्थिति रहे, क्लब अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी की गठन कर सदस्यो से मानवता की सेवा के लिये सदैव तत्पर रहने को कहा एवं अध्यक्ष ने विश्वास दिलाया की क्लब ने मुझे ये दायित्व दिया है उस पर क्लब की गतिविधियां में निरंतर क्रियाशील रहूँगी।

बड़े रबेली पंचायत में कार्य निर्माण एजेंसी पर कार्यवाही के लिए सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ◂ अकलतरा
www.dailypioneer.com

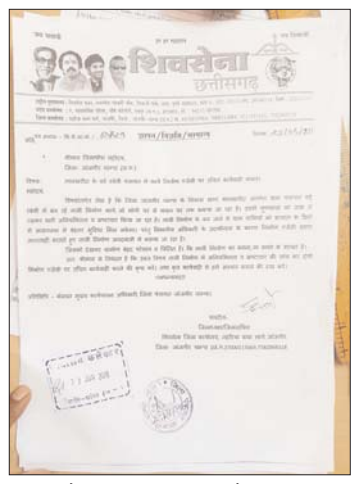

शिवसेना जिलाध्यक्ष ठा.ओंकार सिंह गहलौत के नेतृत्व में कलेक्टर महोदय व जिलापंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया है कि जिला जांजगीर चाम्पा के विकास खण्ड मालखरौदा अंतर्गत ग्राम पंचायत बडे रबेली में बन रहे नाली निर्माण कार्य, जो भोगी घर से लखन घर तक बनाया जा रहा है। उसमें गुणवत्ता को ताक में रखकर भारी अनियमितता व भ्रष्टाचार किया जा रहा है। नाली निर्माण के बन जाने से ग्राम वासियों को बरसात के दिनों में आवागमन में बेहतर सुविधा मिल सकेगा। परंतु विभागीय अधिकारी के उदाशीनता के कारण निर्माण एजेंसी द्वारा लापरवाही बरतते हुए नाली निर्माण जल्दबाजी में बनाया जा रहा है। जिसको देखकर ग्रामीण बेहद परेशान व चिंतित हैं। कि नाली निर्माण का बनना, ना बनने के बराबर है। जिसे लेकर शिवसैनिकों ने उक्त विषय नाली निर्माण में अनियमितता व भ्रष्टाचार की जांच कर दोषी निर्माण एजेंसी पर उचित कार्यवाही करने कलेक्टर व जिलापंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपा है।

आज शहर में होगी बड़ी संख्या में शादियां, विशेष सावधानी बरतने की जरूरत

पायनियर संवाददाता ◂ रायगढ़
www.dailypioneer.com

आगामी 30 जून को शादी का अंतिम मुहूर्त होने के कारण रायगढ़ शहर में बड़ी संख्या में शादी होने जा रही है। शहर के कई बड़े घरानों के यहां भी 30 जून को ही शादी होने जा रही है। जिसके के लिए कई बड़े होटल बुक हो चुके हैं। लेकिन फ्रेंड्स कॉलोनी में मिले कोरोना मरीज को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन काफी गंभीर है। खबर है कि शादी में 50 से अधिक लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। लेकिन होटल वाले वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने वालों की जानकारी जिला प्रशासन से छुपा रही है।

जिस ढंग से शहर के अलग अलग क्षेत्रों में कोरोना ने जिस ढंग से दस्तक दी है उससे संक्रमण का खतरा और बढ़ गया है। उससे बचने के लिए हमने जिस ढंग से लॉकडाउन के दौरान सावधानी बरती थी और नियमो का पालन किये थे वही सावधानी और नियमों का पालन हमें आगे भी करना होगा ताकि हम सुरक्षितत रह सकें। अगर हम संबंधों के आधार पर लोगों के शादी विवाह में शामिल होते हैं तो कहीं ना कहीं हम कोरोना संक्रमण को न्यौता देने के बराबर है। हम सावधान रहें हैं और मन में यह कसक नहीं रहे कि वे हमारा भाई है दोस्त है रिस्तेदार है। जिस परिवार में भी शादी हो उनसे यही सलाह है कि वे अपने एकदम नजदीकी से नजदीकी रिस्तेदार या घरेलू लोगों को बुलायें और अनावश्यक भीड़ इकट्ठा करने से उसके दूषपरिणाम नगर में सामने दिखाई दे रहे हैं। रायगढ़ की जनता ने जिस ढंग से पूरे लॉकडाउन के दौरान अपने अनुसाशन का सोशल डिस्टेंसिंग व नियमों का पालन किया जो छत्तीसगढ़ में अपने आप में एक मिशाल है। लेकिन पिछले 72 घंटों में छोटे छोटे केस सामने आ रहे हैं। और खास कर फ्रेंड्स कॉलोनी वाले केस के बाद पूरी सावधानी रखने की अधिक जरूरत है और खासकर अभी 30 जून तक शादी का सीजन चल रहा है।

- **होटलों व वैवाहिक घरों पर जिला प्रशासन की रहेगी कड़ी नजर**
- **नियमों की अनदेखी करने वालों पर होगी कार्रवाई**

पेज 1 के शेष...

भारत मित्रता निभाने जानता है ...

तो आंखों में आंखे मिलाकर देखना और उचित जवाब देना भी जानता है। अपने वीर सपूतों के परिवारों के मन में जो जज्बा है, उन पर देश को गर्व है। लद्दाख में हमारे जो वीर जवान शहीद हुए हैं, उनके शौर्य को पूरा देश नमन कर रहा है, श्रद्धांजलि दे रहा है। पूरा देश उनका कृतज्ञ है, उनके सामने नत-मस्तक है। इन साथियों के परिवारों की तरह ही, हर भारतीय, इन्हें खोने का दर्द भी अनुभव कर रहा है।

महाराष्ट्र में 30 जून के बाद ...

की। उद्धव ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि महाराष्ट्र में आने वाले वक्त में कोरोना के मरीज और बढ़ेंगे। उद्धव ने कहा कि शहर खुलने से लोग एक दूसरे से मिल रहे, इस कारण मरीजों की संख्या भी बढ़ रही, लेकिन इसे देखते हुए हमने टेस्टिंग की संख्या भी बढ़ाई है। उद्धव ठाकरे ने रविवार को अपने संबोधन के दौरान लॉकडाउन में और छूट देने के भी संकेत दिए। उद्धव ने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 30 जून तक लॉकडाउन की बात कही है। अब धीरे-धीरे हम सभी सुविधाओं को खोलने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल लॉकडाउन को खत्म नहीं किया जाएगा और ना ही चीजें साथ में खोली जाएंगी। हालांकि तमाम चीजों को धीरे-धीरे जरूर शुरू किया जाएगा। आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या बढ़ सकती है । ऐसी स्थितियों में जब हम धीरे-धीरे जब हम चीजें खोल रहे हैं तो लोग एक दूसरे के संपर्क में भी आ रहे है। इसलिए हमने टेस्ट की संख्या को भी बड़ा दिया है और खुद घर-घर जाकर लोगों के सैंपल इकट्ठा कराए जा रहे हैं। सभी इलाके सिर्फ इसलिए धीरे-धीरे शुरू किए जा रहे ताकि अर्थचक्र को फिर से गति दी जा सके।

उद्धव ठाकरे ने अनुरोध करते हुए कहा कि जो लोग कोरोना से ठीक होकर घर गए हैं, उनसे अपील है कि वह अपना प्लाजमा का दान करें ताकि कई लोगों को बचाया जा सके। उद्धव ने कहा कि महाराष्ट्र में अप्रैल के महीने से जिस प्लाजमा थेरेपी की शुरुआत की गई थी, उसके सार्थक परिणाम मिल रहे हैं। प्लाजमा थेरेपी के जरिए 10 में से 9 मरीजों को लाभ हुआ है। ऐसे में मरीजों के लिए प्लाजमा डोनर्स की जरूरत अब बढ़ गई है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री की ...

की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वो होम क्वारनटीन हैं, जरूरत पड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया जाएगा। आपको बता दें कि समर्थकों के बीच 'बापू' के नाम से मशहूर वाघेला 1996 में गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। कोरोना पाये जाने के बाद आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंकर सिंह वाघेला का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आने पर फ़ोन कर बात की। प्रधानमंत्री ने फोन पर शंकर सिंह वाघेला की तबीयत के बारे में सभी जानकारी ली। आपको बता दें कि गुजरात की राजनीति में बापू के नाम से मशहूर शंकर सिंह वाघेला 40 साल से ज्यादा समय तक सूबे की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। वाघेला बीजेपी से बगावत कर मुख्यमंत्री बने थे। उन्हें बीजेपी में नरेंद्र मोदी का राजनीतिक गुरू माना जाता था। बाद में वह राज्य में बीजेपी सरकार आने के बाद विपक्ष के नेता बने लेकिन फिर उन्होंने कांग्रेस भी छोड़ दी। 2017 में गुजरात विधानसभा चुनाव में बाघेला ने अलग दल बनाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। वाघेला ने 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ दी थी और 2019 में एनसीपी जॉइन की थी।

विन्धेश्वर शरण सिंह देव को अध्यक्ष बनाने 137 जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश में आयोग और मंडलों के अध्यक्ष में पद पाने हेतु लगातार सभी अपनी-अपनी एड़ी चोटी की जुगाड़ में लगा रहे है। वही प्रदेश के एक जिले से पूरा जिला एक व्यक्ति को आयोग मंडल में जगह दिलाने के लगा हुआ है। वे है सूरजपुर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष विन्धेश्वर शरण सिंह देव । प्रदेश में भाजपा से एकमात्र केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह के गृह जिला सूरजपुर से सभी कांग्रेसियों ने जिनमें वर्तमान विधायक और पूर्व विधायक के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य से लेकर पार्टी के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को जिले से विन्धेश्वर शरण सिंह देव को आयोग/ मंडल में अध्यक्ष बनाने हेतु 137 जनप्रतिनिधियों ने पत्र लिखा है।

क्या है इसके पीछे वजह

कभी यह जिला भाजपा के दबदबे वाला क्षेत्र था, जहां से राज्य में पूर्व महिला बाल विकास मंत्री रेणुका सिंह जो वर्तमान में केंद्रीय राज्य गृह मंत्री है। केंद्र में प्रदेश से एक मात्र नेता हैं जिन्हे मोदी सरकार में जगह मिली है लगातार कांग्रेस के खिलाफ मुखर रहती है। इस जिले में युवा नेता बिंदेश्वर शरण सिंह देव ने कांग्रेस में जान फूंक दी है। इनके जिला अध्यक्ष बनने के बाद लगातार भाजपा का पतन हुआ है। स्थिति यह आ गयी की केंद्रीय मंत्री होने के वावजूद जिला के समस्त जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर निकाय के अध्यक्ष, विधायक सभी कांग्रेस के है। जिला पूरी तरह से भाजपा मुक्त हो गया है। विन्धश्वर शरण सिंह के कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ता/जनप्रतिनिधि एवं पार्टी के सदस्य यह नहीं चाहते कि फिर से भाजपा का दबदबा यहां पर बरकरार हो. उन्होंने दो बार विधानसभा की टिकट पार्टी के कहने पर छोड़ दिया और दोनों बार उनके जिला अध्यक्ष के रहते कांग्रेस को विजय दिलाई है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर जिला में भाजपा को दबाए रखना है तो विन्धेश्वर शरण सिंह देव का राज्य में किसी न किसी पद पर बैठना अत्यंत जरूरी है। उनके पहले भी उनके पिता स्व. यूएस सिंहदेव अविभाजित सरगुजा के जिला अध्यक्ष रहे और सूरजपुर जिला बनने के बाद वही जिला अध्यक्ष थे, उसके बाद विन्धेश्वर शरण सिंह देव को जिला अध्यक्ष बनाया गया. उन्होंने अपनी सरल छवि और जमीन पर कार्य करके पार्टी को ऊपर स्तर पर लाए हैं जिसके कारण पूरा जिला उनको निगम-मंडल अध्यक्ष बनाने के लिए लगा हुआ है।

लघु फिल्म 'हास्यकवि पोटलीवाला' के माध्यम से कोविड-19 पर रोचक अभियान

अपनी सीरीज़ 'हास्यकवि पोटलीवाला' के माध्यम से थियेटर और फिल्म निर्देशक फिरोज़ अब्बास खान एक एनीमेशन चरित्र बनाना चाहते थे जो सभी के लिए सुलभ, सुंदर और मनोरंजक भी हो। अधिक जानकारी देती पायनियर संवाददाता साक्षी शर्मा की यह रिपोर्ट..

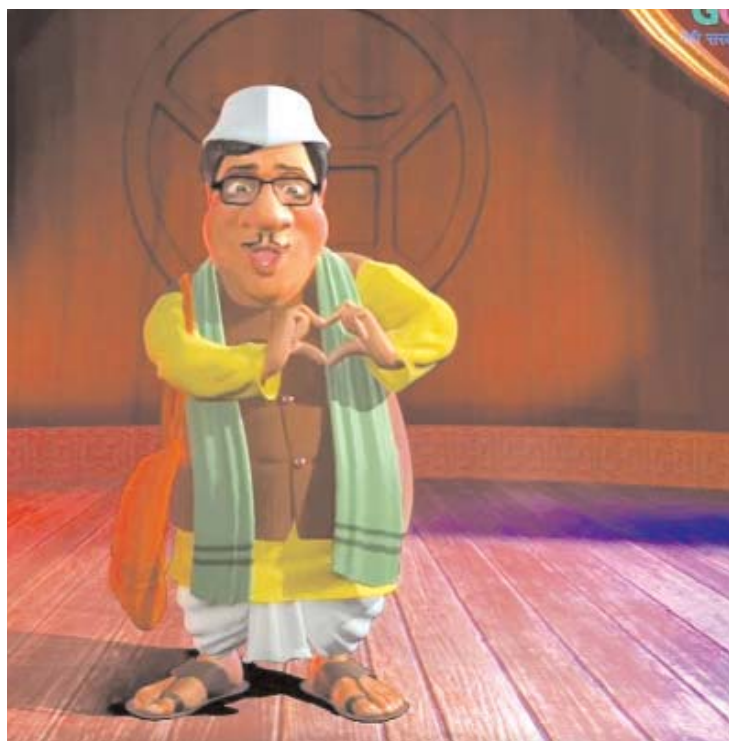

कल्पना कीजिये कि आप घर में बने पॉपकॉर्न, कॉफी के साथ परिवार सहित आराम से फिल्म 'हम साथ साथ हैं। तभी टेलीविज़न पर एक विज्ञापन में आपको दिन में तीन बार कम से कम दो मिनट तक हाथ धोने को कहा जाता है। तभी कुछ देर में आपके मोबाइल फोन में एक विज्ञापन में बताया जाता है कि इससे प्राप्त पूरी धनराशि कोविड राहत हेतु दान दी जाएगी। झुंझलाकर आप समाचार खोजने लगते हैं क्योंकि आपको पता ही नहीं है कि चारों ओर इसी तरह का वातावरण बना दिया गया है। इसी तरह के संदेश बार बार सुनकर ऊब चुके आप अब ऑनलाइन कॉमेडी की तलाश में जुट जाते हैं।

महामारी के इस माहौल में हर विज्ञापन, दैनिक धारावाहिकों तथा ऑनलाइन फिल्मों में भी हमें कोरोना वायरस से जागरूक रहने हेतु कहा जाता है तभी हम सुरक्षित भी रह सकेंगे। लेकिन ये भी सत्य है कि लोग अब इस दीर्घकालीन उदासी से मुक्ति चाहते हैं।

क्या आपको याद नहीं, जब पुराने दिनों में पपेट थियेटर, कार्टून और एनिमेटेड शोज़ के माध्यम से सरकार जनता को लैंगिक पूर्वाग्रहों, पर्यावरण, राजनीति, प्रदूषण और कई अन्य समस्याओं के प्रति जागरूक किया करती थी।

आज पपेट थियेटर तो नहीं हैं लेकिन अब विभिन्न विषयों पर बनने वाले मीम्स हैं जो यही काम करते हैं और लोगों की राय को एक निश्चित दिशा में मोड़ने का काम कर रहे हैं।

हास्य को प्रयोग यदि बुद्धिमानीपूर्वक किया जाए तो हम असमानता, अज्ञान और अन्याय के प्रति आवाज उठाकर जनता को जागरूक किया जाता हैं।

उदाहरण के लिए सैनेटरी पैनल का गठन, जिसके माध्यम से किसी भी समस्या को चार पैनलों में विश्लेषित किया जाता है। इसके अलावा ग्रीन ह्यूमर भी है जिसके माध्यम से पर्यावरण संबंधी चिंताओं को अभिव्यक्ति दी जाती है। 2014 में बनी नेटलिक्स पर बनी सिटकॉम कॉमेडी बोजैक हॉर्समैन के अंतर्गत अमेरिका में सेक्सिज़्म की समस्या के विरुद्ध आवाज उठाने का कार्य किया जाता है। इसके अंतर्गत अवसाद, गर्भपात तथा अन्य ऐसी ही समस्याओं के लिए अलग एपिसोड रखा जाता है जबकि साधारणतः इन समस्याओं को दबा दिया जाता है।

इसी प्रकार के एक आइडिये को पॉप्युलेशन फांउडेशन ऑफ इंडिया ने भी प्रयोग किया था जब उन्हें ऐसी संपर्क सामग्री तैयार करने का आदेश दिया गया था जो कोरोना से जुड़े कलंक और भ्रांतियों को लेकर स्पष्टता से जागरूकता का प्रसार कर सके। देश भर में इस प्रकार का एक अभियान चलाया गया था। भारत सरकार के साथ मिलकर उन्हें कोविड 19 के बारे में राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता के प्रसार कि लिए संचार सामग्री निर्धारति करने हेतु लगाया गया था।

पॉप्युलेशन फाउंडेशन के अधिशाषी निदेशक पूनम मुत्रेजा ने बताया, 'सोशल मीडिया पर सूचना की भरमार है और ऐसे में सच जानना बहुत कठिन है। हमनें सोचा कि ऐसे गंभीर संकटकाल में हमारे लिए सही सूचना हमें सशक्त बना सकती है, साथ ही यदि हास्य भी संभव हो तो ये सोने पर सुहागा समान होगा।'

इस अभियान के लिए उन्होंने महामारी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर लघु एनिमेशन फिल्मों की एक सीरीज़ बनाई है। इस सीरीज़ में एक कवि हैं जिनका नाम पोटलीवाला है जो कोविड से जुड़े विविध विषयों पर एक लघु कविता सुनाता है। इनमें जरूरी विषयों जैसे मास्क पहनना, सामाजिक दूरी बनाए रखना, सावधानियां रखना, कलंक और भेदभाव जैसे विषय भी हैं। इसमें मनोरंजक ढंग से महामारी के बारे में शिक्षित करने पर बल दिया गया है। सबसे पहले ये सप्ताह में दो बार सीरीज़ के रूप में दिखाया जाएगा। सीरीज़ का शीर्षक हास्यकवि पोटलीवाला है और इसे थियेटर तथा फिल्म निर्देशक फीरोज़ अब्बास खान द्वारा ही परिकल्पित तथा बनाया गया है।

प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के अंश जिसमें उन्होंने बताया है कि इस सीरीज़ को बनाने में उन्हें कौन कौन सी चुनौतियों का सामना करना पड़ा-

1 आपने इसकी परिकल्पना कैसे की?

फिल्म के माध्यम से संदेश प्रसारित करने का कार्य बहुत दुष्कर है विशेष रूप से तब जब कोरोना को लेकर पहले से ही कई लोग विभिन्न बातें कहना चाह रहे हैं। इंटरनेट पर भी हमें काफी सामग्री मिली थी जो गंभीरता से रची गई थी लेकिन संप्रेषण की कमी थी। यही कारण था कि मैंने एक एनिमेशन चरित्र बनाने की ठानी जो सुंदर और प्रभावी हो ताकि लोग उसके साथ तुरंत जुड़ने लगते हैं। जबकि पोटली वाला केवल 30 सेकेंड में ही कविता के माध्यम से एक सशक्त संदेश देने में सफल रहता है।

1 चूंकि ये सीरीज़ एक अभियान का हिस्सा है जिसमें विविन्न आयुवर्ग को लक्षित किया जाता है, आपने ऐसे में पारंपरिक प्रयास करने के स्थान पर एनिमेटेड सीरीज़ के माध्यम से ही सूचना प्रसार का निर्णय क्यों लिया?

लॉकडाउन के कारण किसी भी तरह की शूटिंग तो संभव नहीं थी। यही कारण था कि हम अभिनेताओ अभिनेत्रियों के साथ शूट नहीं कर सकते थे। यही कारण था कि हमें एनिमेशन का सहारा लेना पड़ा। लेकिन ये एक प्रकार से अच्छा ही रहा। इससे हमें अपनी सीमा से आगे जाते हुए अधिक सघनता से सोचना पड़ा। इसमें मुख्य चरित्र, एक वृद्ध व्यक्ति है, और इसके माध्यम से हम सभी आयुवर्गों से संपर्क करने में सफल रहे हैं।

1 सामाजिक समस्याओं के साथ हास्य को जोड़ने के बारे में आप क्या सोचते हैं। क्या इससे हमारी पहुंच को विस्तार मिलता है?

हमें कोरोना वायरस के बारे में इतनी बार बताया जाता है कि हममें एक प्रकार की उदासीनता आ जाती है। उधर लॉकडाउन ने भी लोगों के मूड और स्वभाव को प्रभावित किया है। ऐसे में हमें लगा कि लोगों को हंसाने के बाद उन्हें संदेश देने से ये और भी प्रभावी हो सकेगा।

1 चूंकि सीरीज़ में छोटी छोटी क्लिप्स हैं तो इतने सीमित समय में सशक्त संदेश देना कितना चुनौतीपूर्ण होता है?

डिजिटल संसार में जब समय कम होता है तो किसी भी लंबी अवधि की सामग्री को कूड़े में ही स्थान मिलता है। ऐसे में लघु और मनोरंजक संदेश अधिक प्रभावी साबित होते हैं और अधिक संख्या में लोग इसे देख पाते हैं। ये बहुत शीघ्र वायरल हो जाती है और हर कोई इसे साझा करना चाहता है। यही इसकी शक्ति है।

1 आपने बताया कि 'हम हास्य, कविता और पोटलीवाला के माध्यम से व्यवहारगत परिवर्तन लाना चाहते थे। इसके माध्यम से आप और क्या प्राप्त करना चाहते थे?

इसके साथ ही हम कोरोना से जुड़े कलंक को लेकर भी लोगों में सकारात्मक व्यवहारगत परिवर्तन लाना चाहते थे। डॉक्टर्स सहित हमारे स्वास्थ्य कर्मियों को भी कलंकित करने का प्रयास किया जा रहा था। ये किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। कोरोना रोगियों को बहिष्कृत कर दिया जाता है और ठीक हो चुके रोगियों का भी बहिष्कार किया जाता है। मेरा विचार है कि हम अपने प्रयास से इसमें भी परिवर्तन ला सकते हैं।

1 चूंकि आप मुख्यतः थियेटर निर्देशक हैं? क्या आपने ऐसे किस विषय पर पहले काम किया है? वो इससे कितना भिन्न था?

जी हां, ये थियेटर से काफी अलग था। लेकिन सच कहूं तो मैं इसमें परिणाम के बारे में सोचे बगैर कूद पड़ा था। मुझे इकबाल राज के रूप में अच्छे सहयोगी मिले इसके साथ ही सुप्रीत और तरुणा के नेतृत्व वाली एनिमेशन टीम ने डबलेक्स्टूडियो में अच्छा काम अंजाम दिया है।

(ये सीरीज माईगव्स कोविड-19 प्लेटफॉर्म पर लॉन्च की गई थी)

सुशांत के सपने किसी सीमा में बंधे नहीं थे

सुशांत ने शेरदिल की तरह उन्हें साकार करने की कोशिश की : परिवार

भाषा। पटना

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के परिवार ने उनकी विरासत को सम्मान देने और सिनेमा, विज्ञान तथा खेल के प्रति सुशांत के जुनून का जश्न मनाने का फैसला किया है।

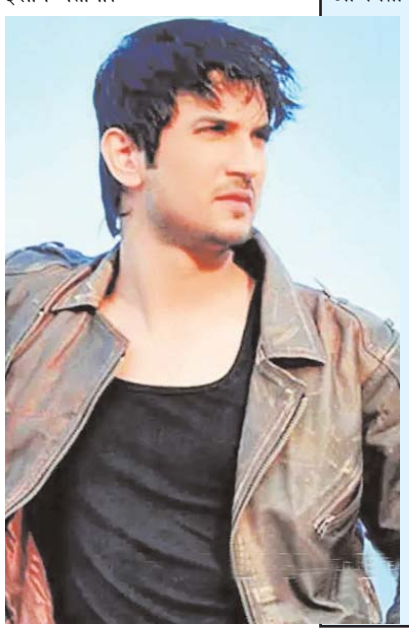

सुशांत के परिवार ने शनिवार को एक बेहद भावनात्मक बयान जारी किया और उन्हें एक आजाद ख्याल इंसान बताया।

पुलिस ने यशराज फिल्म्स की कास्टिंग निर्देशक से पूछताछ की

भाषा। मुंबई

***अभिनेता** सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में मुंबई पुलिस बांद्रा थाने में यशराज फिल्म्स के कास्टिंग निर्देशक से पूछताछ कर रही है। अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस यह जांच कर रही है कि कोई पेशेवर दुश्मनी तो नहीं थी जिसकी वजह से अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत अवसादग्रस्त हुए। उल्लेखनीय है कि 14 जून को सुशांत का शव ब्रांद्रा स्थित उनके आपर्टमेंट में फंदे से लटकता हुआ मिला था। पुलिस द्वारा समन भेजे जाने के बाद कास्टिंग निर्देशक शानू शर्मा शनिवार दोपहर को पुलिस थाने पहुंची। पुलिस उपायुक्त (जोन-9)अभिषेक त्रिमुखे ने बताया, शानू शर्मा यश राज फिल्म्स से बतौर कास्टिंग निर्देशक जुड़ी हुई हैं और उनसे बांद्रा पुलिस थाने में पूछताछ की जा रही है। अन्य अधिकारी ने बताया कि कुछ और फिल्म निर्माण घरानों के प्रतिनिधियों को भी अगले कुछ दिनों में पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि शर्मा बॉलीवुड की लोकप्रिय कास्टिंग निर्देशक हैं और उन्होंने ही रणवीर सिंह, अर्जुन कूपर, वानी कपूर की प्रतिभा की पहचान की और यशराज फिल्म्स में मौका दिया। शर्मा ने सुशांत सिंह राजूपत के साथ यशराज फिल्म्स की फिल्म शुद्ध देसी रोमांस और डिटेक्टिव व्योमकेश बख्शी में काम किया था। राजपूत की मौत के बाद यशराज फिल्म्स ने निर्माण घराने और उनके बीच हुए करार की प्रति पुलिस को मुहैया कराई थी। अधिकारी ने बताया कि अब तक 24 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं।*

बयान में कहा गया, वह आजाद ख्याल था, बातूनी और बेहद प्रतिभाशाली था। उसमें हर एक चीज़ को ले कर उत्सुकता थी। उसके सपने किसी सीमा में बंधे नहीं थे और उसने किसी शेरदिल की तरह अपने सपनों को साकार करने की कोशिश की। उसकी मुस्कान बहुत सहज थी। वह परिवार का गौरव और प्रेरणा था।

सुशांत के परिवार ने कहा कि उसके असमय चले जाने से उनकी जिंदगियों में ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। बयान में कहा गया, हमें अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि हमें अब उसकी हंसी सुनने को नहीं मिलेगी, हम उसकी चमकदार आंखें अब कभी नहीं देख पाएंगे। उसके निधन ने परिवार में कभी न भर सकने वाला खालीपन पैदा किया है।

अपने प्रियजन के जाने के सदमें से उबर रहे परिवार ने उनके दुख में शामिल होने के लिए लोगों का आभार जताया और कहा कि सुशांत अपने प्रशंसकों को बेहद प्यार करते थे।

परिवार ने सुशांत की याद में संशात सिंह राजपूत फाउंडेशन बनाने का निर्णय किया है जो सिनेमा, विज्ञान और खेल में दिलचस्पी रखने वाली युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का काम करेगा। पटना के राजीव नगर स्थित उनके मकान को एक स्मारक में तब्दील किया जाएगा जहां उनकी हजारों किताबों, टेलिस्कोप तथा अन्य सामानों को लोगों को देखने के लिए रखा जाएगा। परिवार सुशांत की याद में उनके सोशल मीडिया अकाउंट को भी चलाएगा।

काई पो चे , एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी और छिछोरे जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए जाने जाने वाले सुशांत (34) 14 जून को मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित अपने फ्लैट में मृत पाए गए थे।

रोचक और मार्मिक कहानी

चिंटू का बर्थडे

प्लेटफॉर्म : जी5
कलाकारः विनय पाठक, तिल्लोतमा शोम, सीमा पाहवा, विशा चतुर्वेदी, वेदांत छिब्बर
रेटिंगः 6/10

ऐसा कभी कभार ही होता है जब हमें कोई ऐसी फिल्म देखने को मिलती है जो एक 6 साल के ऐसे बच्चे के दृष्टिकोण पर आधारित हो जिसकी एकमात्र इच्छा अपना जन्मदिन मनाना हो, क्योंकि उसके कई जन्मदिन बिना मनाए ही बीत गए, वे 2004 की भीषण घटना के बाद के बगदाद में रहते हैं। फिल्म के लेखक-निर्देशक देवांशु कुमार और सत्यांशु सिंह को इस बात का पूरा श्रेय दिया जाना चाहिये कि उन्होंने अपनी कहानी के लिए एक छः साल के बच्चे की जन्मदिन मनाने की इच्छा को चुना जो वैसे भी हर बच्चे की इच्छा होती है। समाज की वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए ये कहानी मार्मिक बन पड़ी है। इसमें दिखाया गया है कि बच्चे वहां की परिस्थिति और अमेरिकी सैनिकों को देखकर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं जो वहां सद्दाम हुसैन से निबटने के लिए भेजे गए थे। बमबारी और अराजकता की इन्हीं परिस्थितियों के बीच चिंटू के पिता मदन (विनय पाठक) के रूप में एक आशा की किरण चमकती दिखती है जो हर बात में अच्छाई ढूंढ लेता है और सदा से ही सकारात्मक रहा है। बच्चे की इच्छा को पूरा करन के क्रम में वो जेल जाने का भी जोखिम उठाने को तत्पर रहता है।

पाठक का चरित्र प्रारंभ में सीधा सादा दिखाई देता है लेकिन उसमें भी एक संदेश निहित है कि यदि आप अपने बच्चे से किसी बात का वादा करते हैं तो आपको उसे पूरा करने का हर प्रयास करना ही चाहिये, फिर चाहे उसे करने के रास्ते में कोई भी अवरोध या कठिनाई क्यों न हो। चिंटू को आस थी कि उसका जन्म दिन सबसे अच्छे ढंग से मनाया जाएगा और केक भी सबसे स्वादिष्ट आने वाला है क्योंकि उसे उसके पिता ने तीसरी आंख से देखा था। ये देखकर किसी को भी अचरज होना स्वाभाविक है।

हिंदी फिल्मों में कम प्रस्ताव मिले : परमब्रता

भाषा। नई दिल्ली

बंगाली फिल्मों के जाने माने अभिनेता परमब्रता चट्टोपाध्याय का कहना है कि हो सकता है कि उन्होंने हिंदी सिनेमा में कुछ बड़े अवसरों को खोया हो लेकिन उन्हें मुंबई से बहुत कम फिल्मों में काम के प्रस्ताव मिले।

चट्टोपाध्याय 2012 में हिंदी फिल्म सुजॉय घोष की कहानी में नजर आए थे। इसके बाद वह गैंग्स ऑफ घोस्ट्स , यारा सिलीसिली और परी में नजर आए थे।

चट्टोपाध्याय हाल ही में बुलबुल में नजर आए थे जिसमें उन्होंने चिकित्सक की भूमिका निभाई है। बुलबुल का निर्माण अनुष्का और उनके भाई करनेश शर्मा की क्लीन स्लेट फिल्म्स ने किया है।

चट्टोपाध्याय ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, हिंदी की कम फिल्में करने के दो कारण हैं। मेरी कई प्राथमिकताएं हैं। मैं यहां फिल्मों का निर्माण करता हूं, अपनी कंपनी के लिए विषयवस्तु तैयार करता हूं और अभिनेता के तौर पर मेरे पास कई फिल्में हैं। और इन्हीं कारणों से मैं अपनी जड़ें छोड़ कर मुंबई में बस नहीं सका। उन्होंने कहा, हो सकता है कि मैंने बड़े अवसर गवां दिए हों लेकिन कई बार जानते बूझते तो कई बार मेरे लिए गए निर्णय के फलस्वरूप ऐसा हुआ। जो हिंदी फिल्में मैंने की हैं या जो मैं आगे करूंगा वे कम ही होंगी और उन्हीं निर्देशकों की होंगी जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं।

त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पादों से श्वेत, गोरे, हल्के जैसे शब्दों को हटाएगी लॉरियल

भाषा। नई दिल्ली

कृत्रिम सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली फ्रांस की कंपनी लोरियल ग्रुप ने शुक्रवार को कहा कि वह त्वचा के रखरखाव से संबंधित अपने उत्पादों से श्वेत, गोरे और हल्के जैसे शब्दों को हटाएगी।

यूनिलीवर ने भी एक दिन पहले इसी तरह की घोषणा की थी और कहा था कि वह अपने लोकप्रिय ब्रांड फेयर एंड लवली से फेयर शब्द को हटाएगी। नस्लीय रुढ़ियों के खिलाफ उठती आवाजों के बीच त्वचा के गोरेपन से संबंधित सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनियां दबाव में हैं। यह ऐसे समय में महत्वपूर्ण हो जाता है, जब अमेरिका से शुरू हुआ ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन कई देशों में फैल चुका है। कंपनी ने एक बयान में कहा, लॉरियल ग्रुप त्वचा का रंग बदलने वाले उत्पादों को लेकर उठ रही आपत्तियों को स्वीकार करती है। इसे लेकर कंपनी त्वचा संबंधी अपने सभी उत्पादों से गोरे, गोरेपन, श्वेत, सफेद, हल्का आदि शब्दों को हटाने का निर्णय लेती है। कई और कंपनियों भी इस तरह के कदम उठा रही हैं। अमेरिकी की स्वास्थ्य देखभाल और एफएमसीजी कंपनी जॉनसन एण्ड जॉनसन ने भी त्वचा को गोरा बनाने वाली क्रीम की भारत सहित दुनियाभर में बिक्री को रोक दिया। वहीं कोलकाता स्थित एफएमसीजी कंपनी इमामी ने भी कहा है कि वह स्थिति का मूल्यांकन कर रही है। कंपनी गोरापन लाने वाले ब्रांड फेयर एण्ड हैंडसम का उत्पादन करती है।

शहरनामा कार्यालय, कोरोना, क्रियाकलाप सब जगह संशय कायम

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

शहरनामा की यह दूसरी कड़ी है। तमाम ऐसे मुद्दे जिन पर खबरें नहीं लिखी जा सकतीं लेकिन जिनका आम जनता तक पहुंचना जरूरी हो उन घटनाक्रमों की माला बनाकर पाठकों को पहनाने का नाम है शहरनामा। संस्कारधानी के सात दिनों की वो बातें जो मन को कचोटती हैं कि इन पर लिखा क्यों नहीं गया? सोशल मीडिया में जो बातें सिर्फ एक ग्रुप में सीमित हो जाती हैं उन्हें खुलकर सामने लाने के प्रयास का नाम है शहरनामा। बातें जो मन ही मन मे दफन कर दी जाती हैं लेकिन चर्चाओं में जीवित रहती हैं उन्हें फिर से जीवंत कर देने का नाम है शहरनामा। शुरुआती दौर है तो जाहिर है कमियां होंगी लेकिन कमियों को मुद्दों पर भारी नहीं होने देने की गारंटी है शहरनामा।

■कोरोना के वाहक और वाहकों के दलाल

पिछले एक सप्ताह में संस्कारधानी में चहुंओर सिर्फ एक ही बात की चर्चा होती है। और वो है कोरोना। चर्चा भी सिर्फ फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से ,क्योंकि लोग तो लाकडाउन के चलते घरों में कैद हैं। ये और बात है कि कुछ जागरूक लोग लाकडाउन में भी बेवजह सड़कों पर तफरी कर रहे हैं जबकि यकीन मानिए कि अधिकांश लोग कैद हैं।

संस्कारधानी संबंधों का शहर है। इस शहर में इंसान अपनी जान दे देगा लेकिन संबंधों को खराब नहीं होने देगा। इसका बहुत बड़ा उदाहरण हमने कुछ दिनों पहले गंज चौक में देखा। कथित भाजपा नेता और व्यापारी ने दर्जनों लोगों को कोरोना से संक्रमित कर दिया। और तो और एक व्यक्ति की मौत का जिम्मेदार भी पुलिस ने उसी को माना है। उक्त व्यक्ति का परिवार भी संक्रमित हुआ लेकिन मजाल है कि उसने संबंधों को निभाने में कोई कमी की हो। व्यापारी भाइयों से संबंध निभाते हुए उस व्यापारी ने ताबड़तोड़ गाड़ियां महाराष्ट्र से, लातूर से, नागपुर से मंगवाई और बिना किसी सावधानी के अपने कर्मचारियों को काम मे धकेल दिया। रिश्तेदार महाराष्ट्र से आये लेकिन उसने प्रशासन को सूचना नहीं दी। संबंधों को भरपूर निभाया गया भले ही खुद कोरोना पॉजिटिव क्यों ना हो जाएं। सहयोग और संबंधों के मायने हमारे यहां के अधिकारी और वरिष्ठ भाजपा नेता भी बखूबी समझते हैं। तभी तो मामले को दबाने में इस संक्रमण काल मे भी चौबीसों घंटे बाहें ताने भिड़े रहे। लेकिन जानी दुश्मन फिल्म में ठाकुर साहब ने सच ही कहा था कि जनता की आवाज में सच्चाई का नक्कारा बजता है। सोशल मीडिया पर जनता ने आवाज उठाया। कुछ मीडिया कर्मियों ने भी अपनी जिम्मेदारी निभाई और अंततः व्यापारी महोदय पर अपराध दर्ज कर लिया गया। हांलाकि वो अभी जेल नहीं गए हैं लेकिन लोकतंत्र पर भरोसा रखिये। जनता को भी भरोसा है कि पुलिस कप्तान संतोष की मौत के जिम्मेदार को यूं ही नहीं जाने देंगे। कल शहर में पूर्ण लाकडाउन था और कल ही व्यापारी के परिवार सहित 52 लोग कोरोना को मात देकर घर लौटे। संस्कारधानी के लोग गलतियों को माफ करने में माहिर हैं। दर्जनों लोगों को लापरवाही से कोरोना की खाई में धकेलने वाले परिवार का कल इस तरह स्वागत किया गया जैसे वो लोग चीन के जबड़े से भारत की जमीन छीन लाये हों। तालियां बजाई गईं, नारे लगाए गए, वीडियो बनाया गया। अब बस एक बात की कमी रह गई है कि अखबारों में विज्ञापन और शहर के चौक चौराहों पर फ्लेक्स लगवा दिए जाएं उसकी वापसी की खुशियां मनाते हुए। इन सब बातों में बस एक बात को सोचकर मन मसोसता है कि जो ठीक हो गए वो तो वापस आ गए लेकिन क्या कभी संतोष वापस आ पायेगा जो कोरोना की वजह से किसी दूसरी दुनिया में जा चुका है?

■विधायक जी का कार्यालय

शहर के ज्यादातर ग्रुपों में एक और विषय ट्रेंड हो रहा है। विधायक जी का कार्यालय। कांग्रेस के नेता व कुछ भाजपा विरोधियों के पास एक मुद्दा परमानेंट है कि राजनांदगांव विधानसभा के विधायक शहर में क्यों नहीं रहते ? भाजपाइयों द्वारा काउंटर किया जाता है और बताया जाता है कि कार्यालय निर्माणधीन है और जल्द ही डाक्टर साहब चौबीसों घंटे जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए उपलब्ध रहेंगे। डाक्टर साहब की जनता के लिए की गई तमाम सेवाओं को बस एक बात से नकार दिया जाता है कि वो यहां झांकने क्यों नहीं आते ? हांलाकि झांकने तो यहां प्रभारी मंत्री भी नहीं आते लेकिन उनके खिलाफ बोलने में शायद डर लगता है लोगों को ? डाक्टर साहब सीधे हैं इसलिए पेल दो जो मन मे आये।

खैर अपना मुद्दा ये नहीं है। अपना मुद्दा तो ये है कि कार्यालय बनने के बाद वहां की कमान सम्हालेगा कौन? मौजूदा विधायक महोदय 3 बार मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं तो जाहिर सी बात है कि हर छोटे मोटे कामों के लिए तो दौड़ेंगे नहीं। लेकिन फिर उनका प्रतिनिधि बनकर सरकारी भवनों में दौड़ेगा कौन? हालांकि डाक्टर साहब ने काका जी को अपना प्रतिनिधि बनाया हुआ है लेकिन लगता नहीं कि काका जी इस उमर में दौड़भाग कर पाएंगे !

एक दफा डाक्टर साहब ने जनता की सुविधा के लिए कैम्प कार्यालय भी खुलवाया था। वहां का प्रभार ग्रहण करने के लिए होड़ मची थी। कई लोग तो दबे मुंह यह भी बताते हैं कि कुछ नेताओं ने वहां बैठकर तगड़ा लाल पीला भी किया लेकिन पार्टी की छबि खराब ना हो इसलिए बातों को दबा दिया गया। अब फिर एक बार डाक्टर साहब को अपने कार्यालय के लिए योग्य व्यक्ति को चुनना है। फेहरिस्त लंबी है लेकिन भरोसेमंद लोग कम। बस इतना हो कि रायपुर से किसी संगठन वाले को ना लाकर बैठाया जाए तो उत्तम होगा।

हालात चिंताजनकः दो ही दिनों में लखोली से फिर मिले 21 संक्रमित, शहर के 13 इलाके कंटेनमेंट जोन में

सामुदायिक संक्रमण की रोकथाम के लिए लगा रहे पूरा जोर, लेकिन नतीजे आने में वक्त लगेगा

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

शहर के लिए हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बीते दो दिनों में लखोली में और भी भयावह परिणाम निकलकर सामने आए हैं। इस इलाके से इन्हीं दो दिनों में 21 कोविड-19 के पॉजिटिव मरीज मिले हैं, इससे पहले यहां मिले संक्रमितों के आंकड़ों तो और भी ज्यादा है। इससे बड़ी मुसीबत यह कि यहां लोग कोविड 19 टेस्ट के नाम पर भागते फिर रहे हैं जबकि यहां सैकड़ों में लक्षण दिखाई देते हैं। हालात यह है कि यहां फोर्स लगानी पड़ी। इस कार्रवाई में सैकड़ों को क्वारेंटाइन सेंटर भेजा गया है तो जो संक्रमित मिले हैं उन्हें मेडिकल कॉलेज दाखिल किया गया है। संवेदनशील इलाके और इसके आसपास के मोहल्लों के लोगों की जांच लगातार जारी है।

सिर्फ लखोली ही नहीं बल्कि शहर के कई इलाकों से संक्रमित मरीज सामने आ रहे हैं। 27-28 जून की शाम 6 बजे तक जो नतीजे आए हैं उसमें चिखली से 2, अटल आवास पेंड्री से 1 भी एक मरीज मिला है। इसके पहले ही कई और वार्डों में संक्रमित मरीज मिले हैं। इनमें से भी कई की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। साफ है यह भी सामुदायिक संक्रमण के शिकार हुए हैं। कोविड 19 के बढ़ते मामलों के बीच एक्टिव केसों के संख्या लगभग 110 के करीब पहुंच चुकी है।

खतरे के बीच 30 जवान तैनात हैं

लखोली इलाके में लोगों के सैंपल इकठ्ठे कर पाना स्वास्थ्य अमले के लिए चुनौती बन गया था। अंततः इस मामले में पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। हालात यह है कि लोग अब भी टेस्ट करवाने से बचने के लिए घरों से भाग रहे हैं। ऐसे लोगों पकड़ने पुलिस बल को मशक्कत करनी पड़ रही है। लोग खेतों के रास्ते भागने की कोशिश कर रहे हैं और जवान उनका पीछा कर रहे हैं। सीएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि इस इलाके में लोगों को न भागने देने और सैंपल इकठ्ठे करने में स्वास्थ्य अमले की मदद के लिए 30 जवान तैनात हैं। यहां तैनात जवान संक्रमण की चिंता किए बगैर अपना फर्ज निभा रहे हैं। वे संवेदनशील इलाके में न जाने कितने संक्रमितों के बीच खुद को खतरे में डालकर अपना काम कर रहे हैं।

पूरा शहर कंटेनमेंट जोन, 13 इलाके संवेदनशील

आधा शहर कोविड 19 संक्रमण के लिहाज सेसंवेदनशील हो चुका है। सिर्फ शहर में ही अब तक 13 ऐसे इलाके हैं जहां कोविड 19 के संक्रमण का खतरा बना हुआ है। इन इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सभी तरह की गतिविधियां यहां प्रतिबबंधित है। बाहरी लोगों का इन इलाकों की सीमा के इस पर आना या स्थानीय लोगों का उस पार जाना भी बंद है। संक्रमण को रोकने के लिहाज से पहले इन्हें एक एक कर कंटेमेंट जोन बनाया गया लेकिन बाद में पूरे निकाय सीमाक्षेत्र को ही कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया। इस प्रशासनिक प्रक्रिया से लोगों में परेशानी भी बढ़ी है। रविवार को ही अनुपम नगर को भी संवेदनशील मानते हुए कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है।

जैसे ही संदिग्ध को जांच के लिए बुलावा आया उसने खेत की ओर दौड़ लगा दी। जवान पीछे पीछे दौड़े। काफी मशक्कत के बाद वह पकड़ में आया और पुलिस जवान उसे वापस लेकर पहुंचे। लगभग रोज कई बार इस तरह की तस्वीर लखोली में देखने को मिल रही है। कोविड-19 का संक्रमण यहां तेजी से बढ़ रहा है और दूसरी ओर लोग इसकी जांच से भाग रहे हैं।

एक साथ 52 मरीज डिस्चार्ज

हालांकि, मरीजों के स्वस्थ होकर घर लौटने का सिलसिला भी लगातार जारी है और यहां बेहतर नतीजे भी निकलकर सामने आ रहे हैं। मरीजों का 5 दिन के बाद टेस्ट कराया जा रहा है। रिपोर्ट में आने में दो दिनों का वक्त लगता है और 7वें दिन ही या फिर आठवें दिन उन्हें रिपोर्ट नेगेटिव आने पर घर भेज दिया जाता है। देखा जाए तो यहां लगभग 7 से 10 दिनों के भीतर मरीज स्वस्थ होकर घर लौट रहे हैं। हालांकि इनमें से कुछ मरीजों को इसमें वक्त लग रहा है। रविवार की सुबह मेडिकल कॉलेज से 52 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। बड़ी तादात में घर लौटे इन मरीजों की खबर सुनकर जिले के लोगों ने भी राहत की सांस ली है। इन 52 मरीजों में महज तीन ग्राम कोटराभाटा के हैं। इसके अलावा इनमें गंज चौक और लखोली इलाके के ही 49 मरीजों के नाम शामिल हैं।

जारी है सेनिटाइजेशन

शहर के संवेदनशील इलाके रोज सेनेटाइज किए जा रहे हैं। इसके अलावा भी बाकी के जगहों पर सेनेटाईजेशन जारी है। आयुक्त चंद्रकांत कौशिक ने बताया कि 4 स्प्रे वाहन और 40 स्प्रे मशीनों के सहारे सभी कंटेनमेंट जोन में रोज सेनेटाईजेशन हो रहा है। शहर के बाकी स्थानों पर भी यह प्रक्रिया जारी है।

सीएम फंड में वेतन कटौती के खिलाफ है फेडरेशन

जिले के सभी ब्लाकों में बीईओ को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन ने राजनांदगांव जिले के अंतर्गत सभी 09 विकासखंड में विकास खंड शिक्षा अधिकारियों को मुख्यमंत्री राहत कोष में वेतन कटौती नहीं करने हेतु ज्ञापन सौंपा।

गौरतलब है कि कोरोना के संकट को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने कर्मचारियों के वार्षिक वेतन वृद्धि को रोक दिया है, साथ ही महंगाई भत्ता भी नहीं देने का निर्णय लिया गया है, इस निर्णय का प्रदेश के सभी कर्मचारी संगठन विरोध दर्ज कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन एक बार फिर से एक दिन की वेतन देने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए प्रदेश भर में छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन द्वारा विरोध दर्ज किया जा रहा है।

फेडरेशन के जिलाध्यक्ष शंकर साहू व जिला महामंत्री राजकुमार ठाकुर ने विज्ञप्ति में बताया कि कोरोना ड्यूटी के दौरान प्रदेश के कई शिक्षकों सहित अन्य विभाग के बहुत से कर्मचारियों का आकस्मिक निधन हो चुका है, उनके परिवार के लिए 50 लाख की बीमा राशि की मांग भी फेडरेशन सहित सभी कर्मचारी संगठनों द्वारा की गई थी, लेकिन कोरोना ड्यूटी के दौरान शहीद के परिजनों को आज पर्यंत तक बीमा राशि का लाभ सरकार द्वारा नही दिया गया है। प्रदेश के सभी कर्मचारियों में ड्यूटी के दौरान भय का वातावरण बना रहता है।

जिले में ब्लॉकवार ज्ञापन सौंपने में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष मनीष मिश्रा, राजनांदगाँव जिलाध्यक्ष शंकर साहू, प्रदेश प्रवक्ता विकास मानिकपुरी, प्रदेश महासचिव प्रेमलता शर्मा, प्रदेश महामंत्री राजकुमार यादव, प्रदेश सहसचिव राजू यादव, जिला संयोजक दोदेश्वर चंदेल, भक्ता राम मण्डावी, जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ माला गौतम, सरिता खान, मंजू देवांगन, जिला सचिव राम लाल साहू, महिला प्रकोष्ठ जिला सचिव अंजूषा वैष्णव, ब्लॉक अध्यक्ष राजनांदगाँव रोशन साहू, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष खैरागढ़ नंदकिशोर सिमनकर, ब्लॉक अध्यक्ष छुईखदान कौशल श्रीवास्तव, ब्लॉक अध्यक्ष डोंगरगढ़ हीरालाल मौर्य, ब्लॉक संयोजक डोंगरगढ़ ओमप्रकाश साहू, ब्लॉक अध्यक्ष डोंगरगांव पारख प्रकाश साहू, ब्लॉक अध्यक्ष छुरिया कीरत कुमार गनवीर, ब्लॉक अध्यक्ष अंबागढ़ चौकी देव कुमार यादव, ब्लॉक अध्यक्ष मोहला सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष मानपुर यशवंत देशमुख व ट्राईबल विभाग प्रभारी राधेश्याम नेताम सहित राजनांदगांव जिले के फेडरेशन के साथीगण उपस्थित थे।

खोला शटर तो प्रशासन ने सील कर दी दो दुकानें, सब्जी वालों को वापस भेजा

अब नहीं खुलेंगी किराना और सब्जी की दुकानें, 7 से 12 के बीच होगी होम डिलीवरी

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

सोमवार से फिर सुबह 7 से 12 बजे तक की सख्त निर्देशों और कड़े प्रतिबंधों के बीच आंशिक छूट दी गई है। किराना दुकानें अब भी नहीं खुलेंगी। सब्जी का पसरा लगाना भी प्रतिबंधित किया गया है। दो दिनों पूर्ण तालाबंदी के दौरान दुकान खोलकर बैठे संचालकों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त तेवर दिखाए हैं। शनिवार के बाद रविवार को भी ऐसी ही दो दुकानों को सील कर दिया गया। इसके अलावा सड़कों पर सब्जी का ठेला लेकर निकले सब्जी विक्रेताओं को भी कड़ी समझाइश देकर घर लौटाया गया। हालांकि फिर भी शहर के कई इलाके में ठेलों में सब्जी बिकती रही।

रविवार की शाम कलेक्टर नेतालाबंदी के दौरान दी जाने वाली रियायातों का आदेश जारी किया। इसमें सब्जी मंडी, दूध डेयरी और लॉजिंग होटल्स को छूट मिल गई। वहीं आवश्यक सेवाओं में शामिल मेडिकल स्टोर, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसियों को भी छूट के दायरे में रखा गया है। शासकीय कार्यालय भी खुलेंगे। लेकिन आम आदमी की बड़ी जरुरतों वाली किराना दुकान और सब्जी बाजार को इस बार भी रियायतें नहीं मिली हैं। प्रशासन ने आदेश में कहा है कि किराना दुकान, सब्जी, दूध -फल की 07 से 12 बजे के बीच सिर्फ होम डिलीवरी ही की जा सकती है। वहीं सब्जी के लिए पसरा लगाना भी प्रतिबंधित किया गया है और सिर्फ ठेले के माध्यम से विक्रय करने के आदेश दिए गए हैं।

हुआ विरोध तो संशोधित की गई दर

इस बीच प्रशासन ने सब्जियों की खुदरा बिक्री के लिए दर निर्धारण किया लेकिन जैसे ही यह दर सूची सार्वजनिक हुई इसका विरोध शुरु हो गया। दरअसल, पहली सूची में सब्जियों के दाम बाजार में मौजूदा दर से भी कई ज्यादा था। कई सब्जियों के दामों को लेकर यह बात सामने आई। सोशल मीडिया में इस सूची को लेकर काफी लोगों ने विरोध दर्ज कराया। इसके बाद प्रशासन ने कुछ ही देर बाद संशोधित दर सूची जारी कर दी।

लगाई कड़ी फटकार और सील की दुकान

लॉकडाउन में नियम शर्तों की परवाह नहीं करने वाले एक बोरवेल्स पंप दुकान संचालक को दुकान खोलना महंगा पड़ गया। चिखली स्थित शिवम बोरवेल्स एवं पंप दुकान के खुले रहने की खबर के बाद तहसीलदार ने दबिश देकर दुकान में ताला जड़ दिया। वहीं दुकान संचालक को बिना अनुमति दुकान खोले जाने पर लाईसेंस रद्द करने की भी अफसरों ने चेतावनी दी है।

बताया गया है कि बोरवेल्स संचालक के रवैये को लेकर अफसरों ने खरीखोटी सुनाई है। राजनांदगांव शहर को प्रशासन ने दो दिन के लिए लॉकडाउन कर दिया है। इस दौरान तमाम आर्थिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है। अति आवश्यक सेवाओं को छोड़कर दीगर व्यवसाय पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके बावजूद बोरवेल्स संचालक कारोबार करने के लिए दुकान संचालित कर रहा था। नायब तहसीलदार राजू पटेल की अगुवाई में एक महिला अफसर ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए दुकान को सील कर दिया है। इसके अलावा कौरिनभाठा स्थित मां शैल किराना स्टोर्स को भी तालाबंदी के दौरान संचालन के चलते सील किया गया है।नायाब तहसीलदार राजू पटेल ने बताया कि दो दुकानें सील हुई, चिखली में शिव बोरवेल और कौरिनभाटा में मां शैल किराना स्टोर्स।सब्जी बेचने वालों को लौटने की समझाईश दी गई।

विधायक के मैनेजर पॉजिटिव, मचा हड़कंप

राजनांदगांव। खैरागढ़ विधायक देवव्रत सिंह के मैनेजर की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके बाद खैरागढ़ में हड़कंप मच गया है। क्योंकि एक दिन पहले ही विधायक की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी। विधायक के मैनेजर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद अब हड़कंप मच गया है। शहर के सिविल लाइन एरिया को सील करने की तैयारी चल रही है। बता दें कि इतवारी बाजार के होटल संचालक की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने के बाद सब्जी मार्केट को सिविल लाइन में ही शिफ्ट किया गया था, लेकिन अब उस एरिया में पॉजिटिव मरीज निकलने के बाद प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। विधायक के मैनेजर की कोरोना जांच की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सभी अचरज में है। क्योंकि 1 दिन पहले इसी मैनेजर का रैपिड टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आया था। इसके बाद मैनेजर अपने रूटीन काम के लिए रायपुर चले गए थे। वहीं शाम को रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें वापस बुलाया गया है।

विधायक का फिर होगा टेस्ट : मैनेजर की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद विधायक की फिर से कोरोना जांच की जाएगी. क्योंकि उनका मैनेजर उनके ही पैलेस में काम करता है।

जनपद में 3 वर्षों से है शिक्षकों की सीपीएस राशि

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

शालेय शिक्षक संघ द्वारा सीपीएस राशि को लेकर कलेक्टर टीपी वर्मा व जिला पंचायत सीईओ से मिलकर ज्ञापन सौंपा गया। संघ की माने तो 2017 से शिक्षको के वेतन से प्रतिमाह 10 प्रतिशत की राशि काटी गयी है व शासन के द्वारा 10 प्रतिशत राशि सीपीएस खाते में जमा होती है वह राशि 22 लाख उनहत्तर हजार रु आज पर्यन्त शिक्षको के खाते में जमा नही किया गया था। शिकायत के बाद जनपद से वितरण प्रक्रिया प्रारंभ होने की खबर है।

संघ के जिलाध्यक्ष विष्णु शर्मा ने विज्ञप्ति में बताया कि तत्सम्बंध् में संघ के द्वारा ज्ञापन भी दिया गया था, परन्तु कार्यवाई नहीं होते देख कलेक्टर के पास संघ ने गुहार लगाई। सीईओ जिला पंचायत ने लेटर जारी कर तत्काल राशि शिक्षको के खाते में जमा करने निर्देशित किया। अब जनपद पंचायत डोंगरगांव ने 22 लाख उनहत्तर हजार की चेक काटकर सीपीएस खाते में जमा करने की कार्यवाही शुरू की है। बहुत जल्द पेंडिंग राशि शिक्षको के खाते में जमा हो जायेगी।

तीन वर्षों के ब्याज का जिम्मेदार कौन?

संघ की जिला महिला प्रमुख शशिकला कठोलिया ने बताया कि यह राशि जनपद के खाते में 17 लाख ही जमा दिखा रहा था, जबकि यह लगभग राशि 40 लाख होनी चाहिए थी। अर्थात 22 लाख उनहत्तर हजार रु किसी अन्य मद में जनपद के द्वारा खर्च कर दिया गया था, और राशि का समायोजन नहीं कर पाने से शिक्षको की राशि 3 साल विलम्ब से जमा हुई है। इन 3 साल में ब्याज के भुगतान पर सवालिया निशान लग गया है।

क्विक न्यूज

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रहा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है, कई जिलों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में हर रोज इजाफा देखने को मिल रहा है,वही प्रदेश में एक बार फिर विभिन्न जिलों से 44 नए मरीजों की पुष्टि हुई है,जिनमे राजनांदगांव से 16,कवर्धा से 7,दुर्ग व रायपुर से 5-5,बलौदा बाजार से 4,तो वही बिलासपुर से भी 7 नए मरीजो की पुष्टि हुई है,जिनमें बिल्हा ब्लॉक से 4,मस्तूरी ब्लॉक से 1 और बिलासपुर शहर से 2 बताए जा रहे है । इसके साथ ही बीती रात्रि 8 नए मरीजों की पहचान हुई थी जिनमें राजनांदगांव से 4 दुर्ग से 3 बलौदा बाजार से 1 से वही प्रदेश में अब कुल पॉजिटिव की संख्या 2654 जिनमे एक्टिव मरीजो की संख्या अब 704 हो गई है।

जिले का गौरव बढ़ाने वाले मेघावी छात्रों का सम्मान

मुंगेली। जिले का गौरव पूरे प्रदेश में बढ़ाने वाले मेघावी छात्रों के सम्मान में लगातार सभी लोगो के द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन किया जा रहा है। गौरतलब हो कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजि 10 वीं और 12 वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था, जिसमें प्रदेश में सवार्धिक अंको के साथ मुंगेली जिले ने बाजी मारी है, 10वीं में जहां पूरे प्रदेश में शत प्रतिशत अंकों के प्रज्ञा कश्यप ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया वहीं 12 की परीक्षा में टिकेश वैष्णव ने बाजी मारी है। सामान्य परिस्थितियों असाधारण क्षमता का परिचय देने वाले दोनों बच्चों का बीते कल पुलिस अधीक्षक कार्यालय मुंगेली में पुलिस अधीक्षक मुंगेली डी. श्रवण सर द्वारा बुक्के भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें उनकी इस उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुलिस परिवार मुंगेली द्वारा शुभकामनाएं दी गई ।

दो दुकानों में सेंधमारी, 50 हजार का सामान पार

कोरबा । मानिकपुर व उरगा क्षेत्र में चोरों का आतंक देखने को मिल रहा है। लगातार चोर गिरोह के सदस्यों द्वारा वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। 18 दिनों के बाद एक बार फिर चोर गिरोह के सदस्य मानिकपुर क्षेत्र में धावा बोला है। कोरबा मुडापार क्षेत्रों में चोरों के हौसले बुलंद, अभी हाल ही में शारदा विहार चौक के पास दो मोबाइल शॉप में चोरी की घटना धटित हुई थी,कल रात फिर से उन्हीं दो दुकानों में अज्ञात चोरों के द्वारा सेंधमारी कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। मानिकपुर चौकी क्षेत्र के मुड़ापार-शारदा विहार के आसपास चोरों ने आतंक मचा रखा है। इस महिने के शुरूआत में जहां शारदा विहार कालोनी में स्थित एक किराना दुकान में ताला तोड़कर चोरी की गई थी।

संविदा पद पर काबिज डीएमई ने किये लाखों के घोटाले और भर्ती

- **स्वास्थ्य संघ की मांग के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने कार्रवाई का दिया अस्वाशन**
- **स्वास्थ्य सचिव से अभियोजन स्वीकृति पत्र विधि विभाग को भेज दिया गया है**

पायनियर संवाददाता ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

मेडिकल कॉलेज में माइक्रोस्कोप की फर्जी खरीद और मनमानी कर्मचारियों की भर्ती कर लाखों रुपये की गबन करने वाले स्वास्थ्य शिक्षा संचालक एसएल आदिले के खिलाफ कभी कभी प्रशासनिक कार्रवाई की गाज गिर सकती है । वतर्मान में आदिले खुद संविदा नियुक्त हैं।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य संघ के प्रांताध्यक्ष ओ पी शर्मा ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव से मुलाकात कर भ्र्ष्टाचार में डूबे डॉ एसएल आदिले को संचालक चिकित्सा शिक्षा पद से हटाने के साथ साथ उनकी संविदा नियुक्ति समाप्त करने की मांग की है। स्वास्थ्य मंत्री ने संघ के पदाधिकारियों को बहुत जल्द कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है ।

छत्तीसगढ़ प्रदेश की इतिहास में यह पहला स्वास्थ्य शिक्षा संचालक होंगे जिन्हें संविदा के आधार पर नियुक्त कर रखा है गम्भीर मसला यह है कि सिम्स , मेडिकल कॉलेज , बलीराम कश्यप मेडिकल कॉलेज जगदलपुर , अम्बिकापुर , सहित समस्त शासकीय मेडिकल कॉलेजों तथा प्रदेश के जिला स्वास्थ्य विभाग में एसएल आदिले के चहेते अधिकारी ओहदे पदों ओर काबिज है जिनके साथ भ्रष्टाचार में बराबर के भागीदार हैं। स्वास्थ्य विभाग के उच्च पदों पर आसीन होने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी नीति निर्देशों या मुख्य सचिव द्वारा बार-बार जारी आदेश का कोई औचित्य नही समझा जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के ओहदे पदों पर बैठे अधिकारी अपना एक अलग खुद का नियम बनाकर रखे हैं ।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है जो पद का दुरुपयोग कर जेब गर्म करने में लगे रहते हैं जिस वजह से शासन एवं विभाग की छवि खराब हो रही है।

डीएमई आदिले द्वारा मेडिकल कॉलेज जगदलपुर एवं डेंटल कॉलेज रायपुर के लिए 60 माइक्रोस्कोप खरीदी में भ्रष्टाचार भी किये जाने की बात सामने आई थी इन सभी के आधार पर जांच में दोषी पाए जाने पर गोल बाजार थाना रायपुर में डॉ आदिले के विरुद्ध अपराध पूर्व से कायम है जिस पर विभागीय कार्रवाई में शिथिलता बरती जा रही थी ।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने मुख्य सचिव एवं मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए डॉ आदिले के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की मांग की गई थी। प्रांताध्यक्ष ओपी शर्मा ने संघ के पदाधिकारियों के साथ स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह के से मुलाकात कर डीएमई एसएल आदिले के भ्रष्टाचार से सम्बंधित सभी शिकायत की गई। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने एक सप्ताह में जांच कर ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया है

डॉ आदिले द्वारा संचालक चिकित्सा शिक्षा के पद का दुरुपयोग करते हुए विगत 15 वर्षों में भ्रष्टाचार के सीमाओं को लांग दिया है इनके ऊपर अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए एमबीबीएस में अपात्र छात्रों को प्रवेश दिलाना तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर पात्रों को नियुक्त करना चिकित्सकीय उपकरणों की खरीदी में घोटाला कर शासन को करोड़ों की क्षति पहुंचाते हुए अपनी जेब भरने का आरोप लगा था जो कि जांच में सही पाए जाने पर इनकी तीन वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी गई थी।

विधि विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा थाने में दर्ज अपराधिक प्रकरण के आधार पर डॉ आदिले के खिलाफ कार्रवाई सहमति देने पत्र प्रेषित किया है जिस पर सचिव स्वास्थ्य के द्वारा अपना अभिमत विधि विधाई विभाग को प्रेषित कर दिया गया है बहुत जल्दी डॉ आदिले पर कार्रवाई की गाज गिर सकती हैं संघ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि इनके साथ भ्र्ष्टाचार में लिप्त अन्य अधिकारियों के खिलाफ प्रमाणित दस्तावेज संघ के पास सुरक्षित उपलब्ध है जिसके आधार पर शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

महापौर और वॉलीबाल संघ के अध्यक्ष ने किया पौधरोपण

पायनियर संवाददाता ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

महापौर रामशरण यादव व जिला वॉलीवाल संघ के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव के द्वारा स्मृति स्पोर्ट्स वॉलीवाल क्लब राजकिशोर नगर के ग्राउंड में वृक्षारोपण किया गया। महापौर ने जीवन मे वृक्ष के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी खिलाड़ियों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया ।

स्मृति स्पोर्ट्स क्लब के द्वारा सन 2014 से लेकर अब तक वॉलीवाल खेल को राज्यस्तर में बढ़ावा देने के लिए किए गए कार्यो का महापौर द्वारा निरीक्षण कर क्लब के खिलाड़ियों के द्वारा वॉलीवाल खेल के विकास हेतु किए गए कार्यो की भूरी भूरी प्रंशसा की गई जिससे क्लब समस्त खिलाड़ियों में हर्ष व्याप्त है । साथ ही जिलास्तर पर सभी खेलो को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की गई। उक्त कार्यक्रम के दौरान एसीसी सीमेंट के सौजन्य से क्लब के द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शतेंद्र सरण(एरिया ऑफीसर एसीसी सीमेन्ट),हरीश वर्मा, शार्दूल देशपांडे क्लब के अध्यक्ष बंटी छाबड़ा,सचिव संजय जैन ,कोषाध्यक्ष राकेश राठौर, विधि सलाहकार अभिषेक वर्मा ,आशीष जैसवाल,डी राजा राव,रामायण प्रसाद साहू,रमेश ओगरे,साकार सिंह,विकास देवांगन,गौरव,राधेश्याम निषाद, सागर, जितेंद्र मिश्रा, सागर सिंह, शिखा श्रीवास,स्वेता श्रीवास, सृष्टि शर्मा, प्रगति शुक्ला,डी कृति रेड्डी, प्रांजल पटेल,सुनीता, विवेक, घनश्याम, अमन, आर्यन,खेमचंद देवगन,गौरव धुव,नितेश वर्मा,आर्यन कौशल, विवेक देवांगन, जगमोहन साहू, शुभांकर धर,अमृतांश जोशी, अब्दुल इरसान, आयुष तिवारी, आदि उपस्थित थे।

गाड़ी की चपेट में आने से 3 साल की बच्ची की मौत

पायनियर संवाददाता ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के अनलॉक होते ही बिलासपुर शहर समेत जिले में दुर्घटनाओं की संख्या फिर से बढ़ती जा रही है। ऐसी ही एक दुर्घटना में आज सकरी में डस्टर गाड़ी की चपेट में आकर 3 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। या दुर्घटना दोपहर करीब साढ़े तीन बजे के आस पास की बताई जाती है। दुर्घटना के तुरंत बाद डस्टर गाड़ी की चपेट में आई बच्ची को आनन फानन में डस्टर से सिम्स लाया गया। लेकिन असप्ताल पहुंचने से पहले बच्ची ने दम तोड़ दिया। डस्टर को सिविल लाइन पुलिस ने अपने कब्जे में कर लिया है। सकरी पुलिस आरोपी डस्टर चालक को अपने साथ थाना ले गयी है। पुलिस के अनुसार मरने वाली बच्ची का नाम पूजा कश्यप ईश्वर कश्यप है। ईश्वर कश्यप इन्द्रपुरी सिरगिट्टी का रहने वाला है। ईश्वर परिवार के साथ जरहागांव से पिकप में सवार होकर घर लौट रहा था। इसी बीच सकरी थाना क्षेत्र के आसमां सिटी कालोनी के पास पिकप बिगड़ गयी। ईश्वर कश्यप पिकअप को किनारे कर बनाने लगा। इसी बीच अपनी मां की गोद से उतरकर तीन साल की पूजा सड़क पर आयी। रेज रफ्तार डस्टर ने उसे अपने चपेट में ले लिया। हादसे में बच्ची बुरी तरह से घायल हो गयी। आनन फानन लोग डस्टर को रोककर बच्ची को सिम्स अस्पताल ले गए। तब तक बच्ची की सांसे चल रही थी। लेकिन सिम्स पहुंचने के पहले ही उसने दम तोड़ दिया। खबर मिलने के बाद डस्टर समेत आरोपी चालक को सिविल लाइन पुलिस थाना लाया गया। गाड़ी को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस ने मामले को विवेचना मैं ले लिया है।

- **चालक को राहगीरों ने पकड़ कर पुलिस के किया हवाले**

छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले जिले के अधिकारी कर्मचारी 1 जुलाई को करेंगे प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों की दो वार्षिक वेतनवृद्धि रोकने सहित अन्य वित्तीय लाभ से वंचित कर दिए जाने के कारण प्रदेश के अधिकारी कर्मचारी आक्रोशित है ।

फेडरेशन द्वारा अपनी मांगों को लेकर बिना कोई कार्य अवरोध के शासन का ध्यान आकर्षित करने10 जून से काली पट्टी लगा कर कार्य सम्पादित करते आ रहे हैं। फेडरेशन प्रांतीय बॉडी की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार 1 जुलाई से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय, तहसील मुख्यालय में भोजन अवकाश अवधि में निर्धारित स्थल में एकत्र होक आवाज बुलंद करने के साथ साथ कर्मचारियों के अधिकारों का हनन करने वाले शासन के आदेश की प्रतियां जलाएंगे एवं शासन के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपेंगे ।

उक्त निर्णय के परिपालन में छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के जिला संयोजक रविन्द्र तिवारी द्वारा सभी फेडरेशन के घटक दलों के जिलाध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की एक बैठक ली गई। रोहित तिवारी प्रांताध्यक्ष लिपिक संघ एवं प्रभारी बिलासपुर जिला की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसहमति से निर्णय लिया गया है कि-जिला स्तर पर प्रदर्श नेहरू चौक में भोजन अवकाश में दोपहर 1-30 बजे विलंबित आदेश की प्रति जला कर किया जाएगा ।ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर ही निर्धारित समय में अधिकारी कर्मचारी एकत्र होकर प्रदर्शन करेंगे । वहीं प् 29-30 जून को फेडरेशन के घटक दल के जिलाध्यक्ष एवं पदाधिकारी संयुक्त रूप से कार्यालयों में सघन जन सम्पर्क करेंगे। बैठक पश्चात जिला प्रभारी रोहित तिवारी एवं जिला संयोजक रविन्द्र तिवारी द्वारा संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि 1 जुलाई को प्रदर्शन को सफल बनाने जिला ,तहसील,ब्लॉक स्तर पर सभी अधिकारी कर्मचारी एकजुट प्रदर्शन में शामिल होंगे। आंदोलन के तीसरे चरण में 11 जुलाई को राजधानी रायपुर फेडरेशन की होने वाली बैठक में घटक दल के जिलाध्यक्षो के नेतृत्व में जिला से लेकर ब्लॉक स्तर के समस्त पदाधिकारी सम्मिलित होंगे ,सभी की सहमति से आगे की रणनीति तय की जाएगी।

मद्रासी होटल के बाजू में जुआ खेलते 10 जुआरी पकड़ाए

पायनियर संवाददाता ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक प्रशान्त अग्रवाल के निर्देश पर जुंआ सट्टा खिलाने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के मद्दे नजर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर ओम प्रकाश शर्मा द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक सिटी कोतवाली को थाना प्रभारियों और उनकी संयुक्त टीम बनाकर जुआ सट्टा में मुखबिर लगाकर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। इस बीच सूचना प्राप्त होने पर कि कुछ लोग पुराना हाइकोर्ट के सामने मद्रासी होटल के बाजू में खाली जमीन पर जुआ खेल रहे है। इस सूचना पर थाना सिटी कोतवाली थाना तारबाहर सायबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा दबिश देकर जुआ खेलते 10 जुआरियों को पकड़ा गया। जिनसे एक लाख अस्सी हजार रुपये नगद और ताश की गड्डियां बरामद की गई। आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के साथ आइपीएस की धारा 188 के तहत भी कार्यवाही की गई। जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया उनमें लक्ष्मी प्रसाद पिता दुकालू निषाद,जूना बिलासपुर, धीरज कुमार पिता गोपाल दास,तोरबा, लव गंगवानी पिता प्रहलाद गंगवानी, पुराना हाई कोर्ट के पास बिलासपुर, नितेश गुप्ता पिता प्रमोद गुप्ता, जूना बिलासपुर, मनीष छाबड़ा पिता अमर लाल, उम्र गांधी चौक बिलासपुर, साकिब उर्फ आकिब खान पिता मोहम्मद आशिफ खान तालापारा बिलासपुर, सौरभ डडवानी पिता विजय डडवानी,राहुल वाधवानी पिता राजकमल, कश्यप कालोनी, बिलासपुर,चंदन बजाज पिता जवाहर लाल बजाज राजकिशोर नगर बिलासपुर और गौरव आनंद पिता चंदुलाल आनन्द नारियल कोठी दयालबंद शामिल हैं।

- **जुआरियों से नगद 1 लाख 80 रूपये सहित ताश की गड्डियां बरामद**

कांग्रेस का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण और जिला शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में 29 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक नेहरू चौक में एक दिवसीय धरना--प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा जाएगा ।

जिला अध्यक्ष विजय केशरवानी और शहर अध्यक्ष प्रमोद नायक ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल-गैस की बेतहाशा बढ़ती कीमतें बढ़ रही है ,,उसी अनुपात में महंगाई भी बढ़ रही है, आम जनता, किसान, मध्यम वर्ग,छोटे छोटे व्यापारी वर्ग,छात्र--छात्रों, सभी परेशान है, केंद्र सरकार द्वारा जनता पर जबरदस्ती थोपी गई महंगाई है,केंद्र के नरेंद्र मोदी की सरकार ,जब विपक्ष में थी तो पेट्रोल, डीजल, गैस की कीमत को मुद्दा बनाकर आंदोलन करती थी और दावा करती थी कि सत्ता में आएंगे तो 30-35 रुपये में पेट्रोल मिलेगा पर आज प्रति लीटर पेट्रोल 80 रुपये पार कर गया है,कहीं कहीं तो डीजल की कीमत पेट्रोल को पीछे छोड़ दिया है । इस छद्म मूल्य वृद्धि में नरेंद्र मोदी की भूमिका भी सन्देह के दायरे में है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल की कीमत निचले स्तर पर है । इस मूल्य वृद्धि के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जाएगा ।

धान के स्थान पर 14915 हेक्टेयर क्षेत्र में दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों की होगी खेती

पायनियर संवाददाता ◂ मुंगेली
www.dailypioneer.com

कलेक्टर पी.एस.एल्मा ने बताया कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिले मे धान फसल के अलावा अन्य फसलों जैसे दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलो को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ताकि किसानो को दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलो से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इसी तारतम्य मे कृषि विभाग के उपसंचालक डी.के. ब्योहार ने बताया कि खरीफ मौसम वर्ष 2020 में मुंगेली जिले के अंतर्गत धान के रकबें में 14 हजार 915 हेक्टेयर में कटौती कर धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों की बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमे विकास खण्ड मुंगेली में 5 हजार 170 हेक्टेयर, विकास खण्ड पथरिया में 6095 हेक्टेयर एवं विकास खण्ड लोरमी में 3 हजार 650 हेक्टेयर शामिल है। इसके अंतर्गत धान उच्चहन खेतों को चिन्हांकित कर मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, सोयाबीन, तिल एवं अन्य फसलों की बोनी के लिए ग्राम स्तर पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन कर कृषकों को समझाईश दी जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत सहकारी समितियों में 12.04 क्विंटल अरहर, 1016.80 क्विंटल सोयाबीन प्रमाणित बीजों का भंडारण कर वितरण किया जा रहा है।

फीस न मिलने से स्कूल प्रबंधन ने वेतन देना बंद किया

वेतन ना मिलने से बेहाल निजी स्कूलों के शिक्षकों ने सुनाई आपबीती, घर परिवार चलाना हो रहा मुश्किल

पायनियर संवाददाता ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना से बचाव के लिए लॉकडाउन तो कर दिया लेकिन इसके साइड इफेक्ट के रूप में देश में जो आर्थिक संकट उत्पन्न हुआ है अब उसका इलाज भी जरूरी है। 25 मार्च से सभी क्षेत्रों में लॉकडाउन जारी था लेकिन अनलॉक प्रक्रिया के तहत धीरे-धीरे लगभग सभी सेक्टर में छूट दी गई।

ताकि रोजगार व्यवसाय के साधन बहाल हो सके, लेकिन आज भी एक सेक्टर ऐसा है जहां स्थिति जस की तस है । एक दिन पहले कोचिंग सेंटर चलाने वालों ने धरना प्रदर्शन करते हुए वापस कोचिंग सेंटर खोले जाने की मांग की थी और रविवार को गैर सरकारी शिक्षक संघ के सदस्यों ने ऐसे ही मांग दोहराई ।संघ के सदस्यों का कहना है कि उन्होंने भी वैश्विक महामारी कोरोना से निपटने घोषित लॉक डाउन का पालन किया।

इस दौरान सरकार ने बेहद गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए तरह-तरह के पैकेज जारी किए लेकिन प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों के लिए ना तो ऐसी कोई व्यवस्था थी और ना ही निजी स्कूल के शिक्षकों के पास इतना बैंक बैलेंस था कि वह लंबे वक्त तक गृहस्थी की गाड़ी चला सकते। इधर फीस न मिलने से स्कूल प्रबंधन ने भी उन्हें वेतन देना बंद कर दिया। अब जब धीरे-धीरे सभी क्षेत्रों में छूट दी जा रही है ,तब भी शिक्षण संस्थाएं बंद है ।सरकारी स्कूल बंद होने के बावजूद सरकारी शिक्षकों को यथा समय वेतन मिलता रहा है लेकिन निजी स्कूलों के बंद होने की वजह से निजी स्कूलों में पढ़ाने वाले हजारों शिक्षक और कर्मचारी पूरी तरह बेरोजगार है। कई महीनों से वेतन न मिलने से उनकी हालत बेहद दयनीय हो चुकी है। बिलासपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों से चर्चा करते हुए निजी स्कूलों के शिक्षकों ने कहा कि अधिकांश शिक्षकों के पास खाने तक को पैसे नहीं बचे, जिससे उनका पूरा परिवार डिप्रेशन में चला गया है।

इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने वेदांता स्कूल की एक शिक्षिका का जिक्र किया, जिनके द्वारा अवसाद की स्थिति में लगातार खुदकुशी की बात की जा रही है। वह अकेली अवसाद में नहीं है बल्कि पूरा परिवार डिप्रेशन में है और ऐसी ही अवस्था अन्य परिवारों की भी है।भविष्य में भी इन्हें उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आ रही जिसके कारण प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों को समझ नहीं आ रहा कि वे क्या करें। न तो सरकार द्वारा उनके लिए कोई स्पेशल पैकेज की व्यवस्था की जा रही है और ना ही स्कूलों को खोलने की इजाजत दी जा रही है।

स्थाई पट्टों को भूमि स्वामी हक में परिवर्तित करने का प्रावधान

पायनियर संवाददाता ◂ मुंगेली
www.dailypioneer.com

छ.ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग,मंत्रालय महानदी भवन, अटल नगर रायपुर के द्वारा नगरीय क्षेत्रों में प्रदत्त शासकीय स्थाई पट्टो को भूमि स्वामी हक में परिवर्तित करने के संबंध में प्रावधान किये गये है। इस संबंध में अपर कलेक्टर राजेश नशीने ने बताया कि गैर रियायती/रियायत स्थाई नजूल पट्टे को भूमि स्वामी हक में परिवर्तन करने हेतु गाईड लाईन के दो प्रतिशत राशि भुगतान करने पर भूमि स्वामी अधिकार प्राप्त कर सकते है। इसी प्रकार 7500 वर्गफीट तक का भूमि आबंटन हेतु गाइड लाइन के 102 प्रतिशत राशि भुगतान करने पर शासन से भूमि स्वामी हक में प्राप्त कर सकते है। इसी तरह अतिक्रमित भूमि का व्यवस्थापन 152 प्रतिशत भुगतान करने पर नगरीय क्षेत्र में स्थित अतिक्रमित शासकीय भूमि के व्यवस्थापन के समय राज्य शासन से भूमिस्वामी हक में प्राप्त कर सकते है। इस संबंध में नगर पालिका मुंगेली के विभिन्न वार्डो में निवासरत नजूल पट्टा धारको/अतिक्रमित भूमि की जानकारी के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर निर्धारित तिथि मे होगी। निर्धारित तिथि के अनुसार 27 जून वार्ड क्रमांक 07 तथा 11 क्रमशः राजेन्द्र वार्ड, जवाहर वार्ड के लिए शिविर स्थल कार्यालय नगर पालिका मुंगेली, 30 जून को वार्ड क्रमांक 01 तथा 02 क्रमशः रामगोपाल तिवारी , 14 तथा 15 क्रमशः अम्बेडकर वार्ड, कालीमाई वार्ड तथा मो. बशीर खां वार्ड के लिए शिविर स्थल कार्यालय नगर पालिका मुंगेली , 27 जुलाई को वार्ड क्रमांक 16, 17 तथा 18 क्रमशः कबीर वार्ड, तिलक वार्ड तथा हीरा लाल वार्ड के लिए शिविर स्थल रेस्टहाउस, 30 जुलाई को वार्ड क्रमांक 09 तथा 10 क्रमशः गांधी वार्ड, विवेकानंद वार्ड के लिए शिविर स्थल देवांगन समाज भवन, 5 अगस्त को वार्ड क्रमांक 20 तथा 21 क्रमशः एण्डूज वार्ड, दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के लिए शिविर स्थल रेस्टहाउस, 10 अगस्त को वार्ड क्रमांक 22 तथा 23 क्रमशः महाराणा प्रताप वार्ड, विनोवा भावे वार्ड के लिए कार्य स्थल कार्यालय नगर पालिका मुंगेली मे शिविर का आयोजन किया जायेगा।

- **7500 वर्गफीट तक भूमि आबंटन के लिए गाइड लाइन**

जो मेरे घर का परिवेश रहा है, उसके मुताबिक अगर मैं आईएएस नहीं होता तो शायद व्यवसाय करता, मेरे अंदर एक टेंडेंसी रही हैं, कि मैं अपना काम खुद करूं : जनमेजय महोबे

रवि भूतड़ा ‹ बालोद
www.dailypioneer.com

प्राथमिकताओं में सबसे महत्त्वपूर्ण ये की शासन की जो योजनाएं है उसका लाभ हर अंतिम व्यक्ति तक पहुचे। जैसे कि मेरी खुद की रुचि शिक्षा और स्वास्थ्य में शुरू से रही हैं। मैं इसमें और भी ज्यादा काम करना चाहूंगा। एग्रीकल्चर में अन्य जिलों की अपेक्षा स्तिथि यहां अच्छी है। यहां के किसान उत्पादन काफी मात्रा में करते हैं। जरूरत इस ची? की है जो कृषि के अलावा दूसरे कार्य मे भी जु? हुए है, उनके लिए हमको एक मार्केट प्रोवाइड करना हैं। ताकि जिले के लोगों को जिले में ही रोजगार मिल पाए। महिला समूहों को मार्केट प्रोवाइड करने की कोशिश करेंगे। और जो मजदूर है, जो बाहर जाते है काम करने, उनको यहां रोजगार उपलब्ध करा सके। उसके लिए हम स्किल मैपिंग भी कर रहे हैं। स्वरोजगार में काम करना बहुत जरूरी हैं और मार्केट ऐसा डेवलप करेंगे जो ब्रांड बने। शासन की महत्वकांक्षी योजनाएं नरवा, गरुवा, घुरवा अऊ बाड़ी और मुख्यमंत्री सुपोषण योजना इसमें बेहतर क्रियान्वयन करना प्राथमिकता हैं। 28 जून को जिले में मेरा एक माह का कार्यकाल पूरा हुआ हैं। 28 मई को मैंने पदभार संभाला था। ये शब्द हैं, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में जन्मे प्रमोटिव कलेक्टर जनमेजय महोबे के। जिन्होंने अपने डिप्टी कलेक्टर से कलेक्टर बनने तक के सफर को **पायनियर** *से साझा किया।*

आपका बैक ग्राउंड किस तरह का रहा है..? आपके परिवार में कौन कौन है.?

■ **मैं** एक मिडिल क्लास परिवार से हूं, मेरे पिताजी साइंस के टीचर थे, बिलासपुर के सरकारी स्कूल में। प्रिंसिपल होकर रिटायर्ड हुए थे। चूंकि मेरे पिता एक शिक्षक थे, तो शुरू से ही हमारे घर मे पढ़ाई का माहौल था। मम्मी हॉउस वाइफ हैं। हम 3 भाई और एक बहन हैं। मैं सबसे छोटा हूं। सबसे बड़े भाई इंजीनियरिंग किये है वो इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड में एसी हैं। उसके बाद के भैया फार्मासिस्ट है, उनकी मेडीकल स्टोर्स हैं। दीदी जबलपुर के हाईस्कूल में लेक्चरर हैं। जीजाजी प्रोफेसर हैं। मेरी वाइफ ने बी-फार्मा किया हुआ हैं। मेरी एक 17 वर्षीय बेटी हैं, जो अभी बारहवीं की परीक्षा में मेरिट में आई हैं।

आपकी शिक्षा कहा तक हुई है और किस माहौल व परिवेश में हुई हैं..?

■ **मेरी** स्कूली और कॉलेज की शिक्षा पूरी सरकारी स्कूल में हुई हैं, जब मैं क्लास दूसरी में था, तब पापा को पैरालिसिस हो गया था। बड़े भाई उस समय दसवीं में थे। चूंकि माँ हाउस वाइफ थी, तो उस समय काफी स्ट्रगलर करना पड़ा था। जब पिताजी थोड़े ठीक हुए, तो वे उस समय लंगड़ाते हुए स्कूल जाया करते थे, काफी स्ट्रगलर कर के उन्होंने हमें पढाया। जब बड़े भैया ने इंजीनियरिंग पूरी कर ली थी, और जब उनका जॉब लगा तब उन्होंने घर की पूरी जिम्मेदारी ले ली थी।

चूंकि आपकी पहली कलेक्टरी है, वो भी बालोद। इत्तेफाक से जिस विभाग में आप डायरेक्टर रहे उसी विभाग की मंत्री के गृह जिले में कलेक्टर बने, इसे कैसे देखते है..?

■ महिला बाल विकास विभाग एक ऐसा विभाग है जहां काम करने के अवसर बहुत ज्यादा हैं। मैं खुद को खुशनसीब समझता हूं कि इस क्षेत्र की जो मंत्री है मैं उनके साथ पहले काम कर चुका हूं। भविष्य में इसके काफी सकारात्मक परिणाम रहेंगे। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान में मैंने मंत्री जी एवं सेक्रेटरी परदेशी जी के साथ गाईडलाईन तैयार किया। 2 अक्टूबर में प्रारम्भ कर के हमने इसे पूरे प्रदेश में लागू किया। महिला सशक्तिकरण में काम किया हैं। बालिकाओ के संबंध में काम किया हैं। आईसीपीएस चाइल्ड प्रोटेक्टेड में काम किया हैं। पूरक पोषण आहार को व्यवस्तिथ करने में काम किया हैं। मंत्री जी के साथ काम करने करीबन 1 साल का अनुभव हैं। मंत्री जी की जो जिले के लिए मंशा है, की लोगों को रोजगार कैसे दिलाये, कृषि के क्षेत्र में कैसे कार्य करे इसे बेहतर टीम मैनेजमेंट के साथ पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुपोषण योजना में मेरा उस समय सबसे बड़ा एचीवमेंट ये था कि उस समय हमने प्रदेश के 62 हजार बच्चों को कुपोषण से मुक्त किया था।

एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में किन-किन पदों पर रहे है.? और मिली चुनौतीयों का किस तरह सामना किया हैं.?

■ **देखिए,** मेरी राज्य प्रशासनिक अधिकारी के रूप में डिप्टी कलेक्टर पहली नियुक्ति 1998 में अविभाजित मध्यप्रदेश के मंडला जिले में हुई थीं। मंडला ट्रायबल जिला हैं। मेरे साथ उस समय सुबोध सिंह भी थे, तो सीखने के लिए बहुत अच्छा जिला था। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद, चूंकि मैं बिलासपुर का निवासी हूं।तो मैंने छत्तीसगढ़ को अपना विकल्प दिया। खैरागढ़, सारंगगढ़, घरघोड़ा और कुरूद में लगभग 8 साल एसडीएम रहा। एडिशनल कलेक्टर प्रमोट होने के बाद मैं 2008 में धमतरी जिला पंचायत सीईओ रहा। उसके बाद नगर निगम कमिश्नर कोरबा और नगर निगम कमिश्नर भिलाई रहा। लगभग ढाई साल तक मैं कमिश्नर रहा। इसके बाद 2011 में फूड डिपार्टमेंट में मैं एमडी रहा। इसके बाद मुझे गवर्नर के साथ काम करने का अवसर मिला। ज्वाइंट सेक्रेटरी टू गवर्नर काम किया। बीज निगम में भी एमडी रहा हूं। वेयर हाउस का भी अतिरिक्त प्रभार था। इसके बाद मुझे कमिश्नर महिला बाल विकास बनाया गया। फिर अब बालोद मुझे कलेक्टर बनाकर भेजा गया। घरघोड़ा एसडीएम जब मैं था तब मुझे काफी चुनौती मिली। इनलीगल रूप से चल रहे कोल माइनिंग को बंद करने काफी काम करना पड़ा, क्योकि माफिया की वजह से क्राइम भी बहुत बढ़ रहा था। क्योकि जब हम एक प्रशासनिक अधिकारी है, तो हमे शासन की जो योजना या मंशा है। उसे टारगेट में लेकर चलना पड़ता हैं। हमारी प्राथमिकता वही रहती है, जो शासन की रहती हैं। इसके अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य मेरे प्रिय विषय रहे है, मैंने ज्यादा इसी क्षेत्र में काम किया हैं।

जैसा कि आपने कहा कि आपकी शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई हैं, तो पहले के सरकारी स्कूल और अभी के सरकारी स्कूलों में क्या अंतर देखते हैं..?

■ **पहले** बच्चों की संख्या कम होती थी। टीचर को उस समय हर बच्चे की कैटेगिरी पता होती थी। कि ये कमजोर है, ये मिडिल हैं और ये होशियार हैं। तो उस समय उन्हें कमजोर बच्चों पर ध्यान देना अच्छे से आता था। तो उस समय उस कमजोर बच्चे की व्यक्तिगत काउंसलिंग करते थे। उस समय टीचर के प्रति डर नही रहता था, क्योकि डाट और मार भी पड़ती थी। होमवर्क नही कर के आने से पनिशमेंट भी मिला करते थे। आजकल के टीचर कुछ ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। आज अगर टीचर बच्चों को डाट दे तो प्रॉब्लम हो जाती हैं। भय में बच्चे पढ़ाई नही कर पाते हैं। आज कल के बच्चों को मनोवैज्ञानिक दबाव देना संभव नही हैं।

पहले सिलेक्शन पर कैसा रिएक्ट था..?

■ 1996 में मेरा पीएससी में सेलेक्शन हुआ। तो मैं उस समय पन्ना जिले में दूसरे पोस्ट में था। तो मैं इंदौर से इंटरव्यु देने के बाद पन्ना जाने वाला था। जिस दिन पापा की तेरहवी थी उस दिन मेरा डिप्टी कलेक्टर के सिलेक्शन का रिजल्ट निकला। मैं प्रदेश में 9वें पोजीशन में था। मैं उन दिन बहुत रोया। पिताजी ने जो आशीर्वाद दिया था। उस रिजल्ट को सुन नही पाए। जिसे मैं आज भी मिस करता हूं।

सब्जेक्ट सिलेक्शन कितना इम्पोर्टेन्ट है...?

■ **चूंकि** मैं पब्लिक सर्विसेस कमिशन का एग्जाम देकर सेलेक्ट हुआ हूं। वो मेरा अनुभव है। पहली बात तो ये की आपको ये पता होना चाहिए कि उस सब्जेक्ट में क्या हैं..? जैसा मानलो आप हिस्ट्री लेते हो। तो हिस्ट्री के सिलेबस के अलावा हिस्ट्री आपको समझ मे आना चाहिए। आपकी स्टडी तुलनात्मक होनी चाहिए। अगर आप कम्फर्टेबल महसूस कर रहे है उस 2 महीने के पढ़ाई में तो आप उस सब्जेक्ट को लीजिये। और अगर नही कर रहे है, तो उस सब्जेक्ट को छोड़ दीजिए। प्रोफेशनल तरीके से पढ़ाई बहुत जरूरी हैं। मैं हर बच्चे से कहना चाहूंगा कि वे विषय कोई भी सेलेक्ट करे, लेकिन साइंस जरूर पड़ें। साइंस पढ़ने से बच्चे तार्किक होते हैं। मेरा पूरा बैक ग्राउंड साइंस का रहा हैं। मैंने बीएससी की हैं। मैथमैटिक्स वाला रहा हूं। मैं जब पब्लिक सर्विसेस में आया। मैंने पीएससी भी दी, यूपीएससी भी दी। दसवीं तक के बच्चों को साइंस अच्छे से पढ़ना चाहिए।

आईएस बनने का विचार कैसे आया और क्यो..?

■ **चूंकि** हमारा घर मे साइंस का माहौल था। मेरे भाई 11वीं में मेरिट में आये थे। उस समय 11वीं मैट्रिक हुआ करती थी। उसके बाद वे जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज से पढ़ाई की। पिताजी की इच्छा उन्होंने पूर्ण की। इस तरह दोनों भाई बड़े भाई से प्रेरित थे। हमारी भी इच्छा इंजीनियरिंग कॉलेज में जाने की थी। लेकिन मेरी तैयारी उतनी अच्छी नही हो पाई। पीईटी में सेलेक्शन नही हो पाया। मेरा शुरू से इंजीनियर बनने का सपना था, जो नही हो पाया। उसके बाद जब बीएससी किया। बीएससी करने के बाद लगा कि कुछ एग्जाम देना चाहिए। बैंक या जो जनरली दिया करते है। फिर बिलासपुर में पब्लिक रिलेशन में कुछ लोगों का सिलेक्शन चालू हुआ। तो मुझे लगा कि वो लाइन है जिससे मेरी महत्त्वकांक्षा की पूर्ति हो सकती हैं। तब मैंने एमए किया हिस्ट्री में और साथ सिविल सर्विसेज देंने का सोचा। फिर मैंने यूपीएससी का भी एग्जाम देना चालू किया। आईएएस का जो डायरेक्ट सेलेक्शन होता है पीएससी का। तो मेरा पीएससी में सेलेक्शन हुआ। जब मैं छोटा था तो मेरे पिताजी ने कहा था बड़ा बेटा तो इंजीनियरिंग कॉलेज में गया तुमको आईटी में तैयारी करना हैं। जो भी कारण रहे होंगे। मैं उस समय तैयारी नही कर पाया। तो उस समय मुझे पिताजी ने कहा कि तुम आईएएस बनोगे। तुम ऐसी तैयारी करो कि तुम आईएएस बनो। हालांकि मेरा सीधी भर्ती से प्रमोशन तो नही हो पाया लेकिन डिप्टी कलेक्टर बना। फिर प्रमोशन होकर आईएएस में आया। आईएएस बनने के लिए मेरी पिताजी ने मुझे इंस्पायर किया था।

प्रशासनिक अधिकारी में क्या क्वॉलिटी होनी चाहिए..?

■ **सवेंदनशीलता** सबसे इम्पोर्टेन्ट हैं। प्रशासनिक अधिकारी को संवेदनशील होना चाहिए। निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कि परिस्थितियों के अनुकूल वे कैसा निर्णय ले। एक भी निर्णय अगर गलत होता है तो उसको कंट्रोल करना काफी मुश्किल होता है। अगर प्रशासनिक अधिकारी संवेदनशील रहेगा, तो निर्णय भी उसके एक्रोडिंग लेगा और उसके रिजल्ट भी अच्छे रहेंगे।

एक कलेक्टर होने के नाते आपको क्या लगता है कि अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों से कार्य फ्रेंडली नेचर से या फिर सख्ती से कराया जा सकता हैं...?

■ **देखिए,** कलेक्टर एक लीडर होता है। तो किसी भी नेतृत्वकर्ता में ये क्षमता होना चाहिए कि काम कैसे करवाना हैं। तो मेरा ये मानना है कि टीम लीडर को फ्रेंडली माहौल रखना तो जरूरी हैं। हा, अगर जहां पर लापरवाही है, तो उसमें आपको कड़े निर्णय भी लेने पड़ेंगे। लेकिन आपको फ्रेंडली माहौल में काम करना आवश्यक हैं। मैं टीम वर्क को ज्यादा महत्त्व देता हूं। कम्युनिकेशन गेप चाहता हूं। संवादहीनता की स्तिथि नही होनी चाहिए, मेरे और अधिकारी-कर्मचारियों के बीच मे।

आपके लिए सफलता के क्या मायने है..?

■ प्रशासनिक अधिकारी के दृष्टिकोण से मैं जो भी काम कर रहा हूं, जो भी निर्णय ले रहा हूं। जिस व्यक्ति के लिए ले रहा हूं। वो वहां तक पहुचना चाहिए। और जिस उद्देश्य से मैं कर रहा हूं उसकी पूर्ति होना चाहिए।

आपके नगर में कोचिंग कितनी इम्पोर्टेन्ट है...?

■ **जब** हम स्कूल में पड़ा करते थे। तब उतनी इम्पोर्टेन्ट नही हुआ करती थी। क्योंकि उस समय स्कूल तक पहुच कम लोगो की हुआ करती थी। मैं टीचर का बेटा था, तो मेरे लिए पहुच हो गई। चूंकि मैं बिलासपुर शहर से था, तो उस समय ग्रामीण क्षेत्रो के बच्चों के लिए हायर सेकंडरी स्कूल दूर हुआ करते थे। बहुत से बच्चे नही जाया करते थे। आज तो हर गांव में स्कूल हैं। चूंकि कंपीडिशन बहुत बढ़ गया है, तो उतनी क्वॉलिटी के एजुकेशन के लिए प्रतिस्पर्धा में पार्टिसिपेट करने के लिए बच्चों को जरूरत होती है कोचिंग की। तो मैं उसे निगेटिव नही मानता आज के परिवेश में। क्योंकि मैं कोचिंग पड़ा नही। जब कोई बच्चा कोचिंग/ट्यूशन जाता था तो उसे कमजोर मानते थे, की इसका मैथ्स कमजोर है इसीलिए जा रहा हैं। लेकिन अब वो समय चला गया। आज के स्तिथि में कोचिंग भी एक महत्वपूर्ण पार्ट है। मैं इसे पॉजिटिव लेना चाहूंगा। स्कूल में पढ़ने के बाद कई डाउट आपके कोचिंग में दूर हो जाते है।

कभी डिप्रेस्ड हुए है...?

■ **डिप्रेशन** कुछ क्षणिक रहता है। लॉ इन आर्डर सिचुएशन में कभी कभी हो जाता है, कंट्रोल नही होता। मैं नगर निगम कमिश्नर जब था तो शहरी क्षेत्र की समस्या अधिक होती है। कही पानी नही आ रहा है, कही सफाई नही हो रही है। कही स्ट्रीट लाइट गोल है। निगम का काम इतना बड़ा होता है कि उसको हैंडल करना कई बार मुश्किल हो जाता हैं। उस समय मुझे लगता था कि ये काम क्यों नही हो पा रहा हैं। खासकर ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई में। वाटर हार्वेस्टिंग में भी काफी काम किया है। ऐसे बहुत बड़ा डिप्रेशन कभी नही रहा। क्षणिक भर का रहता हैं। वैसे मैं बहुत इमोशनल हूं।

सक्सेस मंत्रा क्या है।

■ **परिश्रम....।** जिंदगी में हर चीज मेहनत से ही मिलती हैं। आप अपने आप को व्यस्त रखो और खूब मेहनत करो।

अगर आईएस नही होते तो क्या होते...?

■ **मुस्कुराते** हुए...... जो मेरा परिवेश रहा है घर का, उसके मुताबिक अगर मैं आईएएस नही होता तो शायद व्यवसाय करता। मुझे अंदर से एक टेंडेंसी रही हैं, की मैं अपना काम खुद करू। प्रशासनिक अधिकारी को ये अवसर रहता है कि वह खुद का प्रबंधक कर सके। शासन की जो प्राथमिकता है उसे क्रियान्वयन कर सके। मुझे वैसे स्पोर्ट्स का भी शौक है। क्रिकेट का शौकीन हूं और फिल्मों का भी शौकीन हूं। किशोर कुमार के गाने मुझे बेहद पसंद है। अमिताभ बच्चन मेरे फेवरेट स्टार हैं। पर इन सभी को मैं जॉब के रूप में नही ले सकता था। क्योंकि ये सब मेरे शौक रहे है। अगर मैं आईएएस नही होता तो बिजनेस करता। क्योंकि मुझे वहां फ्रीडम होती कुछ करने की। लेकिन मेहनत से मैं प्रशासन पर पहुच गया।

आपके आयडल कौन हैं..?

■ **एपीजे** अब्दुल कलाम। जब से मैं इन्हें जानने लगा तब से एपीजे कलाम ही मेरे आयडल रहे। उनकी कही बाते की ÷सपना वो नहीं है जो आप नींद में देखे, सपने वो है जो आपको नींद ही नहीं आने दे।÷ मुझे बहुत इंस्पायर करता हैं। लेकिन ऐसे कहे तो मेरे पिताजी भी मेरे आयडल हैं। मैंने उनका स्ट्रगलर देखा है जो उन्होंने परिवार के लिए किया।

मंडला में जब डिप्टी कलेक्टर थे, तब आपके ऊपर कलेक्टर थे, और जब आज आप कलेक्टर है तो आपके नीचे कई डिप्टी कलेक्टर और अन्य अधिकारी है...इसे किस तरह देखते हैं..?

■ **हँसते** हुए....देखिए अंतर तो होता है। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और जो नीचे के अन्य अधिकारी बहुत डिफरेंस होता है। जो मैं अब महसूस कर रहा हूं। जनरली क्या होता है न, जो टीम लीडर होता है उसके भरोसे है सारा काम कर लेते हैं। तो मुझे ऐसा लगता है कि वो समय हमारा ज्यादा सरल था। क्योंकि हमें कलेक्टर ने काम सौंपा है, चाहे डिप्टी कलेक्टर रहे हो या एसडीएम या फिर सीईओ जिला पंचायत। अगर कलेक्टर ने गाइड किया है तो वह काम हमे करना हैं। एक टारगेट दिया है। उसे पूरा करना है। चूंकि अब मैं कलेक्टर हूं। तो सारे चीज का निर्णय मुझे खुद लेना हैं। तो ये ज्यादा टफ काम हैं। क्योंकि जिले के कलेक्टर के ऊपर पूरा दारोमदार होता है। जिले की छवि जुड़ी होती हैं। क्योकि जो भी निर्णय लेना होता है। बहुत सोच समझ के लेना होता हैं। कई बार निर्णय क्षणिक में लेना होता है।

फैमली का सपोर्ट कैसा हैं.?

■ **मेरी** फैमिली का सपोर्ट मुझे हमेशा मिला। आज जो कुछ भी हूं सब उनकी ही वजह से हूं। मेरी वाइफ ने मुझे हर कदम में साथ दिया और सपोर्ट किया। मेरे सुख दुख में साथ दिया हैं। मेरी पत्नी हर दिन हर समय मेरे साथ रहती हैं। कोई भी प्रॉब्लम आती है मैं मेरी वाइफ से शेयर करता हूं। मेरी पत्नी से मुझे इमोशनली सपोर्ट भी बहुत मिलता है। चूंकि आप प्रशासन में होते हो तो समय एक जैसा नही रहता। मुझे मेरी वाइफ हर समय इंसपायर करती है कि आप कर सकते है। यू कैन डू इट।

कोरोना काल में सब्जी की खेती से महिलाओं ने कमाये सवा लाख

गर्मी के तीन महिनों में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को मिला आय का जरिया

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

एक ओर जहां दुनिया कोरोना वायरस के संक्रमण के दौर से गुजर रही थी वहीं दूसरी ओर जय अंबे स्व सहायता समूह की महिलाएं खेतों में सब्जी उगाकर अपने परिवारों के लिए आय का जरिया प्रदान कर रही थी। गर्मी के दिनों में चिलचिलाती धूप और कोरोना संक्रमण काल की विषम परिस्थितियों में भी ग्राम नोनबिर्रा के स्व सहायता समूह की दस महिलाएं खेतों में सामूहिक सब्जी उत्पादन करके बीते तीन महिनों में एक लाख बीस हजार रूपये की सब्जियां बेचीं। कोरोना काल में जहा आय का कोई साधन नजर नहीं आ रहा था। उस समय समूह की महिलाएं सब्जी उगाकर अपने परिवारों के लिए भरण-पोषण का नया स्त्रोत पैदा कर रहीं थीं। कोरबा जिले के करतला ब्लाक के ग्राम नोनबिर्रा के जय अंबे स्व-सहायता समूह के अध्यक्ष श्रीमती रजनी पटेल ने बताया कि गर्मी के दिनों में खेत खाली प? रहते हैं, ऐसे खेतों को हम सब्जी उगाने की योजना में शामिल करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि गांव के ही करीब डेढ़ एकड़ पट्टा जमीन को तीन महीने के लिए खेती करने के लिए उपयोग में लिये। खेतों में सिंचाई की व्यवस्था के लिए बोरवेल की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा 15 हजार रूपये चक्रीय निधि तथा एक लाख रूपये का लोन उन्हें प्रदान किया गया था। समूह की अध्यक्ष पटेल ने बताया कि हमारे समूह की दस महिलाओं ने मिलकर सामूहिक खेती करने के लिए गर्मी के सीजन में खाली पड़े जमीन पर सब्जी की फसल लेना शुरू किए। गर्मी के सीजन में खेतों में भिंडी, करेला, लौकी, बैगन, मिर्ची आदि सब्जियों का उत्पादन कर स्थानीय बाजारों, रजगामार बाजार तथा खुले में बेचकर विगत तीन महीनों में सवा लाख रूपये से ज्यादा का आय प्राप्त कर चुके हैं। जय अंबे स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि गर्मी के सीजन में तथा कोरोना महामारी के दौर में खेतों में उगाये सब्जी हमारे परिवार के आय का जरिया बना है। लॉकडाउन में काम-धंधे ठप्प पड़े थे ऐसे में सामूहिक खेती के द्वारा की गई सब्जी उत्पादन से पैसे की आवक ने हम सभी के परिवार की दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा कर दिया है। आय का जरिया बनने से हमारे परिवार के सभी सदस्य बहुत खुश हैं। सब्जी बेचकर कमाए हुए पैसे से जरूरत के सामानों के साथ-साथ अन्य आवश्यक चीजें भी खरीद पा रहे हैं। समूह की महिलाओं ने बताया कि बच्चों के कपड़े और राशन की भी जरूरत खेती की आमदनी से पूरी हो पाई है।

अजय चंद्राकर ने विवादित बयान देकर ढाई करोड़ जनता का अपमान किया : भगत

रायपुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत अल्प प्रवास पर छत्तीसगढ़ भवन पहुंचे। वहां पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के बयान पर कहा कि चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ शासन के मोनो के रूप में गोबर से प्रतिकृति बनाकर छत्तीसगढ़ की ढ़ाई करोड़ जनता का अपमान किया। छत्तीसगढ़ शासन का मोनो हम सब के आन,बान और शान का प्रतीक है।इसका प्रत्येक नागरिक को सम्मान करना जरूरी है। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर 15 वर्ष के सत्ता सुख से वंचित होने पर विचलित हो गए है। भाजपा और उसके नेता गाय और गंगा के प्रति आस्था, वोट पाने के लिए करते है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि के खिलाफ आज प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

सोमवार 29 जून को सभी जिला मुख्यालयों में 10 बजे से 12 बजे तक पेट्रोज-डीजल के दामों में वृद्धि के खिलाफ राजधानी रायपुर और सभी जिला मुख्यालयों में धरना होगा और धरने के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। स्पीक अप आन पेट्रोलियम प्राइजेस का कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लाक कमेटी, विधानसभा कमेटियों के द्वारा व्यापक रूप से चलाया जायेगा। सोशल मीडिया में पेट्रोज-डीजल की मूल्य वृद्धि से उबेर ओला ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर आम आदमी के विडियो पोस्ट किये जायेंगे। पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि की कारण बढ़ती मंहगाई से आम आदमी को हो रही तकलीफ को इस कार्यक्रम में पुरजोर तरीके से उठाया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के सफ्ल कार्यकाल का 29 जून को 1 साल पूरा होने जा रहा है।

केन्द्र की मोदी सरकार के खिलाफ देश में बढ़ती महंगाई एवं पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में हो रही अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के नेतृत्व में कोविड-19 के संदर्भ में जारी प्रशासनिक दिशा-निर्देश व सामाजिक दूरी के नियमों को कड़ाई से पालन करते हुये 29 जून 2020 को प्रातः 11 बजे राजीव गांधी चौक रायपुर में एक दिवसीय धरना, प्रदर्शन का आयोजन किया गया है।

धरना, प्रदर्शन के बाद उपस्थित कांग्रेसजन प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के नेतृत्व में पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में हो रही बेतहाशा वृद्धि के विरोध स्वरूप राजीव गांधी चौक से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के निवास तक सायकल यात्रा करेंगे तथा भेंट स्वरूप सायकल प्रदान करेंगे।

धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश, जिला, शहर, नगर एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, निर्वाचित जनप्रतिनिधी सांसद, विधायकों सहित समस्त कांग्रेसजन अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने के लिये कहा गया है।

आयकर बार एसोसिएशन के संजय बने अध्यक्ष, हरीश सचिव

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

वार्षिक सामान्य सभा ऑनलाइन हुई

आयकर बार एसोसिएशन की 48वीं वार्षिक सामान्य सभा ऑनलाइन आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सचिव प्रवीण शर्मा ने सदस्यों का स्वागत कर, वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा एवं वर्षभर की गतिविधियों को एक वीडियो के रूप में सदस्यों को दिखाया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में बी. सुब्रमण्यम ने सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वर्ष भर उनकी टीम के सदस्यों ने एकमत होकर लगन के साथ कार्य किया एवं कोविड 19 जैसी महामारी के समय भी वरिष्ठ सदस्यों के सुझाव पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किये गए। उन्होंने सी. ए. ब्रांच रायपुर, फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ इनकम टैक्स बार एसोसिएशन और मीडिया के प्रति भी सहयोग हेतु आभार प्रकट किया। कोषाध्यक्ष मयूर जैन ने वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया । चुनाव अधिकारी सुनील अग्रवाल ने वर्ष 2020-21 की कार्यकारिणी घोषित की जो इस प्रकार है - अध्यक्ष - संजय बिल्थरे, उपाध्यक्ष प्रथम - गुलाब चंद्र केडिया, उपाध्यक्ष द्वितीय - साक्षी गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष - परिमल जैन, सचिव - हरीश बजाज, सह सचिव प्रथम - रविन्द्र प्रधान, सह सचिव द्वितीय - सतीश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य - मनोज केसवानी, अमित चन्द्र शर्मा, जितेंद्र सिंह खनूजा और विमल श्रीवास।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में बताया कि वे आयकर बार की परंपरा के अनुसार वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से ही कार्य करेंगे। सदस्यों की समस्याओं का त्वरित निराकरण एवं उनके ज्ञान अर्जन हेतु कार्यक्रम आयोजित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम के अंत मे नवनिर्वाचित सचिव हरीश बजाज ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी योगेश पुरोहित ने दी।

अफवाह के चलते दहशत में लोग...

क्वारेंटाइन सेंटर में भूत-प्रेत से भयभीत होकर लोगों ने अपने ही साथी को पिलाई पेशाब

पायनियर संवाददाता ‹ कोरबा
www.dailypioneer.com

जिले में क्वारनटीन सेन्टर में रह रहे लोग भूत-प्रेत के साए की अफवाह के चलते दहशत में आ गए हैं। पठियापाली के क्वारेंटाइन सेंटर में ठहरे लोग प्रेत आत्मा से इस कदर भयभीत हो गए कि जब उनके कुछ साथी उटपटांग हरकत करने लगे तो, अन्य मजदूरों ने प्रेत आत्मा का साया समझकर उन्हें पेशाब तक पिला दिया. साथ ही लोगों ने जाँच में हो रही देरी को लेकर सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाया है।

करतला ब्लाक के पठियापाली हाई स्कूल में क्वारेंटाइन लोगों को शैतान का भय सता रहा है. यह बात हम नहीं बल्कि ये मजदूर कह रहे हैं. स्कूल परिसर के अंदर दिखाई दे रहे मजदूर बता रहे हैं कि इनको स्कूल के अंदर प्रेत आत्मा का साया नजर आता है. कुछ साथी की उटपटांग हरकत देखकर अन्य लोगों के मन में भी डर समा गया है. मजदूर बताते हैं कि जिस व्यक्ति के ऊपर प्रेत आत्मा का साया था उसको भगाने के लिए लोगों ने युवक को पेशाब तक पिला दिया. ऐसे अमानवीय कृत्य से लोगों के बीच अंधविश्वास की जड़ें मजबूत हो रही है. भूत के डर से लोग रतजगा करने मजबूर हैं. साथ ही लोगों ने कहा कि 14 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट नहीं आने से लोगों के मन मे संक्रमण का डर सता रहा है। सेंटर प्रभारी और गांव के जनप्रतिनिधियों ने लोगों को समझाया कि भूत प्रेत कुछ नहीं होता है. आप सभी निश्चिंत होकर सेंटर में रहें। सरपंच श्यामलाल कँवर ने बताया कि अब तक पठियापाली से 5 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं. जिनमें से एक व्यक्ति ही प्रवासी मजदूर है. उनका कहना है कि गाँव में संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है. इसके बावजूद ग्रामीण नियमों की अनदेखी कर मनमानी करते हुए अन्य गाँव में आना जाना कर रहे हैं. पंचायत स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।

इसके लिए शासन प्रशासन से सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजामात करने की मांग की है. उन्होंने बताया कि मजदूर प्रेत आत्मा की बात कहते हुए सेंटर बदलने की मांग कर रहे हैं।

किसान 15 जुलाई तक करवा सकते हैं बजाज एलियांज में फसल बीमा

जानें धान के अलावा कौन सी फसलें हैं शामिल

पायनियर संवाददाता ‹ नई दिल्ली/रायपुर
www.dailypioneer.com

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन-2020 के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 15 जुलाई रखी गई है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत इस साल सिंचित और असिंचित धान, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, तुअर (अरहर), मूंग और उड़द प्रमुख फसलें हैं. केंद्र सरकार ने किसानों से अपील की है कि वे प्राकृतिक आपदाओं से खेती पर होने वाले जोखिम से बचने के लिए बीमा जरूर करवाएं। इसके लिए दो बीमा कंपनियों को काम दिया गया है, जो अलग-अलग जिलों में फसल का बीमा करने का काम करेंगी।

किन जोखिमों पर मिलता है भुगतान

कृषि मंत्रालय के मुताबिक योजना के तहत ओले पड़ना, जमीन धसना, जल भराव, बादल फटना और प्राकृतिक आग से नुकसान पर खेतवार नुकसान का आंकलन कर भुगतान किया जाता है। प्राकृतिक आपदा में फसलों को नुकसान पहुंचने पर केंद्र सरकार ने किसानों को उसकी भरपाई के लिए फरवरी 2016 में अति महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' की शुरुआत की थी।

बजाज एलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी

यह कंपनी जसपुर, बलरामपुर, बस्तर, बीजापुर, बिलासपुर, रायपुर, कबीरधाम और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में बीमा करेगी। शेष जिलों में एक अन्य कंपनी ये काम करेगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-मोहन राव* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-ए.एन. द्विवेदी, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2018-20, दूरभाष नंबर 0771, 2972403